आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	33°C	18°C

इनसाइड न्यूज

चिरंजीवी हैं भगवान परशुराम, उनका जीवन धर्म और न्याय की रक्षा...

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

सोमवार 16 मार्च, 2026 | पेज: 12 | मूल्य: ₹ 3.00/- लखनऊ | वर्ष: 17, अंक: 153 | www.janexpresslive.com/epaper

संसद के दरवाजे पर चाय-पकौड़े खाते... 12

विधानसभा चुनाव 2026: बंगाल में 23-29 अप्रैल, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान

बाकी राज्यों में 9 अप्रैल को वोटिंग, नतीजे 4 मई को

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया। बंगाल में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में सिंगल फेज में चुनाव होंगे। तमिलनाडु में 23 अप्रैल, केरल, असम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा। पांचों राज्यों का रिजल्ट 4 मई को आएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों-यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता हैं। यहां 824 सीटों पर चुनाव होने हैं। इन राज्यों में आज से ही आचार संहिता लागू हो गई है। 2021 में इन सभी पांच राज्यों के चुनाव का ऐलान 26 फरवरी को किया गया था। पिछली बार बंगाल में 8 चरणों में चुनाव हुए थे। असम में 3 और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी। पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई-जून में खत्म हो रहा है।

राज्य / केंद्रशासित प्रदेश	चरण	मतदान की तारीख	नतीजे
पश्चिम बंगाल	दो चरण	23 अप्रैल, 29 अप्रैल	चार मई
असम	एक चरण	नौ अप्रैल	चार मई
केरल	एक चरण	नौ अप्रैल	चार मई
पुदुचेरी	एक चरण	नौ अप्रैल	चार मई
तमिलनाडु	एक चरण	23 अप्रैल	चार मई

चुनाव आयुक्त ने कहा, मैं युवाओं से वोट डालने की अपील करता हूं

चुनाव आयुक्त ने कहा- 'मैं युवाओं और पहली बार वोट देने वाले लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जरूर निभाएं। वे वोट जरूर करें।आपका वोट आपकी चॉइस है जो भविष्य का निर्माण करेगा। भारत में चुनाव लोकतंत्र का पर्व है। चुनाव का ऐलान करने से पहले मैं आपको कुछ जानकारी दे रहा हूं जो आने वाले चुनाव से जुड़ा है। पांच राज्यों- यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता और 824 सीटें हैं। 17.4 करोड़ मतदाता, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल आबादी के बराबर हैं। इस बार 20 से ज्यादा देशों के चुनाव आयोगों से आए मेहमान चुनाव देखने के लिए यहां आ रहे हैं।

चुनाव आयोग ने असम और केरल के अनोखे मतदान केंद्र के बारे में बताया

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि असम और केरल के अनोखे मतदान केंद्र भी हैं।

- **असम:** मतदान दल माजुली से 50-60 किलोमीटर की कठिन यात्रा नाव और सड़क मार्ग से तय करते हैं, ब्रह्मपुत्र नदी पार करते हैं, और अंत में ट्रैक्टर से दूरस्थ धनेखाना मतदान केंद्र पर 248 मतदाताओं को लेकर पहुंचते हैं।
- **केरल:** इडुक्की जिले के एक आदिवासी क्षेत्र में स्थित बूथ संख्या 34 एडामलकुड्डी, जिसमें कुल 693 मतदाता हैं, एक अनोखा दूरस्थ मतदान केंद्र है, जहां मतदान अधिकारी विशेष वाहन से 30 किलोमीटर की दुर्गम और दुर्गम सड़कों से होकर गुजरते हैं, जिसके बाद उन्हें 8 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

चुनाव आयोग ने कहा, तारीखों के ऐलान से पहले आचार संहिता नहीं थी

- **पहला सवाल:** बंगाल चुनाव 2 चरणों में चुनाव की तैयारी,
- **आरोप:** बीजेपी के लिए काम करते हैं। महाभियोग का नोटिस है।
- **दूसरा सवाल:** एसआईआर की सप्लिमेंट्री लिस्ट कब आएगी।
- **तीसरा सवाल:** ममता ने आधे घंटे पहले घोषणाएं की हैं। चुनाव आयुक्त ने कहा कि तारीखों के ऐलान से पहले आचार संहिता नहीं थी। लेकिन अब लागू है। आयोग ने चुनाव के फेज कम करने के लिए तैयारी की है। यह हर किसी के लिए सुविधाजनक होगा। पिछले चुनावों में हिंसा का इतिहास देखते हुए चुनाव में पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। एसआईआर की सप्लिमेंट्री लिस्ट आते ही इसे मेन लिस्ट में जोड़ दिया जाएगा।

'हमने पांचों राज्यों का दौरा किया'

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, हमने पिछले दिनों चुनाव की तैयारियों के लिएअ सम, केरल, तमिलनाडु बंगाल और पुडुचेरी के वोटर्स का दौरा किया। हम सभी दलों से मिले। उनके विचार और सुझाव जाने। आयोग ने चीफ इलेक्टर ऑफिसर से भी मुलाकात की। बीएलओ को सम्मानित किया जिन्होंने एसआईआर प्रक्रिया में योगदान दिया। नए वोटर्स को सम्मानित किया।

दीवारों से पार्टियों की तस्वीरें-पेंटिंग्स हटा रहा चुनाव आयोग

तमिलनाडु में आचार संहिता लागू होने के बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों ने राज्यभर में दीवारों पर बने राजनीतिक दलों की तस्वीरों और पेंटिंग्स को मिटाना शुरू कर दिया है।

बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष बोले, मेरा नाम वोटर लिस्ट में नहीं

5 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव की तारीखों के ऐलान पर पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष सुवंकर सरकार ने कहा- चाहे चुनाव एक चरण में हो या दो चरण में, कांग्रेस का सिर्फ एक ही रुख है कि वैध मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाए जाने चाहिए। बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- हमारी मांग है कि 23 अप्रैल से पहले जिन 60 लाख वोटरों के नामों पर विचार किया जा रहा है, उन्हें स्पष्ट किया जाए। जब तक यह स्पष्ट नहीं होगा, तब तक यह चुनाव कैसे हो सकता है? मैं एक वैध मतदाता हूं, लेकिन मेरा नाम वोटर लिस्ट में नहीं है। मेरी चुनाव आयोग से मांग है कि सभी वैध मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएं।

'लोग केरल में एलडीएफ और यूडीएफ से तंग आ चुके'

केरल भाजपा प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने कहा- 9 अप्रैल को केरल में भाजपा को वोट मिलेंगे, क्योंकि लोग प्रधानमंत्री मोदी के विकास मॉडल को चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल और पूरे भारत के लिए बहुत काम किया है। लोग अब एलडीएफ और यूडीएफ से तंग आ चुके हैं। भ्रष्टाचार और अन्य मुद्दों से परेशान जनता अब एनडीए को वोट देगी और हम जीतेंगे।

चुनाव आयुक्त बोले, राजनैतिक हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी

तारीखों के ऐलान के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 326, चुनाव आयोग को यह दायित्व देता है कि वह पात्र लोगों को सूची में रखे। जो मतदाता 18 साल के हैं, भारत के नागरिक हैं। आचार संहिता लागू होने के बाद अब कोई राज्य नई घोषणाओं के ऐलान नहीं कर सकता। हिंसा को चुनाव आयोग बर्दाश्त नहीं करेगा। अभी तक जो घटनाएं हुई वे आचार संहिता लागू करने के पहले हुईं। आज के बाद एक्शन लिया जाएगा।

चुनाव आयोग का ऐलान, मतदान केंद्रों के लिए 100% वेबकास्टिंग होगी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने के लिए चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर 100% वेबकास्टिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, हमने 12 महीने में कई प्रयोग किए

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया- ' पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए। पहला था स्ढ्क्र जिसमें यह निश्चित किया गया कि कोई भी अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में न रहे। दूसरा-मोबाइल फोन पोलिंग स्टेशन के बाहर ही रखा जाएगा। वोट देने के बाद उसे वापस ले सकेंगे। एक पोलिंग स्टेशन में 1200 से ज्यादा वोटर्स न हों। सभी जानकारी चुनाव से जुड़ी जिनमें एपिक कार्ड, प्रत्याशियों के हलफनामे एक एप पर उपलब्ध हैं।

अब 5 राज्यों में चुनौती और मौजूदा स्थिति

पश्चिम बंगाल: 3 बार से ममता बनर्जी ही मुख्यमंत्री

14 साल से ममता के सामने बीजेपी मुख्य चुनौती है। 2026 के चुनाव में टीएमसी जीती तो ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। वे ऐसा करने वाली देश पहली महिला होंगी। जयललिता के नाम 5 बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है। हालांकि, वह 1991 से 2016 तक अलग-अलग कार्यकाल (लगातार नहीं) में मुख्यमंत्री पद पर रहीं।

तमिलनाडु: भाजपा-कांग्रेस यहां सत्ता में नहीं आ सकीं

आजादी के बाद लगभग दो दशक तक यहां कांग्रेस की सरकार रही। 1967 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई और इसके साथ ही राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। 1967 के बाद से तमिलनाडु की राजनीति मुख्य रूप से AIADMK और डीएमके के बीच घूमती रही है। फिलहाल तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुवाई में डीएमके की सरकार है, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आई। पार्टी ने कांग्रेस, वीसीके और वामपंथी दल के साथ गठबंधन किया है। बीजेपी ने कई चुनावों में AIADMK जैसे दलों के साथ गठबंधन जरूर किया, लेकिन राज्य में उसकी अपनी सरकार नहीं रही।

केरल: दक्षिण का इकलौता राज्य जहां लेफ्ट सत्ता में

देश का इकलौता राज्य है, जहां आज भी लेफ्ट सत्ता में है। यहां सत्ता बदलने की परंपरा रही है, लेकिन 2021 में वाम मोर्चा ने इस ट्रेंड को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। कांग्रेस गठबंधन की कोशिश इस बार एंटी इनकम्बेंसी को कैश करानी की रहेगी। वहीं, बीजेपी अब तक केरल में एक भी विधानसभा सीट नहीं जीत पाई है। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां उसने त्रिशूर लोकसभा सीट जीती थी। इसके अलावा दिसंबर 2025 में भी बीजेपी ने पहली बार त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) नगर निगम का चुनाव जीता।

असम: कांग्रेस ने किया 8 पार्टियों से अलायंस

राज्य में 10 साल से भाजपा की सरकार है। पार्टी तीसरे चुनाव की तैयारियों में जुटी है। पीएम मोदी 6 महीने में 3 बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। यहां पार्टी ने 126 सीटों में से 100+ सीटें जीतने का टारगेट रखा है। असम में बांग्लादेश, घुसपैठियों/सीमा सुरक्षा, असमिया पहचान जैसे मुद्दे हैं। भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस ने 10 पार्टियों के साथ गठबंधन किया है। इसमें वामपंथी और क्षेत्रीय दल शामिल हैं।

पुडुचेरी: सबसे कम सीटों वाली विधानसभा

2021 में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद AINRC-BJP गठबंधन ने सत्ता हासिल की और एन. रंगास्वामी एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब बीजेपी सत्ता में सीधे तौर पर भागीदार बनी। इस बार कांग्रेस डीएमके के साथ गठबंधन में वापसी की कोशिश कर रही है और सरकार गिरने के मुद्दे को एंटी-इनकम्बेंसी में बदलना चाहती है।

बंगाल में भाजपा की हार तय: टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद

टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा- भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो हर बात पर शिकायत करती है और रोती रहती है। उसका मुख्य काम लोगों के बीच भ्रम और झूठ फैलाना है। हमारा सवाल है कि भाजपा को हार का सामना करने के लिए कितने चरण चाहिए। चाहे सात चरण हों, आठ चरण हों या दो चरण, उन्हें हार का सामना करना ही पड़ेगा।

चेतावनी: यूपी में आज 17 जिलों में ओले गिर सकते हैं

गाजियाबाद-मेरठ समेत 15 शहरों में बारिश, 2 की मौत

जन एक्सप्रेस। लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/गाजियाबाद

यूपी में रविवार को मौसम अचानक बदल गया। सुबह नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, अयोध्या समेत 15 शहरों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। लखनऊ में बूंदाबांदी के साथ धूलभरी आंधी चली। आसमान में काले बादल छा गए। हरदोई में बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे किसान की मौत हो गई। उसके 2 बच्चे झुलस गए। सीतापुर में भी बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। हाथरस में बारिश की वजह से कोल्ड स्टोरेज की दीवार गिर गई। यहां रखा 10 हजार बोरी आलू मलबे में दब गया। मौसम विभाग ने आज 35 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और 10 जिलों में ओले का अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटे तक प्रदेश में मौसम बिगड़ा ही रहेगा। सोमवार को वाराणसी-प्रतापगढ़ समेत 43 जिलों में बादलों की आवाजाही और बिजली गिरने की संभावना है। यहां 40-50kmph की स्पीड से आंधी भी चल सकती है। जबकि आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर समेत 17 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। फिलहाल बारिश और तेज हवा का असर फसलों पर भी दिखाई दे रहा है। कई इलाकों में खड़ी फसलें झुक गई। हालांकि, तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 38.4°C दर्ज किया गया। उरई में पारा 36.8°C और प्रयागराज में 36.4°C पहुंच गया।

> आज से एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ की वजह से प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया। 2 दिन प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में बारिश के आसार हैं। 40-50 किमी की स्पीड से हवाएं चलेंगी। ओले भी गिरेंगे। 19 मार्च से प्रदेश में एक और विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, इससे भी बारिश-आंधी के आसार हैं।
> -अतुल सिंह, मौसम वैज्ञानिक

फसलों को नुकसान, किसानों की बढ़ी चिंता

बेमौसम बारिश और तेज हवाएं खेतों में खड़ी फसलों के लिए नुकसानदायक हैं। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं की फसल पकने की स्थिति में है। ऐसे में बारिश और तेज हवा से बालियां झुक जाती हैं। कटाई के समय दिक्कत होती है। दाने खराब होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, लगातार नमी रहने से फसलों में रोग लगने का खतरा भी बढ़ सकता है। हालांकि, हल्की बारिश से कुछ दलहनी और सब्जी वाली फसलों को फायदा भी मिल सकता है।

अफसर फील्ड में उतरकर किसानों से बात करें: योगी

सीएम योगी ने रविवार सुबह हुई बारिश से फसलों को हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने सभी डीएम और अफसरों को फील्ड में जाकर किसानों से सीधे बात करने और उनकी फसलों को हुए नुकसान का आंकलन करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा- राहत आयुक्त भी मैदान में काम कर रहे अफसरों के लगातार संपर्क में रहें। जहां-जहां फसलों को नुकसान हुआ है, उसकी जानकारी लेकर किसानों को समय पर मुआवजा दिलाने की व्यवस्था की जाए।

डिप्टी सीएम केशव बोले, सपा मुखिया अखिलेश यादव देशद्रोही तो नहीं, लेकिन उनकी देशभक्ति पर संदेह

जन एक्सप्रेस। प्रयागराज

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर प्रयागराज में निशाना साधा। सपा प्रमुख के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केशव ने कहा कि मैं अखिलेश यादव को देशद्रोही तो नहीं कह सकता, लेकिन उनकी देशभक्ति पर संदेह जरूर है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण देश और दुनिया ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। इस संकट से पहले जहां रोजाना 50-55 लाख गैस सिलिंडर बुक होते थे, अब यह आंकड़ा 88 लाख तक पहुंच गया है। अखिलेश यादव और या राहुल गांधी दोनों ही माहौल खराब करने और अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं। उनके बयानों से देश में दहशत फैल रही है। जनता उन्हें सबक सिखाएगी। केशव प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी सत्ता से बाहर होने वाली है और भाजपा सत्ता में आ रही है। भाजपा के पक्ष में बने माहौल ने टीएमसी को हिलाकर रख दिया है। इसलिए वे आक्रामक रुख अपना रहे हैं, मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त हैं।

कांशीराम जयंती: मायावती ने किया नमन

बोलीं, सपा का पीडीए प्रेम छलावा, विरोधी पार्टियों की कथनी-करनी में अंतर

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती पर पार्टी अध्यक्ष मायावती ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस की तरह समाजवादी पार्टी भी बहुजन समाज की हितकारी नहीं है। इन दलों से बहुजन समाज के हित व कल्याण की आशा करना रेगिस्तान में पानी तलाशने जैसा है। इन पार्टियों के छलावा व दिखावा से सावधान रहना जरूरी है। बसपा सुप्रीमो ने मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आह्वान किया कि बहुजन समाज के लोग बसपा मूवमेंट से जुड़कर मिशनरी अंबेडकरवादी बनें। अपने वोटों की शक्ति से सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करें। बसपा ही डॉ. अंबेडकर के नक्शे-कदम पर चलने वाली 'असली पार्टी' है। सपा व अन्य विरोधी दलों की कथनी व करनी में बड़ा अंतर है। सांसदी और विधायकी आदि का प्रलोभन देकर बहुजन समाज के वोट की शक्ति को कमजोर करने वाले इन दलों के साथ

निजी लाभ व स्वार्थ के लिए पार्टी व मूवमेंट से दगा करने वालों से भी दूरी रखनी जरूरी है।

मुस्लिम और ब्राह्मण सपा से हो रहे दूर

मायावती ने कहा कि दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का शोषण करने वाली पार्टियों में से खासकर सपा का पीडीए प्रेम छलावा है। इनको इन वर्गों व इनके महापुरुषों की याद केवल चुनाव के समय में ही आती है। सरकार बन जाने के बाद वह भी दूसरी पार्टियों की इन वर्गों का तिरस्कार कर देती है। यह कोई आरोप नहीं, बल्कि इन पार्टियों का इतिहास है। मुस्लिम समाज का इन पार्टियों से अलग होना तथा ब्राह्मण समाज के भी बसपा से जुड़ने से सपा का राजनीतिक व जातिवादी बैर बढ़ता जा रहा है।

भारत रत्न देने में नहीं करें देरी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तरह वर्तमान भाजपा सरकार भी कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने में और देरी ना करे। समतामूलक समाज तैयार करने में कांशीराम का योगदान ऐतिहासिक है। इसी वजह से वह लोगों के दिलों में बसते हैं। उन्होंने बहुजन समाज को बसपा के बैनर तले एकजुट करके राजनीतिक शक्ति बनाई और यूपी जैसे महत्वपूर्ण राज्य में मुझे मुख्यमंत्री बनाया।

लखनऊ और नोएडा में आयोजन

मायावती के निर्देश पर राजधानी के कांशीराम स्मारक स्थल पर प्रदेश के 12 मंडलों और नोएडा में छह मंडलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों का जमावड़ा लगा। राजधानी में आयोजित कार्यक्रम को बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल समेत कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इसके अलावा आठ अन्य राज्यों में भी पार्टी ने कांशीराम जयंती पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया।

एसआई परीक्षा में प्रश्न विवाद: सीएम योगी बोले, आस्था पर न करें टिप्पणी, आदतन अपराधी व्यक्ति को प्रतिबंधित करें

- सभी भर्ती बोर्ड के अध्यक्षों को इसका संज्ञान लेते हुए सभी पेपर सेटर्स को इस बाबत विशेष सावधानी बरतने के निर्देश देने को कहा

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

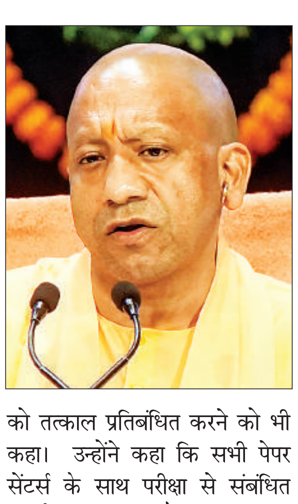

उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा में पूछे गए विवादित प्रश्न के प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी भर्ती बोर्ड के अध्यक्षों को निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। यह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी भर्ती बोर्ड के अध्यक्षों को इसका संज्ञान लेते हुए सभी पेपर सेटर्स को इस बाबत विशेष सावधानी बरतने के निर्देश देने को कहा। साथ ही आदतन ऐसी हरकतें करने वालों को तत्काल प्रतिबंधित करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि सभी पेपर सेंटर्स के साथ परीक्षा से संबंधित एमओयू करने के दौरान इस बाबत शर्त भी जोड़ी जाए। बता दें कि इस प्रकरण के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराने के साथ जांच कराने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

शराब नीति मामले में केजरीवाल पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई की अपील दूसरी बेंच में भेजने की मांग

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की रद्द की गई आबकारी नीति मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत से मांग की है कि उनके खिलाफ सीबीआई की अपील को दिल्ली हाई कोर्ट की मौजूदा बेंच से हटाकर किसी दूसरी बेंच में स्थानांतरित किया जाए। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी अलग याचिका दायर की है। दोनों नेताओं ने हाई कोर्ट की ओर से जारी समन को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। यह मामला उस समय फिर चर्चा में आया जब 27 फरवरी को ट्रायल कोर्ट ने आबकारी नीति से जुड़े मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया था। अदालत ने सीबीआई की चार्जशीट पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह न्यायिक जांच में टिक नहीं सकी। इसके बाद सीबीआई ने इस फैसले को चुनौती देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट में अपील दायर कर दी। यह मामला फिलहाल जस्टिस स्वरना कांत शर्मा की बेंच के सामने सूचीबद्ध है।

क्या है केजरीवाल की सुप्रीम कोर्ट में मांग?

अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि सीबीआई की अपील की सुनवाई किसी दूसरी बेंच के सामने कराई जाए। उनका कहना है कि उन्हें यह आशंका है कि मौजूदा बेंच में मामले की सुनवाई पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से नहीं हो पाएगी। केजरीवाल ने कहा कि यह मांग किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए की गई है।

क्या जस्टिस शर्मा की टिप्पणियों पर सवाल उठाया गया?

याचिका में कहा गया है कि जब सीबीआई की याचिका पर सुनवाई शुरू हुई, तब जस्टिस स्वरना कांत शर्मा ने शुरुआती चरण में ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को पहली नजर में गलत बताया था। केजरीवाल का कहना है कि यह टिप्पणी उस समय की गई जब दूसरी पक्ष की दलीलें अभी सुनी नहीं गई थीं। इससे उन्हें निष्पक्ष सुनवाई को लेकर गंभीर आशंका हुई।

क्या पहले भी इस मामले से जुड़े कई फैसले इसी बेंच ने सुने?

याचिका में यह भी कहा गया है कि जस्टिस शर्मा पहले भी इस मामले से जुड़े कई मामलों की सुनवाई कर चुकी हैं। इनमें अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका, आम आदमी पार्टी के नेताओं की जमानत याचिकाएं और अन्य आरोपियों से जुड़े मामले शामिल हैं। इनमें तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के कविता से जुड़ा मामला भी रहा है।

क्या सीबीआई की अपील पर पहले ही कुछ आदेश दिए गए?

नौ मार्च को जस्टिस शर्मा की बेंच ने ट्रायल कोर्ट की उस सिफारिश पर रोक लगा दी थी, जिसमें जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की बात कही गई थी। साथ ही बेंच ने सीबीआई की अपील पर सभी 23 आरोपियों को नोटिस जारी किया था। अदालत ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट के कुछ निष्कर्ष पहली नजर में गलत प्रतीत होते हैं और उनकी आगे जांच जरूरी है।

दिल्ली के नेचर बाजार में आग लगी

दमकलकर्मियों ने पाया काबू, 40 दुकानें जलकर हुई खाक

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

रविवार सुबह दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में स्थित नेचर बाजार में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटों ने देखते ही देखते करीब 40 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लाखों का नुकसान होने की आशंका है। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग को सुबह लगभग 7 बजकर 37 मिनट पर अंधेरिया मोड़ स्थित नेचर बाजार में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया और तुरंत 10 दमकल गाड़ियां मौके के लिए रवाना कर दी गई। आग की भयावहता को देखते हुए, अग्निशमन कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास शुरू किए। दमकल विभाग की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से रोकने के लिए कड़ी मशक्कत की और आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। हालांकि, आग की चपेट में आने से लगभग 40 दुकानें पूरी तरह से जल गईं। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। हालांकि किसी भी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन आग से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। जली हुई दुकानों में रखे सामान, नकदी और अन्य कीमती वस्तुएं आग की भेंट चढ़ गईं।

बहुजन समाज का विकास कर कांशीराम के सपनों को साकार कर रही भाजपा सरकार: पूर्व सांसद

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जनपद के पूर्व सांसद आर.के. सिंह पटेल द्वारा रविवार को बहुजन नायक कांशीराम की 92वीं जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। उन्होंने कहा कि कांशीराम का संपूर्ण जीवन शोषित वंचित समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत डॉ. भीमराव अंबेडकर, ज्योतिबा फुले और छत्रपति शाहू जी महाराज के आदर्शों पर चलकर कांशीराम ने देश के दलितों और पिछड़ों को संगठित कर उनमें राजनैतिक चेतना जागृत कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। देश के शोषित वंचित समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़कर उनका सर्वांगीण विकास कर वर्तमान सरकार ने कांशीराम के अधूरे मिशन को पूरा कर रही है।

आयोजित जयंती समारोह में कांशीराम को अपने राजनैतिक जीवन का प्रेरणास्त्रोत बताते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि कांशी राम साहब ने अपने जीवन में भारतीय समाज के सबसे निचले पायदान पर मौजूद अछूत समूह और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए संघर्ष किया और उन्हें सशक्त बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने बताया कि कांशी राम साहब का जन्म 15 मार्च 1934 को हुआ था। उन्हें बहुजन नायक के रूप में भी जाना जाता है। वे एक भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे, जिन्होंने

दलितों, पिछड़ों और अन्य वंचित जातियों को राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण का रास्ता दिखाया। उनका उद्देश्य था कि समाज के शोषित वर्ग को एकजुट करके उन्हें अधिकार दिलवाया जाए। उन्होंने कहा कि कांशी राम का यह सपना था कि एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज की नींव बहुजन समाज को सशक्त बनाकर रखी जा सकती है। वे भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने की दिशा में अग्रणी थे। उनके कार्यों को आज भी समाज के वंचित वर्गों द्वारा सराहा जाता है, और उनका योगदान भारतीय राजनीति और समाज में हमेशा याद किया जाएगा। कांशीराम की जयंती के अवसर पर उनके योगदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनके विचारों और उनके द्वारा किए गए कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। उन्होंने कहा कि कांशीराम तेरी नेक कमाई 3 तूने सोती कौम जगाई। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता शक्ति प्रताप सिंह तोमर, राजकुमार त्रिपाठी, शिवाकांत पांडेय, आशीष रघुवंशी, सुनील सिंह पटेल आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 15 हजार 7 सौ 91 मामलों का हुआ निपटारा

जन एक्सप्रेस । हमीरपुर

लोक अदालत का असल मकसद हर इंसान को बिना देर किये आसान तरीके से इंसाफ दिलाना है। उक्त विचार जिला जज मनोज कुमार राय व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ने जिला जजी मीटिंग हाल में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ करते हुये व्यक्त किये, कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करने के साथ ही सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ हुई। इस दौरान प्रधान जज परिवार अदालत ज्ञान प्रकाश सिंह, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, अरूण कुमार मल्ल, महामंत्री, जिला अधिवक्ता संघ अश्वनी प्रजापति, अध्यक्ष, प्रैक्टिस एंड प्रोग्रेसिव बार मनीराम वर्मा, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उदय वीर सिंह, स्थाई लोक अदालत के पीठासीन अधिकारी, प्रमोद कुमार, लोक अदालत के नोडल अधिकारी विशेष न्यायाधीश (द0प्र0क्ष0), अनिल कुमार खरवार, अपर जिला सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश (एस0सी0एस0टी0 एक्ट), रनवीर सिंह, अपर जिला जज विशेष न्यायाधीश पोक्सो, कीर्ति माला सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, विनय कुमार सिंह, सिविल जज (सी0डि0), निहारिका जायसवाल, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अभिषेक त्रिपाठी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महेन्द्र कुमार पाण्डेय, सिविल जज (सी0डि0)एफ0टी0सी0 वन्दना अग्रवाल, सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 (क्राइम अगेंस्ट वूमेन), कीर्ति मिश्रा, सिविल जज (जू0डि0)एफ0टी0सी0 शैली शरण सहित बड़ी तादाद में वकील और वादकारीगण मौजूद रहे। इस मौके पर जिला जज ने कहा कि लोक अदालत के जरिये से बिना देर किये आसन तरीके से समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ सुगमता पूर्वक न्याय दिलाने के लिये इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन लगातार करते रहेगें। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को फायदा मिल सके। लोक अदालत के जरिये जिला अदालत में बहुत बड़ी तादाद में आपसी सुलह समझौते की वजह से मामलों का निपटारा मुमकिन हो सका। प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय से 13, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से 84, अपर जनपद न्यायाधीश-प्रथम, से 123, विशेष न्यायाधीश (एस0सी0/एस0टी0) से 3, विशेष न्यायाधीश (द0प्र0क्ष0) से 3, अपर जिला अदालत स्पेशल जज पोक्सो से 2, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट से 902, सिविल जज (सी0डि0) से 53, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-प्रथम से 560, सिविल जज (जू0डि0), से 610, सिविल जज (सी0डि0)एफ0टी0सी0 से 2, सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 क्राइम अगेंस्ट वूमेन से 100, सिविल जज (जू0डि0) राठ से 365, सिविल जज (जू0डि0)एफ0टी0सी0 से 100, सिविल जज (जू0डि0) मौदहा 188. शशांक गुप्ता, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राठ से 544, ग्राम न्यायालय सरीला से 100, स्थायी लोक अदालत से 5 मामले निस्तारित किये गये। इस तरह सभी अदालतों से 3752 मामले निस्तारित किये गये।

गौशाला में समरसेबल खराब पानी की व्यवस्था हुई धड़ाम, प्रधान ने सचिव पर लगाए गंभीर आरोप

जन एक्सप्रेस । बांदा

बबेरू ब्लाक क्षेत्र के कुचेंदू गांव की गौशाला में पानी की व्यवस्था धड़ाम है, जिससे ग्राम प्रधान ने ग्राम पंचायत अधिकारी के ऊपर गंभीर आरोप लगाया है ।बबेरू ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत कुचेंदू ग्राम पंचायत में बनी गौशाला में चिलचिलाती धूप और गर्मी से गौवंशों की प्यास से हालत खराब हो रही है।गौशाला में पानी पीने की व्यवस्थाएं पूरी तरह से धड़ाम है,जब इस विषय में ग्राम प्रधान कमलेश कुमार वर्मा से बातचीत की गई,तो बताया कि पिछले फरवरी माह से गौशाला में लगा समरसेबल खराब पड़ा है।कई बार ग्राम पंचायत अधिकारी पूजा सिंह व खंड विकास अधिकारी को लिखित में पत्र दे चुके हैं।और समस्या का समाधान कराए जाने की मांग किया है।लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी अभी तक समरसेबल बन नहीं पाया है।जिससे गोवंशों को पीने के लिए तालाब से समरसेबल के माध्यम से पानी पीने के लिए भर व्यवस्था की जाती है। जिससे वही गंदा पानी पीने के लिए गोवंश मजबूर हैं।जिससे गोवंशों की हालत भी खराब हो रही है।वहीं ग्राम प्रधान कमलेश कुमार वर्मा ने ग्राम पंचायत अधिकारी पूजा सिंह के ऊपर गंभीर आरोप भी लगाया है।और कहा है कि गौशाला में भूसा खली नमक गुड एवं गौशालाएं की व्यवस्थाओं दुरुस्त की गई थी।ताकि गोवंशों को समय से खाना पानी मिल सके।लेकिन ग्राम पंचायत अधिकारी पूजा सिंह के द्वारा भूसा और अन्य सामग्री का भुगतान नहीं करवा रही हैं।जबकि ग्राम पंचायत के खाते में पर्याप्त धन करीब 11 लाख रुपए पड़ा हुआ है।और यह भी आरोप लगाया कि जब तक 50: कमीशन नहीं मिलेगा तब तक मैं भुगतान नहीं करूंगी और करीब 6 माह से भुगतान गौशाला में लगी सामग्री व भूसा इत्यादि का भुगतान नहीं किया गया।जिससे जो सामग्री गौशाला के लिए लोगों ने दिया था, वह मेरे दरवाजे पर आते हैं, और अभद्र भाषा का प्रयोग भी करते हैं। जिससे मैं चाहता हूं कि जो ग्राम पंचायत के खाते में रुपया पड़ा है, वह गौशाला में लगी सामग्री का भुगतान करवा दिया जाए।वही करे टेकारों का 3 महीना से मानदेय नहीं दिया गया।जिससे वह भी काम करने से कतरा रहे है। वही यह भी कहा कि अगर दो या तीन दिन में भुगतान नहीं होगा।तो मैं उच्च अधिकारी यानी जिलाधिकारी व सीडीओ से शिकायत करूंगा।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

रविवार को महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम पंचायत टेढ़ी पतवनिया में आयोजित दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण में किसानों को तिल फसल की उन्नत प्रजातियों, रोग-कीट प्रबंधन तथा इसके आर्थिक एवं स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विषय विशेषज्ञ प्रो. वी.पी. नगायच ने की। उन्होंने किसानों को तिल एवं अन्य तिलहन फसलों के उत्पादन से आय बढ़ाने के उपाय बताए तथा तिल और अलसी के नियमित सेवन के स्वास्थ्य लाभों पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्रो. सुधाकर प्रसाद मिश्र ने किसानों को तिल की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही क्षेत्र की जलवायु के अनुसार अरहर, तिल, ज्वार, बाजरा, मक्का एवं कुसुम जैसी फसलों की खेती को लाभकारी बताया गया।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत टेढ़ी पतवनिया की सरपंच के प्रतिनिधि नरेंद्र प्रताप सिंह सहित क्षेत्र के अनेक किसान मौजूद रहे।

फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले वांछित आरोपी नटवरलाल गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । बांदा

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर फर्जी जमीन की रजिस्ट्री कराने वाले 10-10 हजार रुपए के इनामी 02 अन्य वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब हो कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के खुटला निवासी देबिया पुत्र चौतुवा द्वारा 12 फरवरी 26 को थाना मटौंध पर अपने 34 बीघा जमीन की कुछ लोगों द्वारा फर्जी रजिस्ट्री कराने के सम्बन्ध प्रार्थना पत्र दिया गया था जिसके सम्बन्ध में थाना मटौंध पर अभियोग पंजीकृत किया गया था तथा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। जिसमें थाना मटौंध पुलिस द्वारा दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है।घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा 02 अन्य अभियुक्तों को भूरागढ़ बाइपास से गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों में आजम खान पुत्र अयूब खान निवासी बिजली खेड़ा थाना कोतवाली नगर जनपद व भागवत प्रसाद उर्फ बबलू पुत्र विष्णु निवासी जौरही थाना कोतवाली देहात शामिल हैं।

आबकारी टीम की बड़ी कार्यवाही में अवैध शराब जब्त-लहन किया गया नष्ट

चित्रकूट। आबकारी आयुक्त एवं जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देशन में जनपद में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम द्वारा थाना कर्वी के अंतर्गत ग्राम कपसेठी एवं भैरो पागा में संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी गई तथा संदिग्ध स्थलों की सघन तलाशी ली गई। जिसमें तलाशी के दौरान लगभग 800 किलोग्राम लहन बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही विधिपूर्वक नष्ट कर दिया गया। दबिश के दौरान 140 लीटर अवैध शराब जब्त करके संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम, 1910 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत 3 अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध मदिरा के व्यापार में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कांग्रेस कैंप कार्यालय में मनाई गई काशीराम जयंती

चित्रकूट। रविवार को जिला कांग्रेस कैंप कार्यालय में जिला अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल एडवोकेट की अध्यक्षता में काशीराम की जयंती मनाई गई। जिला अध्यक्ष ने काशीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया एवं समस्त पदाधिकारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की विचारधारा के नायक एवं दलित वंचित शोषित सबकी आवाज काशीराम की जयंती पर अपने विचारों और आंदोलन के माध्यम से समानता एवं न्याय के संवैधानिक सिद्धांतों को नई ऊंचाई पर पहुंचाया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष शिव गुलाम वर्मा, जिला महासचिव विजय मणि त्रिपाठी, जिला प्रवक्ता चुनवाद प्रसाद, जिला वक्ता सविता पाल, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह पटेल, जिला सचिव ओम प्रकाश गुप्ता, कल्याण सिंह पटेल आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

झूठी शिकायतों से सेवानिवृत उपनिरीक्षक के परिवार का किया जा रहा उत्पीडन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

सेवानिवृत पुलिस उपनिरीक्षक नें डी.आई.जी. को लिखे पत्र में झूठे मुकदमें में परिजनों को फंसाकर उत्पीडन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई है। चित्रकूट में पुलिस विभाग में सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत हुए उपनिरीक्षक इकबाल अहमद ने बताया कि वह मूल रुप से हमीरपुर जिले के गुसियारी गांव के रहने वाले हैं और अब बांदा में रहते हैं। उन्होंने बताया कि बीती 17 नवंबर 2023 को उन्होंने अपने बेटे इंतजार अहमद की शादी गुसियारी के रिश्तेदार मुसीब खान और कनीज फातिमा की बेटी सिफा फातिमा के साथ की थी। मुसीब का परिवार इस समय दुर्ग

अवैध धंधों से कुछ सालों में ही बनाई करोडों की संपत्ति

सेवानिवृत पुलिस उपनिरीक्षक के परिवार को उत्पीडन करने के मामले में चर्चा में आए गुसियारी निवासी मुसीब खांन और उसके साले सज्जन उर्फ वकील खांन के पास एकत्रित संपत्ति को लेकर भी क्षेत्रीय लोग विभिन्न किस्म की चर्चाएं कर रहे है। गांव के लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुसीब खांन के बेहद सामान्य आय वाले परिवार से अचानक करोडो की चल व अचल संपति के मालिक बनने के पीछे बहुत सारे राज दफन हैं। इन लोगों ने छत्तीसगढ़ में कई अवैध धंधों के जरिए अकूत संपति बनाने के बाद यहां भी जमीने खरीदी है। सही तरीके से निष्पक्ष जांच होने पर इनके काले कारनामों का खुलासा हो सकता है।

छत्तीसगढ़ में रहता है। शादी में उन्होंने अपनी बहू के लिए 18 तोला सोने, 1 किलो चांदी के जेवर बनवाए थे। शादी के कुछ दिन बाद मुसीब खान और उनकी पत्नी कनीज फातिमा ने इंतजार अहमद को छत्तीसगढ़ में व्यवसाय कराने के नाम पर बुला लिया। प्लाटिंग के नाम पर उनसे 12 लाख रुपये भी ले लिए गए। इस दौरान उन्होंने अपने छोटो बेटे की शादी तय होने के कारण अपने पैसे व जेवर मुसीब खान व उनकी पत्नी कनीज फातिमा से मांगे। जिस पर कनीज फातिमा ने लडकी सिफा फातिमा को भेजने से मना कर दिया। साथ ही बीती 15 नवंबर 2025 को कनीज फातिमा व उसका भाई सज्जन उर्फ वकील खांन दो दर्जन लोगों के साथ कई गाडियां लेकर उनके बांदा स्थित घर पहुंच गए। इस दौरान जबरन घर के अंदर घुसकर उनके पूरे परिवार को गाली गलौज करते हुए पत्नी और बेटों के साथ मारपीट की और सार्वजनिक रुप से अपमानित किया। इस घटना के बाद वह बांदा के घर में ताला लगाकर अपने गांव गुसियारी चला गया है। जिसकी शिकायत उन्होंने थाने में की किंतु रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई बल्कि कनीज फातिमा द्वारा उन लोगों को ब्लैकमेल करने के लिए फर्जी तरीके से रिपोर्ट दर्ज करा दी गई। पीडित ने बताया कि वर्तमान समय में कनीज फातिमा द्वारा अपने भाई के साथ मिलकर उनका सामाजिक और मानसिक उत्पीडन किया जा रहा है। उन्होंने मामले की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाई की मांग की है।

A.B.V.P. ने परीक्षार्थियों के लिए स्थापित किया नि:शुल्क रात्रि विश्राम एवं सहायता केंद्र

जन एक्सप्रेस । बांदा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद निरन्तर विगत पिछले 76 वर्षों से छात्रहितों के लिए कार्य करते हुए राष्ट्र के पुनर्निर्माण की ध्येय यात्रा के लिए अग्रणी रहा है।अभाविप अपने विभिन्न आयामों एवं गतिविधियों के माध्यम से अलग अलग क्षेत्र में छात्र देश एवं समाज के लिए कार्यरत है । इसी निमित स्टूडेंट फार सेवा के माध्यम से यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा 14 और 15 मार्च को जनपद में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा देने आ रहे परीक्षार्थियों के रात्रि विश्राम रुकने हेतु व्यवस्था एवं सहायता केंद्र स्थापित किए गए। अ.भा.वि.प. के सह जिला संयोजक कार्तिकेय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे स्टेशन एवं रोडवेज पर सहायता केन्द्रों के माध्यम

से परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों की जानकारी के साथ अन्य जानकारिया प्रदान करने के साथ परीक्षार्थियों के लिए नि:शुल्क रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई जिसमे सैकड़ो परीक्षार्थियों ने विश्राम कर अपने अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा देने पहुँच गए।जिसमे विभाग संगठन मंत्री शिवम पांडेय ने बैठक में कार्यकर्ताओं को सुनिश्चित किया कि किसी भी परीक्षार्थियों को जनपद में किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो।इस मौके में जिला संयोजक गोविंद तिवारी,श्लोक द्विवेदी,सुभाष त्रिपाठी,रमेंद्र शर्मा,अभय साहू,युवराज सिंह,अर्पित द्विवेदी,शैलेंद्र दीक्षित,प्रवीण त्रिवेदी,अंश पुष्पक,अभय सोनी,दिलीप यादव , ओम पटेल,अभिलाष सिंह सहित संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजसेवी ने सदर विधायक को पत्र सौंप गांव की जल जीवन मिशन से जुड़ी समस्याओं को लेकर कराया अवगत

जन एक्सप्रेस । बांदा

रविवार को क्षेत्रीय समाजसेवी सुमित शुक्ला ने सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के आवास पहुंचकर विधायक को प्रार्थना पत्र सौंप कर सहेवा गांव में जल जीवन मिशन अंतर्गत जगह जगह लीकेज खोदी गई खड़ंजा सड़कों के निर्माण तथा अधिकांश घरों में पानी ना पहुंचने की समस्या से अवगत कराया तथा उक्त समस्याओं के निराकरण की मांग की।आपको बताते चलें कि विकासखंड महुआ के सहेवा गांव में जल जीवन मिशन अंतर्गत घर घर पानी पहुंचाने की दिशा में काम किया गया किन्तु आज तक सभी घरों तक पानी नहीं पहुंचा और ना ही खड़ंजा सड़कों का निर्माण किया गया जबकि पहले सड़क खोदने से पूर्व कर्मचारियों ने यही कहा था कि सड़कें आज जैसी है कार्य समाप्त होने के पूर्व वैसी ही करके जायेंगे परन्तु अब गांव में ना तो कोई कर्मचारी दिखता है ना ही कोई अधिकारी पहले तो आरसीसी सड़कों की भी बहुत बुरी दशा थी किन्तु समाजसेवी सुमित शुक्ला द्वारा दिए गए ज्ञापन को संज्ञान लेकर विधायक जी ने सम्बंधित अधिकारियों को फटकार लगाई तब आरसीसी सड़कों का मरम्मतीकरण किया गया किन्तु उसके बाद की खोदी गई आरसीसी सड़कें आज तक ऐसे ही पड़ी है। समाजसेवी सुमित शुक्ला ने बताया कि जब से यह योजना चली है ग्रामीण लोगों को राहत मिलने की जगह परेशानी बढ़ गई है अच्छी खासी बनी बनाई आरसीसी सड़कों में गड्ढे तथा खड़ंजा सड़कों की दयनीय दशा के बारे में कुछ कहा ही नहीं जा सकता।जबकि सड़कें खोदने से

पूर्व हम लोगों से यही कहा गया था सड़कें आज जैसी है कार्योपरांत वैसी ही बनाकर देंगे तथा आज तक अधिकांश घरों में पानी भी नहीं पहुंचा है जहां पानी पहुंच भी रहा है वहां लीकेज की समस्या है जिससे सड़कों में कीचड़ होने से मच्छरों के पनपने तथा बिमारी बढ़ने का खतरा भी बढ़ रहा है सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी को अवगत कराने के बाद सदर विधायक ने हमें आश्वासन दिया है तथा अपने सहयोगियों को जिलाधिकारी महोदय को इस सम्बन्ध में पत्र भेजने का निर्देश दिया है इससे पूर्व भी मेरे द्वारा दिए गए ज्ञापन को संज्ञान लेकर विधायक जी ने जब अधिकारियों को फटकार लगाई थी तब कहीं जाकर आरसीसी सड़कों का मरम्मतीकरण किया गया था।अतः हमें पूर्ण विश्वास है कि गर्मी को देखते हुए जल्द से जल्द सभी घरों तक पानी व उक्त अन्य समस्याओं का निराकरण होगा।

दिनेश बने भाजपा बड़ोखर मंडल अध्यक्ष

जन एक्सप्रेस/बांदा। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की

संस्कृति पर तिन्दवारी विधान सभा के बड़ोखर मंडल में जिला अध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत द्वारा दिनेश यादव को मंडल का अध्यक्ष घोषित किया गया है साथ ही मंडल कार्यकारिणी का भी गठन कर क्षेत्र व जिला स्तर पर संस्तुति कर दी गई है ।नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष के अलावा मंडल उपाध्यक्ष में अमनदीप तिवारी,धीरज गुप्ता, देवीदयाल सिंह,देवेंद्र अवस्थी,राहुल नामदेव, ममता सिंह को जिम्मेदारी सौपी गई है ।इसी प्रकार शिवम द्विवेदी व अंकित सिंह को महामंत्री बनाया गया है इनके अलावा मंत्री पद पर संतोष अनुरागी,सूरज दीन खेंगर,स्वतंत्र साहू, मालती दीक्षित, चंद्र भाल शुक्ला व कुलदीप प्रजापति शामिल है ।राकेश तिवारी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौपी गई है इनके अलावा राजीव शुक्ला को मीडिया प्रभारी एवं शिवकांत कुशवाहा को सह मीडिया प्रभारी तथा शिवम गुप्ता को सोशल मीडिया प्रभारी व मुन्नी निषाद को सह सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौपी गई है?।

विपरीत वीरभद्रासन से छाती पसलियों में खिंचाव से खुलते हैं फेफड़े

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

शंकर बाजार स्थित कुबेरगंज में योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत ने योग कराते हुए बताया कि विपरीत वीरभद्रासन शरीर के किनारे की स्ट्रेचिंग और शानदार साइड बेंडिंग से फेफड़ों को खोलता है। संतुलन और शक्ति में वृद्धि करता है। हैमस्ट्रिंग, ग्रोइन, क्वार्डिसेप्स और ग्लूटिप्स मांसपेशियों को खूबसूरती से फैलता है और मजबूत बनाता है। घुटनों कूल्हों और टखनों को भी सुदृढ़ बनाता है। छाती पसलियां और पेट के क्षेत्र को लंबा करता है, जिससे रीढ की हड्डी को स्थिरता व संतुलन मिलता है। यह योग लचीलापन बढ़ाता है और सहनशक्ति के साथ-साथ ऊर्जावान बनाता है। इसे करने के लिए साम्यावस्था से वीरभद्रासन भाग 2 की मुद्रा में आते हैं, सांस छोड़ते हुए दायां हाथ ऊपर उठाते हैं

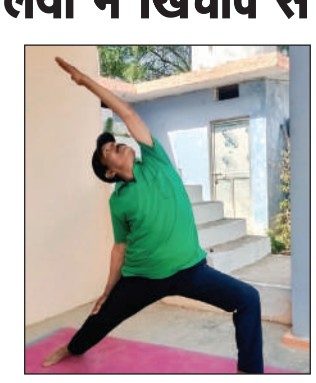

और बाएं हाथ को पीछे की जंघा पर रखते हैं। दाएं हाथ को ऊपर को उठाते हुए खिंचाव देते हैं और थोड़ा पीछे की ओर झुकते हैं, उठी हुई हथेली पर दृष्टि रखते हुए 5 से 10 सांसों तक इस स्थिति को बनाए रखते हैं इसके बाद वापस आकर दूसरी तरफ से भी यही क्रिया दोहराते हैं सावधानी के तौर पर गर्दन कंधे या पीठ के दर्द में इस योग को विशेषज्ञ की देखरेख में करना चाहिए।

8.5 करोड़ की लागत से अक्रूरजी चेरिटेबल भवन, 19 अप्रैल को होगा नींव पूजन

- 550 वर्ग गज में बनेगा अक्रूरजी चेरिटेबल भवन, दो साल में पूरा करने का लक्ष्य
- अखिल भारतीय वार्ष्णेय वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में अक्रूरजी स्मृति भवन के निर्माण पर हुआ मंथन

जन एक्सप्रेस । आगरा

अखिल भारतीय वार्ष्णेय वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से श्री अक्रूरजी चेरिटेबल भवन बनाने के सम्बन्ध में प्रबंध कार्य समिति की बैठक का आयोजन करकुंज चौराहा स्थित होटल वैष्णवी पर किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता तूफान जी ने बताया कि अखिल भारतीय वार्ष्णेय वेलफेयर एसोसिएशन के अंतर्गत श्री अक्रूरजी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वात्सल्य ग्राम के सामने मथुरा-वृंदावन मार्ग पर अक्रूरजी भवन का निर्माण 550 वर्ग गज में किया जाएगा। जिसका नींव पूजन व शिलान्यास अगले माह 19 अप्रैल को वैदिक मंत्रोचारण से किया जायेगा। भवन की रजिस्ट्री पहले हो चुकी है। भवन का मानचित्र मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत हो चुका है। भवन में अक्रूरजी भगवान की विशाल मूर्ति स्थापित की जाएगी।

राष्ट्रीय महामंत्री नेमी चन्द वार्ष्णेय ने बताया कि अक्रूरजी भवन के निर्माण से सम्पूर्ण भारत के वार्ष्णेय समाज के लोग अपने मांगलिक व सामाजिक कार्यो को सुगमता से कर पाएंगे। 8.5 करोड़ रुपए की लगत से भवन का निर्माण दो वर्ष में करना होगा। जिसमे 44 एसी कमरे, रेस्टोरेंट, किचन और विशाल हॉल बनाया जायेगा।

कोषाध्यक्ष मनोज कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि बैठक में सर्व सहमति से आगरा की जिलाध्यक्ष रश्मि वार्ष्णेय को मनोनीत किया गया। जिन्हे अपनी कार्यकारणी का एक माह में गठन करने का निर्देश दिया गया। एसोसिएशन के पांच वर्षीय चुनाव आगामी तीन माह में पूर्ण करने और चुनाव अधिकारी नियुक्त करने की जिम्मेदारी नेमीचंद वार्ष्णेय को दी गयी। इस अवसर पर प्रेम चन्द वार्ष्णेय, मुनेश कुमार गुप्ता, डॉ. अशोक वार्ष्णेय, मनोज बजरंगी, गौरव वार्ष्णेय, भुवनेश वार्ष्णेय पी0 पी अत्रि, कुंज बिहारी गुप्ता, दर्शन अत्री सुनील कुमार वार्ष्णेय तपेंद्र कुमार गुप्ता, गिरीश गुप्ता, महेश वार्ष्णेय अनीता गुप्ता अमर प्रकाश गुप्ताआदि मौजूद रहे।

ईरान की दोटूक: जंग खत्म करने की गारंटी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 16वें दिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर जंग खत्म करने की ठोस गारंटी मिलती है तो हम अमेरिका-इजराइल से बातचीत को तैयार है। उनका कहना है कि किसी भी ऐसे प्रस्ताव का स्वागत किया जाएगा... ▸ पढ़ें पेज 12 पर...

चिरंजीवी हैं भगवान परशुराम, उनका जीवन धर्म और न्याय की रक्षा का प्रतीक: स्वामी मुक्तिनाथानंद

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

भगवान परशुराम चिरंजीवी हैं और उनका जीवन साहस, तपस्या, धर्म की रक्षा तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह विचार स्वामी मुक्तिनाथानंद ने रविवार को अपने साप्ताहिक प्रवचन में व्यक्त किए। रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष स्वामी मुक्तिनाथानंद जी ने रामकृष्णवचनामृत पर आधारित अपने रविवारीय प्रवचन में भगवान परशुराम के जीवन, उनके पराक्रम और धर्म स्थापना के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम को हिंदू धर्म में भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है। उनका जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर त्रेता युग में हुआ था। 'परशुराम' नाम इसलिए पड़ा क्योंकि वे सदैव अपने हाथ में परशु (फरसा) नामक दिव्य अस्त्र धारण करते थे। स्वामी जी ने बताया कि भगवान परशुराम बचपन से ही अत्यंत तेजस्वी, पराक्रमी और तपस्वी थे। उन्होंने कठोर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया। भगवान शिव ने उन्हें युद्धकला, शस्त्र विद्या और दिव्य अस्त्रों का ज्ञान प्रदान किया। शिव से प्राप्त फरसा के कारण ही वे 'परशुराम' कहलाए। वे महान योद्धा होने के साथ-साथ एक ब्राह्मण ऋषि भी थे, इसलिए उन्हें ब्राह्मण और क्षत्रिय गुणों का अद्वितीय संगम माना जाता है। स्वामी मुक्तिनाथानंद जी ने भगवान परशुराम के जीवन से जुड़ी प्रसिद्ध कथा का उल्लेख करते हुए बताया कि सहस्त्रार्जुन नामक अत्याचारी राजा ने एक बार महर्षि जमदग्नि के आश्रम में आकर उनकी कामधेनु गाय छीन ली और बाद में क्रोध में आकर महर्षि की हत्या कर दी। जब भगवान परशुराम को यह समाचार मिला तो वे अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने सहस्त्रार्जुन का वध कर दिया। इसके बाद उन्होंने पृथ्वी को अत्याचारी और अधर्मी शासकों से मुक्त करने का संकल्प लिया। पौराणिक मान्यता के अनुसार उन्होंने 21 बार पृथ्वी से अधर्मियों का नाश कर धर्म की स्थापना की। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन केवल युद्ध तक सीमित नहीं था, बल्कि वे महान गुरु भी थे। उन्होंने अनेक महान योद्धाओं को शस्त्र विद्या का ज्ञान दिया। महाभारत काल के प्रसिद्ध योद्धा भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण को भी धनुर्विद्या का ज्ञान भगवान परशुराम से प्राप्त हुआ था। एक अन्य प्रसिद्ध प्रसंग का उल्लेख करते हुए स्वामी जी ने बताया कि जब भगवान राम ने सीता स्वयंवर में शिव का धनुष तोड़ा, तब भगवान परशुराम वहाँ पहुँचे और उन्होंने राम की परीक्षा ली। बाद में जब उन्हें ज्ञात हुआ कि राम भी भगवान विष्णु के ही अवतार हैं, तब उन्होंने उन्हें प्रणाम किया और शांत होकर पुनः तपस्या में लीन हो गए। स्वामी मुक्तिनाथानंद जी ने कहा कि भगवान परशुराम को चिरंजीवी माना जाता है, अर्थात वे आज भी जीवित हैं और कलियुग के अंत तक पृथ्वी पर रहेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार भविष्य में वे भगवान कल्कि को शस्त्र विद्या का प्रशिक्षण देंगे। अंत में स्वामी मुक्तिनाथानंद जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान परशुराम को साहस, धर्म, गुरुता और न्याय का प्रतीक माना जाता है। उनका जन्मदिन परशुराम जयंती के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि अन्याय और अधर्म के विरुद्ध खड़े होना ही सच्चा धर्म है।

सरकारी चबूतरे पर 'राज वेज कबाब' का कब्जा!

- हनुमान मंदिर के पास नगर निगम की जमीन पर खड़ी दोमंजिला अवैध इमारत, दो महीने बाद भी फाइलों में दबी कार्रवाई

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

राजधानी में भूमाफियाओं के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका ताजा उदाहरण बरिगंवा क्षेत्र में बड़े बाबा हनुमान मंदिर के पास देखने को मिला है। यहां नगर निगम की जमीन पर बने हनुमान जी के चबूतरे को ही अवैध तरीके से कब्जाकर दो मंजिला इमारत खड़ी कर दी गई और 'राज वेज कबाब' के नाम से धड़ल्ले से कारोबार भी शुरू हो गया, लेकिन शिकायत के करीब दो महीने बाद भी जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई सिर्फ कागजी खानापूर्ति बनकर रह गई है।

मंदिर के चबूतरे पर खड़ा कर दिया दो मंजिला ढांचा

स्थानीय लोगों के मुताबिक मंदिर के पास मौजूद चबूतरा नगर निगम की जमीन पर बना था, लेकिन भूमाफियाओं ने पहले उस पर कब्जा किया और फिर देखते ही देखते भूतल और प्रथम तल तक पक्का निर्माण खड़ा कर दिया। हैरानी की बात यह है कि अब उसी अवैध ढांचे में 'राज वेज कबाब' नाम से दुकान भी चलाई जा रही है।

आईजीआरएस शिकायत के बाद भी सिर्फ 'फाइलों की कार्रवाई'

मामले की शिकायत ऑनलाइन जनसुनवाई पोर्टल आईजीआरएस पर दर्ज कराई गई थी। शिकायत के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में यह साफ पाया गया कि भूतल और प्रथम तल तक निर्माण पूरा हो चुका है और वहां व्यावसायिक गतिविधियां भी चल रही हैं। एलडीए की ओर से बताया गया कि इस अवैध निर्माण के खिलाफ उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की सुसंगत धाराओं में कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन रिपोर्ट आईडी स्त्र/-4/00007147 दिनांक 24 फरवरी 2026 के माध्यम से वाद पंजीकृत कर संबंधित प्राधिकारी को भेज दिया गया है।

दो महीने बाद भी बुलडोजर नहीं, सिर्फ नोटिंग

लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि करीब दो महीने बीत जाने के बावजूद मौके पर न तो अवैध निर्माण हटाया गया और न ही वहां चल रहे कारोबार पर कोई रोक लगी। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि कार्रवाई फाइलों और पोर्टलों में घूम रही है, जमीन पर नहीं उतर रही। शिकायतकर्ता ने इस ढुलमुल रवैये पर नाराजगी जताते हुए दोबारा फीडबैक दर्ज कराया, जिसके बाद मामला पुनः परीक्षण के लिए उच्च अधिकारियों के पास भेजा गया है।

मिलीभगत या लापरवाही? उठ रहे बड़े सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम की जमीन पर खुलेआम दो मंजिला इमारत खड़ी हो जाना और उस पर दुकान चलना प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि अगर अधिकारियों की आंखों के सामने सरकारी जमीन पर कब्जा हो रहा है और फिर भी कार्रवाई नहीं हो रही, तो यह महज लापरवाही नहीं बल्कि मिलीभगत का भी संकेत हो सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि राजधानी में सरकारी जमीन पर खड़ी इस अवैध इमारत पर आखिर बुलडोजर कब चलेगा, या फिर यह मामला भी सरकारी फाइलों के ढेर में दफन हो जाएगा।

इटौंजा में सीतापुर रोड पर व्यापार मंडल अध्यक्ष की मार्केट में चोरी की घटना, थाने पर शिकायत

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ जिले के इटौंजा सीतापुर रोड पर मंडल अध्यक्ष की मार्केट में चोरी की सामने आई है।प्रार्थी आमिर अली निवासी अलीगंज लखनऊ का रहने वाला है प्रार्थी की कबाड़ की दुकान सीतापुर रोड के किनारे व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मिश्रा की मार्केट में प्रार्थी ने किराए पर दुकान लेकर गोदाम बनाया हुआ है, जहां पर आज रात करीब 12:20 पर कुछ अज्ञात लोगों ने टैक्सी से आकर प्रार्थी की दुकान बाहर चोरी की नीयत से प्रार्थी की ठेलीया चोरी करने की कोशिश की, यह पूरी घटना मोबाइल में अनूप कुमार मिश्रा के द्वारा देखी जा रही थी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल दुकान के बगल में रहने वाले दुकानदार अमरपाल और राजू वर्मा को फोन करके जानकारी दी और खुद भी मौके पर आए जब उक्त चोरों ने लोगों को आते देखा तो वह लोग भागने लगे जिनका पीछा किया गया, तो वह लोग टैक्सी छोड़ कर भाग गए टैक्सी का नंबर यूपी 32 एन 0702 है जो मौके पर मिली पूरी घटना सी सी टीवी कैमरा में कैद हुई है,घटना की जानकारी थाना प्रभारी इटौंजा को तत्काल दी गई,जिसके बाद मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची और उक्त टैक्सी को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

ढिलवासी गांव में महाराजा पासी किले पर होली मिलन समारोह संपन्न

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ जिले के बख्शी का तालाब तहसील क्षेत्र अंतर्गत इटौंजा थाना क्षेत्र के ढिलवासी गांव स्थित महाराजा पासी किले पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष आर ए प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें बख्शी का तालाब विधायक योगेश शुक्ला शामिल हुए। इस कार्यक्रम में क्षेत्र से आई जनता से संवाद किया गया और जो 15 शादियां की गई थी उनके सेवकों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विक्रम राम राजेश प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय पासी समाज संगठन द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

लखनऊ में सपाइयो ने विधान भवन के सामने बांटे उपले

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। लखनऊ में एलपीजी गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में समाजवादी पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। विधान भवन के सामने बापू भवन चौराहे पर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता जमीन पर उपलों का ढेर लगाकर बैठ गए और राहगीरों को आवाज लगाकर उपले बांटने लगे।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता 'उपले ले लो, उपले ले लो' के नारे लगाते हुए सरकार के खिलाफ विरोध जताते रहे। पुलिस पहुंच गई और प्रदर्शनकारियों को उपले बांटने से रोक दिया, जिसपर पुलिस- कार्यकर्ताओं के बीच हल्की झड़प भी हुई।प्रदर्शन कर रहे राम प्रकाश मौर्या ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों और कमी से आम जनता परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को गरीबों की कोई चिंता नहीं है और 'अच्छे दिनों का सिलेंडर अब किचन से खाली हो गया है।' प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्होंने अपने गांवों में लोगों से कहकर बड़ी मात्रा में उपले तैयार करवाए हैं और उन्हें शहर में बांट रहे हैं ताकि कोई भूखा न सोए। उन्होंने दावा किया कि जरूरत पड़ने पर रोज गांव से उपले लाकर लोगों को बांटे जाएंगे। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगी हैं और कई जगह 20 दिन का ही स्टॉक बचा होने की बात कही जा रही है।

जलशक्ति मंत्री ने की बाढ़ सुरक्षा कार्यों की समीक्षा

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- बाढ़ सुरक्षा संबंधी कार्य संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ संपादित करे: स्वतंत्र देव
- क्रिटिकल स्थलों पर मरम्मत तत्काल कराए जाएं: गर्ग

प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता मे सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सभागार में बाढ़ से संबंधित कार्यों की तैयारी एवं प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। देवीपाटन मंडल अंतर्गत गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच तथा अयोध्या मंडल अंतर्गत बाराबंकी, अयोध्या एवं अम्बेडकरनगर में संचालित बाढ़ सुरक्षा एवं बचाव कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ बचाव से संबंधित सभी आवश्यक कार्य 15 जून से पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिए जाएं, जिससे संभावित बाढ़ की स्थिति में किसी प्रकार की असुविधा न हो। अभियंता एवं संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर कार्यों की सतत निगरानी करें। इंजीनियरों की तैनाती समयबद्ध ढंग से की जाए। बाढ़ सुरक्षा कार्यों को पूरी संवेदनशीलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ संपादित किया जाना चाहिए ताकि जनसामान्य की सुरक्षा हो सके। मंत्री ने विगत नौ वर्षों में इन क्षेत्रों में बाढ़ से बचाव हेतु कराए गए कार्यों तथा उनके प्रभाव का भी आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व में कराए गए कार्यों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करते हुए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सुधारात्मक कदम भी उठाए जाएं। प्रमुख सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग अनिल गर्ग ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने जनपदों में क्रिटिकल स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य तत्काल कराए जाएं। संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण, सामग्री एवं अन्य संसाधनों का पर्याप्त रिजर्व स्टॉक भी उपलब्ध रखा जाए।

दरोगा भर्ती परीक्षा के प्रश्न पर उच्च शिक्षा मंत्री ने जताई आपत्ति

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- प्रश्न के विकल्प में 'पण्डित' शब्द शामिल करना अनुचित और आपत्तिजनक
- किसी भी जाति, वर्ग या परम्परा का अपमान स्वीकार नहीं: योगेन्द्र

उत्तर प्रदेश पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न को लेकर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कड़ा ऐतराज व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न में 'अवसर के अनुसार बदलने वाला' के लिए एक शब्द के विकल्पों में 'पण्डित' शब्द दिया जाना न केवल अनुचित है, बल्कि इसका कोई औचित्य भी नहीं है।उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस प्रकार का प्रश्न और उसके विकल्प किसी भी दृष्टि से उचित नहीं हैं और यह कृत्य किसी मानसिक विकृति से ग्रस्त पेपर सेटर द्वारा जानबूझकर किया गया प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हरकतें सामाजिक समरसता को प्रभावित करती हैं और वर्ग विशेष की भावनाओं को भी आहत करती हैं। किसी भी जाति, वर्ग या परंपरा से जुड़े शब्दों का इस प्रकार अपमानजनक संदर्भ में प्रयोग करना स्वीकार्य नहीं है। परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया अत्यंत गोपनीय होती है और इसमें शामिल व्यक्तियों की पहचान करना कठिन नहीं है। मामले की जांच कर संबंधित पेपर सेटर को चिन्हित कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी समाज या वर्ग की भावनाओं को आहत करने वाली ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

35 हजार से अधिक केंद्रों पर साक्षरता परीक्षा आयोजित

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

प्रदेश में वयस्क साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत द्वितीय चरण की साक्षरता परीक्षा का आयोजन रविवार को प्रदेश के समस्त जनपदों में किया गया। 35 हजार से अधिक साक्षरता परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में असाक्षर प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने बताया कि 'उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत प्रदेश में साक्षरता अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। उल्लास पोर्टल पर 14 मार्च तक शॉर्टलिस्ट किए गए 4,93,516 असाक्षर इस परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं।महानिदेशक ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत केवल सामान्य नागरिक ही नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को भी साक्षर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कारागार कानपुर देहात और फर्रुखाबाद में निरुद्ध असाक्षर कैदियों को भी इस साक्षरता परीक्षा में सम्मिलित कराया गया, ताकि उन्हें भी शिक्षा से जोड़कर मुख्यधारा में लाया जा सके।

डबल इंजन की सरकार गरीब, किसान और महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध: केशव

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- 'सरस महोत्सव' में जनसैलाब, उपमुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दिया चेक

प्रयागराज में आयोजित 'सरस महोत्सव' के दूसरे दिन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने न केवल विकास की योजनाओं को गति दी बल्कि लोक संस्कृति और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जनमानस का उत्साहवर्धन भी किया।

उपमुख्यमंत्री ने महोत्सव में लगाए गए विभिन्न स्वयं सहायता समूहों और अन्य स्टालों का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने समूहों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना करते हुए महिलाओं से सीधा संवाद किया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को दोहराते हुए, उपमुख्यमंत्री ने करोड़ों रुपये के चेक वितरित किए, जो उनके उज्जवल और स्वावलंबी भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। सांसद विनोद कुमार बिंद ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र के विकास और जनहित की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। सरस महोत्सव की शाम पूरी तरह से भक्ति और लोक संगीत के रंग में डूबी रही। गायक और सांसद मनोज तिवारी के गीतों पर थिरकने से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य स्वयं को रोक न सके और उन्होंने सुर से सुर मिलाकर मंच की शोभा बढ़ाई।उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'डबल इंजन की सरकार गरीब, किसान और महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। सरस महोत्सव जैसे आयोजन हमारे स्थानीय हुनर को वैश्विक मंच प्रदान कर रहे हैं।'

वन स्टॉप सेंटर बने पीड़ित महिलाओं का सहारा

- एक ही छत के नीचे मिल रही चिकित्सा, कानूनी और परामर्श सेवाएं, 75 जिलों में संचालित हैं 96 सेंटर

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

कुछ महीने पहले औरैया स्थित वन स्टॉप सेंटर में 24 वर्षीय महिला घबराई हुई हालत में पहुंची। घरेलू कलह और लगातार बढ़ते विवादों ने उसके पारिवारिक जीवन को लगभग टूटने की कगार पर ला खड़ा किया था। वहां मौजूद परामर्शदाताओं ने धैर्य और संवेदनशीलता के साथ उसकी पूरी बात सुनी। केंद्र की पहल पर पति को भी बुलाया गया और दोनों की काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू हुई। कई दौर की बातचीत और सलाह के बाद पति पत्नी के बीच संवाद का रास्ता खुला। नतीजा यह रहा कि आपसी विवाद सुलझ गया और एक परिवार टूटने से बच गया। संपर्क करने पर महिला ने बताया कि अब उसका दाम्पत्य जीवन सामान्य है और घर का माहौल पहले से बेहतर हो गया है। यह घटना बताती है कि योगी सरकार द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर संकट में घिरी महिलाओं के लिए भरोसे और सहारे का मजबूत केंद्र बन चुके हैं।हिंसा या उत्पीड़न की शिकार महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित वन स्टॉप सेंटर अब प्रदेश में प्रभावी सहायता तंत्र के रूप में स्थापित हो चुके हैं। यहां पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सकीय सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, विधिक सलाह और पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जाती है। जरूरत पड़ने पर महिलाओं को पांच दिनों तक अल्प प्रवास की सुविधा भी दी जाती है। प्रदेश में तेजी से मजबूत हुआ वन स्टॉप सेंटर का नेटवर्क महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्था को लगातार विस्तार दिया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में 96 वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं। महिला सुरक्षा के इस तंत्र को और प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक वन स्टॉप सेंटर पर आकस्मिक सेवाओं के लिए एक वाहन की व्यवस्था भी की गई है। इससे जरूरत पड़ने पर पीड़ित महिला तक तुरंत पहुंचकर सहायता उपलब्ध कराना संभव हो रहा है।

बीसी सखी योजना में यूपी देश में अव्वल

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- योगी सरकार के प्रयास से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तकदीर
- 40 से 50 हजार तक कमीशन अर्जित कर रहीं यूपी की बीसी सखियां

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और गांवों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने में उत्तर प्रदेश बीसी सखी योजना के अंतर्गत देश में नंबर वन बन गया है। मध्य प्रदेश दूसरे और राजस्थान तीसरे नंबर पर है। योगी सरकार के लगातार प्रयास से इस योजना के जरिए प्रदेश भर की महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन के रिकॉर्ड बना रहीं हैं।

प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 40 हजार महिलाएं गांवों में काम करते हुए न केवल ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं, बल्कि स्वयं भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रहीं हैं। इसके माध्यम से ग्रामीण महिलाएं औसतन 10 से 15 हजार रुपये महीने की कमाई कर रहीं हैं। इनमें से कई बीसी सखियां एक महीने में 40 से 50 हजार रुपये का कमीशन अर्जित कर रहीं हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित बीसी सखी पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। प्रशिक्षित महिलाएं गांवों में माइक्रो एटीएम और डिजिटल उपकरणों के माध्यम से कैश निकासी, जमा, आधार आधारित भुगतान और अन्य बैंकिंग सेवाएं घर के पास ही उपलब्ध करा रही हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त मिशन निदेशक जनमेजय शुक्ला के अनुसार बीसी सखी योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, सुल्तानपुर समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन की नई मिसाल बन रहीं हैं। यह पहल न केवल ग्रामीण वित्तीय प्रणाली को मजबूत कर रही है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर महिला सशक्तीकरण को भी नई दिशा दे रही है। लखनऊ की अनीता पाल ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित बीसी सखी योजना के जरिए आत्मनिर्भरता का मजबूत उदाहरण प्रस्तुत किया है। हर महीने निश्चित आय के साथ वे 50 हजार रुपए तक कमीशन अर्जित कर रही हैं।सुल्तानपुर जिले की प्रियंका मौर्य आजीविका मिशन के अंतर्गत योजना का बेहतर संचालन कर रहीं हैं और अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा रहीं हैं। उन्हें भी महीने में आय के अतिरिक्त 50 हजार का कमीशन भी मिल रहा है।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त मिशन निदेशक जनमेजय शुक्ला ने बताया कि योजना के प्रभाव से उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन के रिकॉर्ड बना रहीं हैं। यह मॉडल ग्रामीण भारत में समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दरोगा भर्ती परीक्षा के नाम पर ठगी, एसटीएफ ने एक और आरोपी दबोचा, अब तक पांच गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एसटीएफ की मेरठ फील्ड यूनिट ने शनिवार रात थाना राया क्षेत्र के मोहल्ला शिवपुरी स्थित रजनी लाइब्रेरी के पास से अनुज कुमार को दबोच लिया। वह ग्राम हवेली, थाना राया, जनपद मथुरा का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन, उपनिरीक्षक भर्ती के दो एडमिट कार्ड, अन्य परीक्षाओं के चार एडमिट कार्ड, आठ व्हाट्सएप चैट और सामान्य ज्ञान की एक पुस्तक बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। इसी दौरान उसकी मुलाकात गोपाल रावत नाम के युवक से हुई थी, जो अभ्यर्थियों को उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा पास कराने का झांसा देकर करीब 22 लाख रुपये तक की मांग करता था। अनुज का काम अभ्यर्थियों को तलाश कर उन्हें गोपाल से मिलवाना था। एसटीएफ की सूचना पर थाना राया में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार चल रहे गोपाल रावत की तलाश जारी है।

भारत की नींव को कमजोर कर रही जातिवाद की राजनीति: योगी

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

- चित्तौड़गढ़ पहुंचे सीएम योगी, 'जौहर श्रद्धांजलि समारोह' में शामिल हुए
- उत्तर प्रदेश में बेटियां अब नाइट शिफ्ट करके सकुशल वापस आती है घर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद फैलाने वालों को चित्तौड़गढ़ की धरती से दो टूक संदेश दिया। उन्होंने रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां सुनाई - 'मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का-वीरों का,धनुष छोड़कर और गोत्र क्या होता रणधीरों का।पाते हैं सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर,जाति-जाति का शेर मचाते केवल कायर, क्रूर '।मुख्यमंत्री ने कहा, जिन्हें कुछ नहीं करना है, वे जातिवाद के आधार पर सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का पाप कर रहे हैं। जातिवाद ने समाज की नींव को दरका दिया था, इसलिए देश कमजोर हुआ। जातिवाद की राजनीति भारत की नींव को कमजोर कर रही है। बांटने की राजनीति फिर से हम सबको गुलामी की तरफ धकेल रही है। इससे बचने के लिए हमें एकजुटता के भाव से बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को ईनाणी सिटी सेंटर, चित्तौड़गढ़ में जौहर श्रद्धांजलि समारोह में जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया। उन्होंने पंजाब के पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह की पुस्तक का विमोचन किया। सीएम योगी ने जनसमूह से पूछा कि वे कौन लोग हैं, जो जातिवाद के आधार पर समाज को बांट रहे हैं। अफवाह के आधार पर विश्वास का संकट खड़ा कर रहे हैं। भारत-भारत न बना रहे, इसके लिए दुष्चक्र कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये वही लोग हैं, जिन्होंने कहा था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। राम मंदिर आंदोलन में विरोधी पक्ष के साथ मिले और फैसला न होने देने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया था। ये लोग रामसेतु तोड़ने के लिए उतावले दिखाई देते हैं, राम मंदिर निर्माण का विरोध करते हैं। ये लोग देश में अविश्वास का वातावरण पैदा कर रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इनका मकसद भारत को कठघरे में खड़ा करके अविश्वसनीय बना देना है। इन्हें देश की चिंता नहीं है। इनके अपने अस्तित्व पर संकट है, इसलिए भारत की अस्मिता से खिलवाड़ करने पर उतारू हैं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में परिवर्तन के पीछे प्रधानमंत्री मोदी जी का मार्गदर्शन है तो तेज राजस्थान, चित्तौड़गढ़ का है। इसके पीछे राजस्थान की वीरभूमि का भी योगदान है, क्योंकि मेरे पूज्य दादा गुरु इसी भूमि से गोरखपुर गए थे। राजस्थान, चित्तौड़गढ़, मेवाड़ के वीरों के शौर्य-पराक्रम, वीरांगनाओं के जौहर और मीराबाई की भक्ति की धुन से भारत अभिभूत होता है। नारी अस्मिता, सम्मान, स्वावलंबन की अमर गाथा हमें प्रेरणा प्रदान कर रही है। वीरभूमि ने भारत को पहचान दी है। चित्तौड़गढ़ का किला केवल पत्थरों से बना दुर्ग नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता का प्रहरी है। हर सच्चे भारतीय के मन में इस वीरभूमि और यहां के राणाओं के शौर्य व राष्ट्र के लिए उनके बलिदान के प्रति श्रद्धा का भाव है। योगी ने महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज व गुरु गोविंद सिंह जैसे राष्ट्रनायकों को याद किया। उन्होंने कहा, इन लोगों ने अपने, परिवार या सत्ता के लिए बलिदान नहीं दिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो वायरल

आरोपी पर पहले भी हो चुकी है गुंडा एक्ट की कार्रवाई

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जनपद के विकासखंड जामों क्षेत्र से रविवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में एक व्यक्ति द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।और लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।जानकारी के अनुसार जामों क्षेत्र के निवासी रंजीत कुमार नामक व्यक्ति ने फेसबुक पर लाइव आकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अभद्र

भाषा का प्रयोग किया।लाइव के दौरान दिए गए बयान का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो गया। जिसके बाद स्थानीय स्तर पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं।इस मामले में यह बात भी सामने आई है,कि रंजीत कुमार के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज रहे हैं।संबंधित आरोपों के आधार पर प्रशासन ने उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की थी।न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व अमेठी द्वारा दिसंबर 2022 को पारित आदेश में उसे गुंडा घोषित करते हुए छह माह के लिए जनपद की सीमा से बाहर रहने का निर्देश दिया गया था।दस्तावेजों के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना जामों में विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज थे,जिनके आधार पर यह कार्रवाई की गई थी।वर्तमान में मुख्यमंत्री के खिलाफआपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस तेज हो गई है।कई लोगों ने प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की है।वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी पूरे मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।एवं आगे की कानूनी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्न पर जनपद में आक्रोश, विधायक सुरेश पासी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जन एक्सप्रेस । अमेठी

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न को लेकर जनपद अमेठी सहित प्रदेश के कई हिस्सों में ब्राह्मण समाज के लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। सोशल मीडिया पर प्रश्न और उसके विकल्प वायरल होने के बाद इसे समाज की भावनाओं को आहत करने वाला बताया जा रहा है।बताया जा रहा है कि 14 मार्च को आयोजित यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में शामिल एक सवाल को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। लोगों का कहना है कि प्रश्न और उसके विकल्प असंवेदनशील हैं। और किसी विशेष समाज की गरिमा को प्रभावित करते हैं।इसी को लेकर अमेठी में भी ब्राह्मण समाज के लोगों ने विरोध जताया है।और मामले की जांच की

मांग की है।इस पूरे मामले पर बॉलीवुड के मशहूर लेखक और गीतकार मनोज मुतास्सिर ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर अपना विरोध दर्ज कराया है।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में ऐसे प्रश्न नहीं होने चाहिए जो किसी समाज या वर्ग की भावनाओं को आहत करें।उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।वहीं इस मुद्दे को लेकर सुरेश पासी ने भी कड़ा रुख अपनाया है। विधायक सुरेश पासी ने अपने लेटर पैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम पत्र लिखकर इस मामले में विरोध दर्ज कराया है।उन्होंने पत्र में कहा कि इस तरह के प्रश्न समाज में अनावश्यक विवाद और आक्रोश पैदा करते हैं,इसलिए मामले की गंभीरता से जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया की समीक्षा कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए,ताकि भविष्यमें किसी भी समाज की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।फिलहाल इस मामले को लेकर सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर बहस तेज हो गई है।

गुरुपद बाबा के 68वें अवतरण दिवस पर आयोजन हुए विभिन्न कार्यक्रम

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

सर्वेश्वरी समूह शाखा रायबरेली द्वारा पीठाधीश्वर पूज्य गुरुपद बाबा के 68वें अवतरण दिवस के अवसर पर राणा बेनी माधव सिंह जिला चिकित्सालय में मरीजों के मध्य फल, बिस्कुट आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भक्तों द्वारा आश्रम परिसर में स्थित गुरुदेव घर में पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात शाखा के पदाधिकारियों व सदस्यों ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर मरीजों के मध्य फल एवं बिस्कुट वितरित किया तथा मन्दिर, मस्जिदों एवं गिरजाघरों में झाड़ू का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि पूज्य गुरुपद बाबा जी महान औघड़ संत अघोरेश्वर भगवान राम द्वारा स्थापित सेवा भावना को आगे बढ़ा रहे हैं। एक राज परिवार में जन्मे पूज्य बाबा जी नरसिंहगढ़ स्टेट के राजा, महाराजा भानु प्रकाश सिंह के पुत्र हैं। उन्होंने राजपाट का त्याग कर मानवता की सेवा को अपना जीवन समर्पित किया। समूह शाखा के मंत्री हर्षेन्द्र सिंह 'छोटे राजा' ने कहा कि आश्रम द्वारा समय-समय पर जरूरतमंदों की सेवा

कार्य किये जाते हैं, जिनमें मुख्यतः पथरी की निःशुल्क दवा प्रत्येक रविवार को आश्रम परिसर में दी जाती है, कुष्ठ रोग से ग्रसित मरीज जिन्हें समाज उपेक्षित समझता है पूज्य बाबा जी के कुशल निर्देशन में उनकी सेवा की जाती है। गर्मी के मौसम में निःशुल्क प्याऊ सहित अनेकों सेवा के कार्य करना समूह की परंपरा है। पूज्य के आदर्शों से प्रेरणा लेकर संस्था समाज सेवा के कार्य निरंतर कर रही है। संयुक्त मन्त्री अभिषेक विक्रम सिंह ने कहा कि सर्वेश्वरी समूह समाज के गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सेवा करने हेतु संकल्पित है तथा आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य होते रहेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डा0 सलीम का सहयोग विशेष रूप से सराहनीय रहा। उन्होंनें आश्रम द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आश्रम के व्यवस्थापक बृजेश सिंह, शिवलखन सिंह, इं. आर.के यादव, रमेश कुमार सिंह, मनीष सिंह, सिद्धार्थ सिंह, आलोक पाण्डेय, जितेन्द्र सिंह, महेन्द्र बहादुर सिंह, अलंकार सिंह, शैलेन्द्र सिंह, गुड्डुन श्रीवास्तव, राजन रस्तोगी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शंकरपुर में अमर सेनानी राना बेनी माधव सिंह की धरती पर भव्य होली मिलन समारोह में उमड़े लोग

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

जिले के जगतपुर विकास खंड के अंतर्गत अमर सेनानी राना बेनी माधव सिंह की वीरभूमि, जन्मस्थली व कर्मस्थली शंकरपुर में रविवार को राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति के तत्वावधान में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समिति द्वारा आयोजित यह दूसरा होली मिलन समारोह शंकरपुर इंटर कॉलेज के सभागार में उत्साह, उल्लास और भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन समिति के संस्थापक हरिचंद्र बहादुर सिंह की प्रेरणा तथा अध्यक्ष राजकुमार सिंह 'धीरज' और संयोजक अरुणेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में किया गया, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और समिति के पदाधिकारियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।समारोह की शुरुआत शंकरपुर इंटर कॉलेज प्रांगण में राना की कुलदेवी मां दुर्गा के दर्शन-पूजन से हुई। इसके उपरांत राना पार्क में स्थापित वीर स्वतंत्रता सेनानी राना बेनी माधव सिंह की अश्वारोही आदमकद

प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अदम्य साहस, पराक्रम और देशभक्ति को नमन किया गया। उपस्थित लोगों ने राना के त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कॉलेज के सभागार में आयोजित होली मिलन समारोह में लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और फूलों की होली खेलकर प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने होली पर्व के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं।इस अवसर पर समिति के संरक्षक बुधेंद्र बहादुर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम अकबाल बहादुर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस उपाधीक्षक आशा पाल सिंह, उपाध्यक्ष अजय पाल सिंह चौहान, उपाध्यक्ष व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला प्रमुख तथा एफजीआईईटी के प्रो. प्रवेश नारायण सिंह, शिक्षण नेता अरुण त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष समर सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी शिवकुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं. राजकुमार सिंह, भगवत प्रताप सिंह, शंकरपुर इंटर कॉलेज के उपप्रबंधक अनुज सिंह, कॉलेज के प्रिंसिपल सत्येंद्र कुमार, श्याम सिंह सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि राना बेनी माधव सिंह ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया था। उनका जीवन देशभक्ति, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा देता है। ऐसे महापुरुषों की स्मृतियों को संजोना और उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सबका दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता को बनाए रखने का संकल्प लिया। समारोह में कॉलेज के अध्यक्ष महेश सिंह, समिति के सदस्य एवं सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक राजमोहन सिंह, आलोक सिंह एडवोकेट, शारदा सिंह, गोरख सिंह, शिव शंकर सिंह, शिक्षक अनिल सिंह, शिव बहादुर सिंह सहित समिति के कई पदाधिकारी, सदस्य, शिक्षक और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1,94,393 वाद हुए निस्तारित

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय रायबरेली में मा0 जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह की अध्यक्षता में तथा मुख्य अतिथि मा0 प्रशासनिक न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। जिसमें कुल 1,94,393 वाद निस्तारित किये गये।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मा0 न्यायमूर्ति द्वारा दीप प्रज्जवलन व देवी सरस्वती के चित्र पर पुष्प चढ़ा करके किया गया। मा0 न्यायमूर्ति द्वारा उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि न्याय व्यवस्था में वादकारियों का हित सर्वोच्च होता है। वादकारियों के मध्य सुलह-समझौते के आधार पर लम्बित मामलों को

निपटाने व आमजन को सुलभ व सुगम न्याय उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर जिला जज अमित पाल सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय भूपेन्द्र राय, चेयरमैन-मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण प्रफुल्ल कमल, अपर प्रधान न्यायाधीश चन्द्रमणि मिश्रा, विशेष न्यायाधीश एस0सी0/एस0टी0 अनिल कुमार-पंचम, प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश कुशल पाल, अपर जिला जज अमित कुमार पाण्डेय (नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत), मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह व अन्य न्यायिक अधिकारीगण व विभिन्न बैंक के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमोद कंठ ने बताया की राष्ट्रीय लोक अदालत में एक लाख चौरन्नबे हजार तीन सौ तिरनब्बे मुकदमे निपटाये गये, तथा कुल समझौते की धनराशि पन्द्रह करोड़ से अधिक की रही। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंको व फाइनेन्स कम्पनियों के प्री-लिटिगेशन स्तर पर मामले निस्तारित कराये गये तथा मौके पर ही समझौते कराये गये। इस लोक अदालत में अन्य मामलों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ई-चालान के मामले, चेक बाउंस (एन0आई0एक्ट) के मामले तथा वैवाहिक विवाद के मामले निस्तारित किये गये। तलाक के मुहाने पर खड़े कई जोड़ों का सुलह-समझौता कराकर वापस भेजा गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला कारागार रायबरेली में बंदियों द्वारा बनाई गई सामग्री की प्रदर्शनी दीवानी न्यायालय में प्रदर्शित की गयी साथ ही साथ एक जिला एक उत्पाद की प्रदर्शनी उद्योग विभाग द्वारा लगायी गयी। आमजन की सहायता के लिए न्यायालय परिसर में कई जगह सहायता पटल व हेल्प डेस्क बनाये गये।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने रायबरेली में कांशीराम जयंती समारोह को किया संबोधित, विचारों को किया याद

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य रायबरेली पहुंचे। उन्होंने जगतपुर विकास क्षेत्र के कल्याणपुर सुरजई गांव में आयोजित मान्यवर कांशीराम जयंती समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर मौर्य ने 2027 के विधानसभा चुनाव का आगाज करने की बात कही। अपने संबोधन में स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांशीराम के विचारों और उनके सामाजिक योगदान को याद किया। उन्होंने बताया कि कांशीराम ने समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया। मौर्य ने इस बात पर जोर दिया कि कांशीराम के बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में समानता और न्याय स्थापित किया जा सकता है। समारोह के दौरान ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने

कांशीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन गांव के लोगों के सहयोग से किया गया था।

रमज़ान के पावन माह में दावत-ए-इफ्तार का हुआ भव्य आयोजन

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

पवित्र रमज़ान माह के अवसर पर शनिवार को शहर में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश देते हुए भव्य दावत-ए-इफ्तार कार्यक्रम का अयोजन समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के संस्थापक/प्रबंधक डॉ. शशिकान्त शर्मा द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में रोज़ेदारों, गणमान्य नागरिकों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रोज़ा खोलने से पूर्व सभी ने एक साथ बैठकर देश और समाज में अमन-चैन तथा तरक्की की दुआ की। इसके बाद रोज़ेदारों ने खजूर और अन्य पकवानों के साथ इफ्तार किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. शशिकान्त शर्मा ने कहा कि रमज़ान का पवित्र महीना हमें इंसानियत, सेवा और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम सौहर्द एवं सद्भाव की भावना और अधिक

मजबूत होती है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने रमज़ान के पवित्र महीने की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह माह संयम, त्याग और मानवता की सेवा का संदेश देता है और डॉ शर्मा ने इफ्तार कार्यक्रम के माध्यम से आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रयास किया है, साथ ही रोजेदारों ने डॉ शर्मा को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए मुबारकबाद दी और परिवार की उन्नति के लिए दुआ की। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा शहर के विभिन्न वर्गों के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को रमज़ान की मुबारकबाद देते हुए आपसी सद्भाव और एकता को बनाए रखने का संकल्प लिया और एक-दूसरे से गले मिलकर शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय में उत्तर पुस्तिकाओं के प्रदर्शन से छात्र-छात्राओं ने किया अपनी स्थिति का आंकलन

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज में रविवार को वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिका प्रदर्शन किया गया । साथ ही 18 मार्च, 2026 को छात्रवृत्ति प्रवेश परीक्षा का आयोजन की जानकारी दी गई ।

जानकारी के अनुसार 15 मार्च को शहर के अग्रेंजी माध्यम विद्यालय पॉयनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज में अभिभावकों एवं बच्चों को वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिका दिखायी गयी। विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ0 एमपी तिवारी, उप प्रधानाचार्या उप प्रधानाचार्य शिखा पाण्डेय, राघवेन्द्र त्रिपाठी सहित समस्त अध्यापक अध्यापिकाओं नें आये हुए सभी अभिभावकों का हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया । प्रबन्ध निदेशक डा0 तिवारी ने बताया कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास का मूल आधार होती है और विद्यालय इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी क्रम में आज विद्यालय में विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को उनके बच्चों की शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराना तथा विद्यार्थियों को अपनी त्रुटियों को समझने और सुधारने का अवसर देना है। अध्यापक अध्यापिकाओं ने सभी कक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को जांच कर निर्धारित तिथि पर अभिभावकों और विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं । उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी की उत्तर पुस्तिका की विस्तारपूर्वक समीक्षा की । आयोजन में बड़ी संख्या में अभिभावकों का आगमन हुआ। उन्होंने अपने बच्चों की उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन किया और शिक्षकों से उनके प्रदर्शन के बारे में चर्चा की। यह एक पारदर्शी प्रक्रिया थी, जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की कमजोरियों और उत्कृष्टताओं को जानने का अवसर मिला। उत्तर पुस्तिकाओं को देखने से विद्यार्थियों को अपनी गलतियों को पहचानने का अवसर मिला। शिक्षकों ने उन्हें सुधार के सुझाव दिये जिससे वे आगामी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन

कर सकें। इससे न केवल उनकी शैक्षणिक समझ में वृद्धि हुयी, बल्कि उनकी उत्तर लेखन शैली और समय प्रबंधन कौशल भी बेहतर हुआ। प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि यह कार्यक्रम शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित करने का एक उत्कृष्ट प्रयास है। इससे विद्यार्थियों को अपने अध्ययन में सुधार करने और अपने प्रदर्शन को और भी अधिक निखारने की प्रेरणा मिली। ऐसे प्रयास शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाते है, जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल होता है। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्रधानाचार्या प्रधानाचार्य शिखा पाण्डेय, राघवेन्द्र त्रिपाठी सहित समस्त अध्यापक अध्यापिकाएँ वार्षिक परीक्षा की कापी प्रदर्शन में उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ0 एम0पी0 तिवारी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें सहायता देने के उद्देश्य से हर वर्ष छात्रवृत्ति प्रवेश परीक्षा का आयोजन करता है। यह परीक्षा मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित की जाती है, जिससे वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें और अपने उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 2026-27 में छात्रवृत्ति प्रवेश परीक्षा 18 मार्च 2026 को आयोजित की जायेगी। यह छात्रवृत्ति योजना केवल बलरामपुर जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य जिलों के छात्रों के लिए भी खुली है, चाहे वे किसी भी बोर्ड सी0बी0एस0ई0, आई0सी0एस0सी0 या यू0पी0 बोर्ड आदि से संबंधित हो। इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ट्यूशन फीस में छूट दी जायेगी। यह छूट 80% से 85% अंक प्राप्त करने वालें विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस में 5% की छूट मिलेगी। 85% से 90% अंक प्राप्त करने वालें विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस में 15% की छूट मिलेगी। 90% से 95% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस में 20%की छूट दी जाएगी। 95% से 99% अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस में 25% की छूट मिलेगी ।विद्यालय प्रशासन इस परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आयोजित करेगा ताकि सभी छात्रों को अपनी योग्यता साबित करने का समान अवसर मिल सके।

मुंबई की खराब हवा को लेकर

दीपिका पादुकोण

ने जताई चिंता, पोस्ट शेयर कर बोलीं- ये शहर घुट रहा है

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अक्सर ही अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं. आए दिन उनकी फिल्में, उनके काम को लेकर नई-नई जानकारी सामने निकलकर आती रहती है. दीपिका एक बार फिर से चर्चा में हैं. हालांकि, इस बार वजह कोई फिल्म नहीं हैं बल्कि एक सोशल मीडिया पोस्ट है. दीपिका ने मुंबई में खराब वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता जाहिर की है. साथ ही उन्होंने बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से ये अपील भी की है कि इस पर कोई एक्शन हो.

दीपिका पादुकोण ने गुरुवार को अपनी इंस्टाग्राम पर एयर क्वालिटी इंडेक्स का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जिसमें कई इलाकों में प्रदूषण दिख रहा है. इसी की लेकर दीपिका ने चिंता जताई है. उन्होंने लिखा, ये शहर और यहां रहने वाले घुट रहे हैं. ये कैसे ठीक है. आगे दीपिका ने बीएमसी को भी मेंशन किया है. इससे पहले एक्ट्रेस सैयामी खेर और ऋचा चड्ढा ने भी इस मामले को लेकर चिंता जाहिर की थी.

चर्चा में अल्लू अर्जुन का पोस्ट

दीपिका बॉलीवुड का बड़ा नाम हैं. जब भी सोशल मीडिया पर उनका कोई पोस्ट सामने आता है वो पलभर में वायरल हो जाता है. अब उनके इस पोस्ट की भी काफी चर्चा हो रही है. बहरहाल, प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो प्रियंका पिछले 19 सालों से बॉलीवुड में काम कर रही हैं. साल 2007 में उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' से अपना करियर शुरू किया था. उसके बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक के एक बाद बेहतरीन फिल्मों के जरिए टॉप एक्ट्रेस में शुमार हो गईं.

दीपिका पादुकोण की अपकमिंग फिल्में

दीपिका की अपकमिंग फिल्मों की बातें करे तो वो एटली के डायरेक्शन में बन रही अनटाइटल्ड फिल्म का हिस्सा हैं, जिसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं. 8 अप्रैल को अल्लू अर्जुन का बर्थडे है. माना जा रहा है कि अल्लू अर्जुन के बर्थडे के मौके पर मेकर्स इस फिल्म के नाम का ऐलान करेंगे. इसके अलावा दीपिका इस साल शाहरुख खान के साथ 'किंग' नाम की फिल्म में भी नजर आने वाले हैं, जो 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. सिद्धार्थ आनंद ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है.

कृतिका-गौरव की रिसेप्शन पार्टी में दिखे

मलाइका अरोड़ा

और हर्ष, कैमरों से बचते नजर आए रूमर्ड कपल

बॉलीवुड की ग्लैमरस डिवा मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में वो एक्ट्रेस कृतिका कामरा और टीवी होस्ट गौरव कपूर की वेडिंग पार्टी में नजर आईं, लेकिन इस पार्टी की सबसे ज्यादा चर्चा किसी और वजह से हो रही है. दरअसल, इस इवेंट में मलाइका के साथ उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड हर्ष मेहता भी पहुंचे थे. हालांकि, दोनों एक ही पार्टी में मौजूद थे, लेकिन दिलचस्प बात ये रही कि उन्होंने कैमरों के सामने एक साथ पोज देने से दूरी बनाए रखी, जिससे सोशल मीडिया पर चर्चा और तेज हो गई.मुंबई में ऑर्गेनाइज इस स्टार-स्टडेड कृतिका कामरा और गौरव कपूर की वेडिंग रिसेप्शन में फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए. पार्टी में मलाइका अरोड़ा हमेशा की तरह अपने ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं और उन्होंने रेड कार्पेट पर पैपराजी के लिए जमकर पोज दिए. वहीं दूसरी तरफ उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड हर्ष मेहता ने कैमरों से दूरी बनाकर रखी. बताया जा रहा है कि वो चुपचाप पार्टी में पहुंचे और पैपराजी से बचने के लिए मेन एंट्री की बजाय पीछे के रास्ते से अंदर जाते नजर आए.

वीडियो हो रहा वायरल

इस पूरे वाकये का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि हर्ष मेहता कैमरों से बचने की कोशिश करते हुए जल्दी-जल्दी वेन्यू में एंट्री लेते हैं. हालांकि, पैपराजी की नजर से बच पाना उनके लिए आसान नहीं रहा और कैमरों में उनकी झलक कैद हो ही गई. दूसरी ओर मलाइका ने पूरे कॉन्फिडेंस के साथ रेड कार्पेट पर एंट्री ली और अपने स्टाइलिश सिल्वर आउटफिट में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया.

शाहिद कपूर संग दिखेगी 1800 करोड़ी फिल्म की एक्ट्रेस, 1300 करोड़ कमाने वाली मूवी के सीक्वल के साथ आ रहा टीजर

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर के लिए साल 2026 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही. उनकी रोमांटिक-एक्शन फिल्म ओ रोमियो का जलवा थिएटर्स में नजर नहीं आया. अब शाहिद कपूर साल की अपनी दूसरी रोमांटिक फिल्म के साथ नजर आने वाले हैं. इस फिल्म को लेकर भी बज़ बना हुआ है. जब साल 2012 में ये फिल्म आई थी तो इसका काफी अच्छा रिस्पॉन्स देखने को मिला था. इसके गाने भी खूब पसंद किए गए थे और फिल्म की कास्ट को भी जनता की हरी झंडी मिली थी. लेकिन अब कॉकटेल 2 फिल्म का सीक्वल आने जा रहा है.

फिल्म की रिलीज को अभी तो समय है लेकिन इसकी पहली झल्कियां देखने के लिए फैंस बेकरार हैं. हालांकि इसे जारी भी बहुत खास मौके पर किया जा रहा है. कॉकटेल 2 फिल्म का टीजर रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 के साथ थियेटर्स में किया जाएगा. मतलब की धुरंधर 2 की रिलीज से पहले ही फैंस को शाहिद कपूर की ओर से बड़ा सर्प्राइज मिल रहा है.

मेकर्स का कॉकटेल 2 पर बड़ा फैसला

फिल्म का ये टीजर दरअसल कॉकटेल 2 का फर्स्ट लुक होगा जिसे बुधवार 18 मार्च 2026 को रिलीज हो रही धुरंधर 2 के पेड प्रिव्यू के मौके पर जारी कर दिया जाएगा. मैडॉक फिल्म्स और दिनेश विजान ने इस फिल्म को प्रमोट करने के क्रम में ये बड़ा फैसला लिया है. साल 2025 में धुरंधर फिल्म की सफलता के बाद धुरंधर 2 फिल्म को लेकर जनता के बीच जबरदस्त क्रेज है. इस फिल्म को देखने के लिए पहले दिन से ही लोगों का भारी हुजूम देखने को मिलने वाला है. ऐसे में कॉकटेल 2 के फर्स्ट लुक को रिलीज करने के लिए मेकर्स के लिए इससे बढ़िया मौका भला क्या हो सकता है.

धुरंधर 2 के लिए जनता बेकरार

वहीं साल 2025 में सारे रिकॉर्ड्स ध्वस्त करने के बाद रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 रिलीज के लिए तैयार है. इस फिल्म को लेकर फैंस पहले से एक्साइटेड हैं. इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि पेड प्रिव्यू से ही इस फिल्म ने काफी कलेक्शन कर के दिखा दिया है. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म सिर्फ 18 मार्च 2026 के लिए ही 17 करोड़ रुपये के टिकट्स बेच चुकी है जो फिल्म को लेकर फैंस की बेकरारी जताने के लिए काफी है. पहले पार्ट के साथ 1300 करोड़ रुपये की कमाई करने के बाद ये फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है.

'बिग बॉस 19' फेम नतालिया ने इस सिंगर से कर ली शादी? वीडियो वायरल

सलमान खान का टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' भले ही खत्म हो गया, लेकिन इस शो में शामिल हुए तमाम सितारे अक्सर ही चर्चा में बने रहते हैं. पोलिश एक्ट्रेस नतालिया जानोसजेक भी इस टीवी रिएलिटी शो का हिस्सा बनी थीं. इसके जरिए उन्हें काफी पॉपुलैरिटी मिली थी. शो में यूट्यूबर मृदुल तिवारी के साथ उनकी जोड़ी काफी पसंद की गई थी. शो खत्म होने के बाद ही नतालिया अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं. अब सोशल मीडिया पर उनकी शादी की बातें हो रही हैं.

दरअसल, 'बिग बॉस' फेम नतालिया का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो सिंगर दानिश अल्फाज के साथ नजर आ रही हैं. दोनों बेहद ही खूबसूरत आउटफिट में नजर आ रहे हैं. नतालिया व्हाइट कलर की लेस वाली वेडिंग ड्रेस में दिख रही हैं, तो वहीं दानिश सूट पहने हुए हैं. दोनों एक दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं और काफी खुश दिख रहे हैं. वीडियो बना रही महिला दोनों से पूछते हुए कहती हैं, नतालिया मैम और दानिश सर, कैसा लग रहा है?

यहां देखें नतालिया और दानिश का वीडियो

इसपर नतालिया मुस्कुराते हुए कहती हैं, मैं बहुत खुश हूं. ये मेरे हस्बैंड हैं. इसपर दानिश कहते हैं, आखिरकार हो गया. जैसे ही ये वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, लोगों ने दोनों की बधाई देनी शुरू कर दी. जहां एक तरफ लोग दोनों को मुबारकबाद दे रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ कई लोग ये भी पूछ रहे हैं कि क्या दोनों ने सच में शादी कर ली है या फिर कुछ और मामला है. हालांकि, इस बारे में फिलहाल न तो नतालिया और न दानिश, दोनों में से किसी की तरफ से भी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है.

नतालिया ने इन फिल्मों में किया है काम

नतालिया ने '365 डेज', 'द स्विंग ऑफ थिंग्स' जैसी फिल्मों में काम किया है. इसके अलावा वो पिछले साल आई अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' में भा दिखी थीं.

अगस्त 2025 में वो 'बिग बॉस 19' का हिस्सा बनी थीं और हर तरफ छा गईं. वो इस शो का खिताब भले ही अपने नाम नहीं कर पाई थीं, लेकिन उन्हें इसके जरिए पॉपुलैरिटी खूब मिली.

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

हर खरीद में छुपा है आपका अधिकार

किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता की जाँच करना, प्रमाणित विक्रेताओं से ही खरीदारी करना और किसी धोखाधड़ी या अनुचित व्यवहार की स्थिति में उचित मंच पर शिकायत दर्ज कराना जरूरी है। जब उपभोक्ता सचेत और सक्रिय होंगे, तभी कंपनियाँ भी अधिक जवाबदेह बनेंगी और बाजार में अनुचित व्यापारिक प्रथाओं पर प्रभावी अंकुश लग सकेगा। यह अवसर महज़ जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का भी समय है। यह हमें याद दिलाता है कि उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सजग और सतर्क रहें।

बाजार की इस विशाल दुनिया में हम सब किसी न किसी रूप में उपभोक्ता हैं। हमारा पहनावा, हमारा भोजन और हमारी रोजमर्रा की सेवाएँ–ये सभी हमें उपभोक्ता की पहचान देती हैं। पर सवाल यह है कि क्या हर उपभोक्ता अपने अधिकारों से सचमुच परिचित है? क्या उसे यह पता है कि बाजार से उसे क्या मिलना चाहिए और क्या नहीं? यदि नहीं, तो यह जागरूकता आखिर आएगी कब और कैसे? इन्हीं प्रश्नों को केंद्र में रखकर हर वर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है, ताकि उपभोक्ता अपने अधिकारों को समझें, उनके लिए आवाज उठाएँ और एक निष्पक्ष व पारदर्शी बाजार व्यवस्था की मांग को मजबूत कर सकें। तेजी से बदलते बाजार में उपभोक्ता की सुरक्षा और विश्वास सबसे महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। इसी संदर्भ में वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' निर्धारित की गई है। यह केवल औपचारिक विषय नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं में सुरक्षा और भरोसा मजबूत करने का संदेश है। जब बाजार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों रूपों में तेजी से फैल रहा है, तब उत्पादों की सुरक्षा, गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है। इसलिए उपभोक्ताओं को सुरक्षित, प्रमाणित और भरोसेमंद उत्पाद व सेवाएँ मिलना जरूरी है। साथ ही बाजार व्यवस्था भी ऐसी होनी चाहिए, जहाँ पारदर्शिता, गुणवत्ता और सुरक्षा के साथ विकल्प उपलब्ध हों, ताकि उपभोक्ता विश्वास के साथ खरीदारी कर सकें। केवल उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी देना ही पर्याप्त नहीं है। असली चुनौती यह है कि आज भी बड़ी संख्या में लोग अपने अधिकारों से अनजान हैं। उन्हें यह तक पता नहीं होता कि खराब गुणवत्ता का उत्पाद मिलने या किसी सेवा में धोखा होने पर शिकायत कहाँ और कैसे दर्ज कराई जाए। कई बार लोग शिकायत करने से इसलिए भी बचते हैं कि उन्हें लगता है, इससे कोई ठोस बदलाव नहीं होगा। यही उदासीन सोच और चुप्पी व्यापारिक अनियमितताओं को पनपने का अवसर देती है। अक्सर बाजार में उपभोक्ता गलत जानकारी, भ्रामक विज्ञापनों, मिलावटी उत्पादों और अनुचित कीमतों का शिकार बनते हैं। डिजिटल युग ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है, जहाँ ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी और नकली उत्पादों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में उपभोक्ताओं का जागरूक होना और अपने अधिकारों की रक्षा करना पहले से अधिक जरूरी हो गया है। भारत में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया है, जो उन्हें सुरक्षा, सूचना, सुनवाई, शिकायत निवारण और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार देता है। लेकिन ये कानून तभी प्रभावी बनते हैं, जब उपभोक्ता स्वयं सतर्क और जागरूक हों। वैश्विक स्तर पर भी अब उपभोक्ता अधिकारों को एक नई दिशा देने की पहल हो रही है। अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता संगठन और इसके सदस्य संगठन टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने और उसे सरल व सुलभ बनाने के प्रयास कर रहे हैं। यदि उपभोक्ता अपनी खरीदारी की आदतों में बदलाव लाएँ, तो वे न केवल अपने स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। प्लास्टिक के स्थान पर पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को अपनाना, जैविक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देना और अनावश्यक उपभोग से बचना–ये सभी टिकाऊ जीवनशैली की ओर सकारात्मक कदम हैं। हालाँकि यह परिवर्तन तभी संभव है, जब उपभोक्ता स्वयं जिम्मेदारी निभाएँ। हर व्यक्ति को अपने क्रय-विक्रय के निर्णय सोच-समझकर लेने चाहिए।

एक्सप्रेस आलेख

हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा।

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाज़ियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे

चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है।

विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज़ बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए। हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है। इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे। इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे है, गृह प्रवेश कर रहे है, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख ले, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	द्वादशी 09:38 तक
नक्षत्रः	धनिष्ठा 30:14 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	सोमवार
योगः	शिव, 09:27
सूर्योदयः	06:25
सूर्यास्तः	18:19
चंद्रमाः	मकर राशि में
राहुकालः	07:54-09:24
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	चैत्र
शुभ मुहूर्तः	11:59-12:46

जन एक्सप्रेस

आने लगे जहाज !

गैस-तेल के धीरे धीरे ।
आने लगे जहाज ।।
किरण जगी उम्मीद की ।
होगा नहीं अकाज ।।
पार कर होर्मुज स्ट्रेट ।
चले सुरक्षित चाल ।।
सुधरेगी व्यवस्था अब ।
अफवाह जो बेहाल ।।
जीत कूटनीतिक है ।
हैं रहे ललकार ।।
संकट है जो वैश्विक इसमें ।
हम नहीं लाचार ।।
मिल रही जो अनुमति है ।
कोशिश का परिणाम ।।
बिना बम बारूद हम ।
पा सकते मुकाम ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

क्या मल्टीग्रेन आटे से भी कब्ज की समस्या हो सकती है?

मल्टीग्रेन आटा आजकल का नया ट्रेंड बन चुका है। हर कोई आजकल इसे अपनी डाइट में शामिल कर रहा है। पहले जहां सिर्फ डायबिटीज के मरीज इस आटे को खाते थे वहीं अब ये हर किसी के नॉर्मल डाइट का हिस्सा बनता जा रहा है। मल्ट्रीग्रेन आटे में कई प्रकार के मोटे अनाजों को शामिल किया जाता है जो कि हाई फाइबर से भरपूर होते हैं। हाई फाइबर जहां डाइजेशन बूस्टर और मेटाबॉलिज्म तेज करने वाला होता है वहीं ये आंतों की गति को भी तेज करता है मल में थोक जोड़कर इसे मुलायम बनाता है और पेट साफ करने में मदद करता है। हालांकि, फाइबर शरीर के लिए जरूरी है लेकिन ज्यादा मात्रा में फाइबर का सेवन शरीर के लिए नुकसानदेह हो सकता है। कुछ लोगों को मल्टीग्रेन आटे से कब्ज हो सकता है। दरअसल, फाइबर पचाने के लिए पेट को पानी की ज्यादा जरूरत होती है और अगर पानी कम होता है तो कब्ज की समस्या हो सकती है। इसके अलावा अगर आटे में मक्का या बाजरे जैसे पानी सोखने वाले अनाज ज्यादा मात्रा में होते हैं जो ये मल को टाइट कर देते हैं और कब्ज की वजह बनने लगते हैं। इसके अलावा अगर आटे के मिश्रण में पर्याप्त फाइबर न हो या पाचन क्रिया धीमी हो जाए तब भी ये दिक्कत होती है। कुछ लोगों को रिफाइंड आटा मिलाने पर पेट फूलने या कब्ज की समस्या होती है। मल्टीग्रेन आटे में रिफाइंड आटे की तुलना में अधिक फाइबर होता है और फाइबर को आंतों में सुचारू रूप से चलने के लिए पर्याप्त पानी की जरूरत होती है। अगर पानी का सेवन कम हो तो मल सख्त हो सकता है। अचानक अधिक मात्रा में खाने से भी पाचन क्रिया धीमी हो सकती है। कुछ मल्टीग्रेन आटे में ऐसे अनाज होते हैं जिन्हें संवेदनशील पेट वाले लोगों के लिए पचाना मुश्किल होता है।

मल्टीग्रेन आटे से कब्ज हो तो क्या करें?: मल्टीग्रेन आटे से होने वाले कब्ज से बचने के लिए आपको ज्यादा मात्रा में पानी पीना चाहिए दरअसल जितना ज्यादा आप पानी पिएंगे शरीर फाइबर को उतने आराम से पचा लेगा जिससे कि आपको कब्ज की समस्या नहीं होगी। इसके अलावा मल्टीग्रेन आटे का सेवन धीरे-धीरे बढ़ाएं अचानक से इस आटे पर निर्भर न हो जाएं या सिर्फ इसी को डाइट में शामिल न करें।

इस संकेतों पर दें ध्यान: मल्टीग्रेन आटे से आपका मल टाइट होने लगे या आपको बवासीर जैसी समस्या महसूस होने लगे तो आपको सतर्क हो जाने की जरूरत है। इसके अलावा अगर आपको लग रहा है कि आपका खाना सही से नहीं पच पा रहा या गैस व बदहजमी की दिक्कत हो रही है और ये लगातार बनी रहती है तो इसका मतलब है कि आप फाइबर ज्यादा मात्रा में ले रहे हैं और पानी कम पी रहे हैं। ऐसी में आपको अपनी डाइट में सबसे पहले तो फल, सब्जियां और दही शामिल करना चाहिए जो कि पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करे। इसके अलावा भोजन को अच्छी तरह चबाकर खाएं और नियमित समय पर खाएं। टहलने जैसी हल्की शारीरिक गतिविधि भी मल त्याग में सहायक होती है। तो इस प्रकार से डाइट सही करें और मल्टीग्रेन आटे से बनी रोटी को डाइट में शामिल तो करें लेकिन संतुलित मात्रा में।

एक्सप्रेस विशेष

जागरूक उपभोक्ता ही है सुरक्षित बाजार की नींव

योगेश कुमार गोयल

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना ही पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका एक प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है।

जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, नाप-तोल में गड़बड़ी, मनमाने दाम वसूलना, बगैर मानक वस्तुओं की बिक्री, ठगी, सामान की बिक्री के बाद गारंटी अथवा वारंटी के बावजूद सेवा प्रदान नहीं करना इत्यादि समस्याओं से ग्राहकों का सामना अक्सर होता रहता है। ऐसी ही समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह वैश्विक पहल उत्पाद सुरक्षा, उपभोक्ता जागरूकता और मजबूत नियमों की आवश्यकता पर जोर देती है। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का एक महत्वपूर्व अवसर है। उपभोक्ता आन्दोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी और 15 मार्च 1983 से यह दिवस इसी दिन निरन्तर मनाया जा रहा है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में

एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला।

वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। वैसे बाजार में उपभोक्ताओं का शोषण होना कोई नई बात नहीं है बल्कि उपभोक्ताओं के शोषण की जड़ें आज बहुत गहरी हो चुकी हैं। उपभोक्ताओं को इस शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए कई कानून भी बनाए गए लेकिन जब से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अस्तित्व में आने के बाद से उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित एवं कम खर्च पर न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाली कम्पनियां व प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के प्रति सचेत हुए। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। ग्राहकों के साथ आए दिन होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए देश में 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान हैं। यह कानून अब साढ़े तीन दशक पुराने 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' का स्थान ले चुका है। भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

बीसलपुर में भव्य होली मिलन समारोह व चौपाई समागम 25 गांवों की टोलियों ने पारंपरिक गीतों से बांधा समां

- पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव रहे मुख्य अतिथि, दिव्या प्रदीप गंगवार के नेतृत्व में हुआ आयोजन
- सभी को भोजन के उपरांत कलाकारों को किया गया सम्मानित

जन एक्सप्रेस । मुकेश कुमार

पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र 130 बीसलपुर में रविवार को समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दिव्या प्रदीप गंगवार के नेतृत्व में तृतीय वृहद होली मिलन समारोह एवं चौपाई समागम का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। बीसलपुर-पीलीभीत मार्ग स्थित उनके कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आई चौपाई टोलियों ने अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियों से वातावरण को होली के रंगों और उल्लास से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव रहे, जबकि अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह 'जग्गा' ने की। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी अमित यादव सहित कई सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां भी मौजूद रहीं।

चौपाई टोलियों ने प्रस्तुत किए पारंपरिक होली गीत

समारोह में क्षेत्र के करीब 25 गांवों में हाफिजनगर, वन्नाही, कासिमपुर, सावेपुर, दमूपुरा, नवदिया भगत, घुंघचहिया, बड़ागांव, बरखेड़ा, मंडरा सुमन, ढाकियारंजीतपुर, कनगवां, गौहनिया, करीखेड़ा, सिमरा, अकबरगंज, गंगापुर, इमलिया, मरौरी, खनंका, भसूड़ा, कुर्मिखा, ललौर, गुजरानपुर समेत कई गांवों की चौपाई टोलियों ने भाग लिया। जिसमें कलाकारों ने ढोलक, मंजीरा और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर होली के लोकगीत और चौपाइयों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कई टोलियों ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक संदेश भी प्रस्तुत किए, जिन्हें लोगों ने खूब सराहा।

लोक परंपराओं को जीवित रखने का प्रयास: वीरपाल सिंह यादव

मुख्य अतिथि वीरपाल सिंह यादव ने कहा कि होली और चौपाई की परंपरा हमारे समाज की सांस्कृतिक पहचान रही है, लेकिन समय के साथ यह परंपरा धीरे-धीरे कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि बीसलपुर में इस तरह का आयोजन कर दिव्या गंगवार ने एक सराहनीय पहल की है, जिससे नई पीढ़ी को अपनी लोक संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जगदेव सिंह 'जग्गा' ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज की पुरानी परंपराओं को जीवित रखने के साथ-साथ लोगों के बीच आपसी प्रेम और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

समाज में एकता और सौहार्द का संदेश

कार्यक्रम की आयोजक दिव्या प्रदीप गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि होली का पर्व केवल रंगों का त्योहार नहीं बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज की पुरानी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने के साथ लोगों को आपस में जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर लोगों को एक मंच पर लाना और उनकी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाना है।

कलाकारों और टोलियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम संयोजक एवं समाजसेवी चौधरी प्रदीप सिंह पटेल ने कार्यक्रम के समापन पर सभी चौपाई टोलियों के कलाकारों, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। समारोह में भाग लेने वाली सभी चौपाई टोलियों को स्मृति चिन्ह और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आए अतिथियों और कलाकारों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में अनिल कुमार, भूदेव गंगवार, रूपलाल महातिया, डॉ. रवि गंगवार, फैजान खान, डॉ. अरविंद कुमार, पंकज कुमार, अभिषेक राजपाल, पूरनलाल, अमित कुमार सहित समाजवादी पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। सुबह से शुरू हुआ चौपाई समागम देर शाम तक चलता रहा और पूरे दिन परिसर में होली के पारंपरिक गीतों की गूंज से माहौल उत्सवमय बना रहा।

हर वर्ष होगा आयोजन: दिव्या गंगवार

कार्यक्रम की आयोजक दिव्या प्रदीप गंगवार ने कहा कि क्षेत्र में आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से हर वर्ष होली मिलन समारोह और चौपाई समागम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने सभी कलाकारों, चौपाई टोलियों, अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

पंच प्रयाग आश्रम में राष्ट्रीय हनुमान दल का संगठन विस्तार, न्यूरिया प्रखंड की नई कार्यकारिणी घोषित

- दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ, संगठन के पदाधिकारियों ने संस्कार और सामाजिक एकता पर दिया जोर

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

राष्ट्रीय हनुमान दल के संगठन विस्तार को लेकर रविवार को पंच प्रयाग आश्रम, न्यूरिया प्रखंड में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता और भगवान हनुमान के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता ने की। इस दौरान संगठन से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों, सांस्कृतिक मूल्यों और समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य पर विचार व्यक्त किए।

संगठन की नीतियों और संस्कारों पर दिया जोर

कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक स्वतंत्र देवल ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों में धार्मिक और नैतिक संस्कारों का विकास होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से प्रत्येक मंगलवार को मंदिर जाने और हनुमान चालीसा का पाठ करने की अपील भी की।

मुख्य वक्ता जगदीश सक्सेना ने कहा कि संगठन के माध्यम से समाज को जोड़ने और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी एकता और सद्भाव बनाए रखना बेहद जरूरी है और सभी को मिलकर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना चाहिए।

प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का प्रस्ताव

जिला उपाध्यक्ष राहुल गजवानी ने प्रस्ताव रखा कि क्षेत्र में प्रत्येक मंगलवार को सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया जाए, जिससे समाज में धार्मिक जागरूकता और एकजुटता बढ़ सके।कार्यक्रम में उपस्थित संत गिरजानंद जी महाराज ने सभी कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद देते हुए धर्म और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

संगठन के विस्तार को लेकर पदाधिकारियों ने जताई प्रतिबद्धता

अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता ने संगठन के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि संगठन समाज के हितों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर सदैव सक्रिय रहेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर संगठन ग्राम स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक एकजुट होकर कार्य करेगा। कार्यक्रम के दौरान न्यूरिया प्रखंड की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। इसमें यश राजपूत को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया, जबकि संजय राजपूत, पंकज राजपूत और गौरव राजपूत को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा धर्मवीर को सचिव, सुशील कुमार, रघुनंदन प्रसाद और अजय राजपूत को सहसचिव, करण को संयोजक तथा बिट्टू राय और सुमित को सहसंयोजक नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता आचार्य रामानुज अवस्थी ने किया। इस अवसर पर जिला सहसंयोजक आदित्य ओझा, सहसंयोजक आदित्य राना, नगर अध्यक्ष संजीव कुमार, प्रचार प्रसार प्रमुख आलोक कश्यप सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा हरकृष्णापुर गांव से आए कार्यकर्ता धर्मेंद्र मौर्य, रवि कुमार, प्रताप कुमार, जसवंत, सचिन कुमार, विशाल और बलवंत सहित बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल रहें।

खेत में पहुंचे जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव, उन्नत किस्म सीओ-15023 की बुवाई देख किसानों को दिया प्रोत्साहन

- आधुनिक गन्ना किस्म Co-15023 से बढ़ेगी पैदावार, खेत पर पहुंचकर खुशीराम भार्गव ने किसानों से की चर्चा
- वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय, खुशीराम भार्गव ने खेत पर जाकर देखी गन्ने की नई किस्म
- प्रगतिशील किसान राम सागर मिश्रा के खेत पहुंचे जिला गन्ना अधिकारी, उन्नत गन्ना किस्म को बताया लाभ

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

गन्ना उत्पादन बढ़ाने और किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव लगातार क्षेत्रीय भ्रमण कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने गन्ना समिति पूरनपुर के अंतर्गत ग्राम मुजफ्फरनगर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रगतिशील गन्ना किसान राम सागर मिश्रा के खेत पर पहुंचकर उन्नत गन्ना किस्म छ्थ्-15023 की बसंतकालीन बुवाई का अवलोकन किया और खेती की विधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

खेत पर पहुंचकर जिला गन्ना अधिकारी ने किसान राम सागर मिश्रा से गन्ना की इस उन्नत किस्म और उसकी खेती से जुड़ी विभिन्न जानकारियों पर चर्चा की। किसान ने बताया कि छ्थ्-15023 किस्म बसंतकालीन बुवाई के लिए काफी उपयुक्त मानी जाती है और इसमें अंकुरण क्षमता भी बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि इस किस्म में पौधों का फुटाव (टिलरिंग) अधिक होता है, जिससे फसल घनी और मजबूत बनती है और उत्पादन में भी बढ़ोतरी होती है।

चीनी उद्योग के लिए भी लाभकारी: खुशीराम भार्गव

विशेषज्ञों के अनुसार यह गन्ना किस्म केवल किसानों के लिए ही नहीं बल्कि चीनी उद्योग के लिए भी लाभकारी मानी जाती है। इस किस्म की रिकवरी लगभग 10.5 प्रतिशत से 11.50 प्रतिशत तक पहुंचने की क्षमता रखती है, जिससे चीनी मिलों को भी बेहतर उत्पादन प्राप्त होता है। प्रगतिशील किसानों से मिल रहा प्रेरणा का संदेश जिला गन्ना अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र के प्रगतिशील किसान नई तकनीकों और उन्नत किस्मों को अपनाकर अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि अधिक से अधिक किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं तो गन्ना उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है और इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे गन्ना की स्वीकृत और उन्नत किस्मों को ही अपनाएं तथा खेती में वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करें। इससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि खेती अधिक लाभकारी भी बनेगी। क्षेत्र के किसानों के लिए राम सागर मिश्रा जैसे प्रगतिशील किसान एक उदाहरण बनकर उभर रहे हैं। उनकी पहल से अन्य किसान भी उन्नत गन्ना किस्मों और वैज्ञानिक खेती की तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र में गन्ना उत्पादन और किसानों की समृद्धि की नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की सलाह

जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने खेत पर मौजूद किसानों से कहा कि वर्तमान समय में गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने किसानों से उन्नत और स्वीकृत गन्ना किस्मों की बुवाई करने तथा समय-समय पर विशेषज्ञों की सलाह लेने का आह्वान किया।उन्होंने बताया कि यदि किसान आधुनिक तकनीकों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन और उचित सिंचाई व्यवस्था के साथ खेती करें तो कम लागत में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने किसानों को बीज चयन, बीज उपचार और समय से बुवाई करने के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। किसान राम सागर मिश्रा ने बताया कि छ्थ्-15023 किस्म सामान्य गन्ना किस्मों की तुलना में अधिक उत्पादन देने की क्षमता रखती है। अनुकूल परिस्थितियों में इसकी औसत पैदावार लगभग 800 से 1000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त हो सकती है। यही कारण है कि कई किसान इस किस्म की खेती की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

बिलसंडा में शादी समारोह के दौरान मारपीट, बारातियों के हमले में युवक गंभीर रूप से घायल

पीलीभीत। जनपद के बिलसंडा कस्बे में आयोजित एक शादी समारोह उस समय तनावपूर्ण हो गया जब बारात में शामिल कुछ लोगों ने लड़की पक्ष के एक युवक पर हमला कर दिया। देखते ही देखते मामूली कहासुनी मारपीट में बदल गई और कई लोगों ने युवक को लाठी-डंडों से पीट दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बिलसंडा क्षेत्र के एक बैंक्वेट हॉल में हुई, जहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक समारोह के दौरान किसी बात को लेकर बारातियों और लड़की पक्ष के लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। पहले तो लोगों ने दोनों पक्षों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही देर में माहौल बिगड़ गया और कुछ बारातियों ने युवक को घेरकर उस पर हमला कर दिया।मारपीट के दौरान मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखाई दिए।

प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ी, बरेली ले जाते समय रास्ते में मौत

- पूरनपुर के निजी अस्पताल में हुआ था प्रसव, परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप
- शव गेट पर रखकर किया प्रदर्शन, पुलिस ने शुरू की जांच

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

नगर के एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ने और बाद में उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो जाने से परिजनों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजन महिला का शव अस्पताल के मुख्य द्वार पर रखकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव कपूरपुर निवासी सोनू अपनी गर्भवती पत्नी रूबी (28 वर्ष) को शनिवार दोपहर प्रसव के लिए बंडा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने लेकर आया था। परिजनों का कहना है कि उस समय महिला की तबीयत सामान्य थी और अस्पताल प्रबंधन ने सुरक्षित प्रसव कराने का भरोसा दिया था।बताया जा रहा है कि देर रात महिला का प्रसव तो हो गया, लेकिन उसके कुछ समय बाद ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। परिजनों का आरोप है कि महिला लगातार दर्द से तड़पती रही, मगर अस्पताल के स्टाफ ने समय रहते समुचित इलाज नहीं किया। जब हालत अधिक गंभीर हो गई तो अस्पताल प्रबंधन ने उसे जिला अस्पताल पीलीभीत रेफर कर दिया। परिजन महिला को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बरेली रेफर कर दिया। परिजन उसे एंबुलेंस से बरेली ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही रूबी ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। रविवार सुबह आक्रोशित परिजन महिला का शव लेकर फिर उसी निजी अस्पताल पहुंच गए और मुख्य गेट पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। काफी देर तक चले इस हंगामे से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।सूचना मिलने पर पूरनपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों की शिकायत के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा में पारदर्शिता पर प्रशासन की पैनी नजर, डीएम-एसपी ने केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

- सीसीटीवी और कंट्रोल रूम की व्यवस्था परखी, स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को सतर्क रहकर निगरानी करने के दिए निर्देश

जनपद में आयोजित उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय दिखाई दिया। रविवार को जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा और जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने ड्रमण्ड राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज, एसएन इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय तथा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज समेत कई परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, कंट्रोल रूम की निगरानी व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भर्ती परीक्षा की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को सतर्क रहते हुए समय-समय पर परीक्षा कक्षों का निरीक्षण करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों और कक्ष निरीक्षकों से भी बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही सभी को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पालन करने की हिदायत दी।प्रशासन की सख्ती और निगरानी के चलते परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था सुव्यवस्थित नजर आई। परीक्षार्थियों को शांत और अनुशासित माहौल में परीक्षा देने का अवसर मिला, जिससे पूरी परीक्षा प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संपन्न होती दिखाई दी।

बदायूं गोलीकांड पर सीएम योगी सख्त, जांच के लिए एसआईटी गठित

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

- हर्षित मिश्रा हत्याकांड पर कांग्रेस सक्रिय, प्रतिनिधिमंडल ने पूरनपुर पहुंचकर परिवार से की मुलाकात

बदायूं जिले में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के बायोप्लांट में हुई सनसनीखेज गोलीबारी में पूरनपुर निवासी डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा और कंपनी के मुख्य प्रबंधक सुधीर गुप्ता की मौत के बाद मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। घटना के बाद पीड़ित परिवार द्वारा उठाए गए सवालों, राजनीतिक दलों की सक्रियता और प्रशासनिक हलचल के चलते प्रकरण ने गंभीर रूप ले लिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच सुनिश्चित की जाएगी। बताया जा रहा है कि बदायूं स्थित एचपीसीएल बायोप्लांट परिसर में एक व्यक्ति ने अचानक घुसकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में कंपनी के मुख्य प्रबंधक सुधीर गुप्ता और पूरनपुर के निवासी डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

परिवार ने सुरक्षा और साजिश को लेकर उठाए सवाल

मृतक हर्षित मिश्रा के पिता सुशील मिश्रा का कहना है कि उनके बेटे ने पहले ही अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताई थी। इसके बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घटना से जुड़ी सीसीटीवी फुटेज अब तक परिवार को नहीं दिखाई गई है।परिजनों के मुताबिक हर्षित का मोबाइल फोन और लैपटॉप भी पुलिस के कब्जे में हैं, जिनमें कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां हो सकती हैं। परिवार का मानना है कि इन उपकरणों की जांच से घटना की असल वजह सामने आ सकती है। मृतक के भाई वैभव मिश्रा ने बताया कि उन्होंने इस पूरे मामले की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी दी है और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

पूरनपुर पहुंचा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

घटना के बाद राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। रविवार को कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल पूरनपुर पहुंचा और मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश सचिव अनूप वर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा, कुमुद पाल गंगवार और सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश महासचिव नीरज अवस्थी समेत कई नेता शामिल थे।

कांग्रेस नेताओं ने परिवार को न्याय दिलाने की मांग करते हुए कहा कि घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रदेश सचिव अनूप वर्मा ने कहा कि इस तरह की घटना बेहद गंभीर है और सच्चाई सामने आना जरूरी है। बताया जाता है कि परिवार से मिलने के लिए जा रहे कुछ कांग्रेस नेताओं को प्रशासन ने एहतियातन उनके घरों पर ही रोक दिया था। पूर्व विधायक संजय कपूर और छात्र कांग्रेस अध्यक्ष राजेश वर्मा को भी घर से बाहर न निकलने देने की सूचना मिली है। इसके बावजूद कई कार्यकर्ता पूरनपुर पहुंच गए और परिवार के प्रति संवेदना जताई।

प्रशासन ने उठाए कई कदम

घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पीलीभीत के जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा ने पूरनपुर पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। उधर बदायूं में पुलिस महकमे में भी फेरबदल किया गया है। सर्किल ऑफिसर डॉ. देवेंद्र कुमार को पद से हटाकर उनकी जगह पीपीएस अधिकारी राहुल पांडेय को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने बायोप्लांट परिसर में पुलिस चौकी स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आरोपी की संपत्तियों की जांच और उसके शस्त्र लाइसेंस को निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

एसआईटी गठित, परिवार ने की सीबीआई जांच की मांग

मुख्यमंत्री के निर्देश पर बरेली मंडलायुक्त की अध्यक्षता में विशेष जांच दल का गठन किया गया है, जो पूरे मामले की जांच करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यदि जांच में किसी साजिश के संकेत मिलते हैं तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि एसआईटी गठित होने के बावजूद पीड़ित परिवार केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग पर कायम है। परिजनों का कहना है कि निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सीबीआई जांच जरूरी है। कांग्रेस नेताओं ने भी इसी मांग का समर्थन किया है। फिलहाल बदायूं गोलीकांड अब केवल एक आपराधिक घटना नहीं रह गया है। यह मामला कार्यस्थल की सुरक्षा, प्रशासनिक जिम्मेदारी और जांच की पारदर्शिता जैसे कई अहम सवालों को भी सामने ला रहा है। आने वाले दिनों में जांच की दिशा इस पूरे प्रकरण की तस्वीर और साफ कर सकती है।

मुठभेड़ में चार शातिर लुटेरे गिरफ्तार, एक घायल, नगदी व तमंचा बरामद

जन एक्सप्रेस। हरदोई

हरदोई के संडीला थाना क्षेत्र में कार सवार अज्ञात बदमाश बाइक सवार महिला से मोबाइल नगदी व जेवरात लूट कर फरार हो गए थे।रविवार को थाना संडीला पुलिस ने लूट की घटना का सफल खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।जिसमे पुलिस की गोली से एक आरोपी घायल हो गया। जबकि मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक डिजायर कार, नगदी व एक मोबाइल फोन, अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार बीती 25 फरवरी को ग्राम टिकरा कला निवासी सर्वेश पाल ने थाना संडीला में तहरीर देकर बताया था कि वह अपनी पत्नी उमा के साथ मोटरसाइकिल से एक रिश्तेदार की शादी से वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में थाना संडीला क्षेत्र के ग्राम टिकरा कला के पास कार सवार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और 10 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन तथा उनकी पत्नी की पायल व टॉप्स छीनकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना संडीला में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई थी।

घटना के शीघ्र खुलासे के लिए एसपी अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर पुलिस टीम गठित कर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग शुरू की गई। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम गढ़ीखेड़ा मोड़ के पास पहुंची, जहां संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया। कार सवार बदमाशों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी और भागने का प्रयास किया।पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें अभियुक्त विवेक पुत्र महेश निवासी ग्राम फतेपुर पुर्वा थाना अतरौली जनपद हरदोई के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। वहीं उसके तीन साथी शिवम पुत्र मनोज निवासी ग्राम फतेपुर पुर्वा थाना अतरौली, शुभम पुत्र सुरेश निवासी ग्राम जुराखेड़ा थाना अतरौली तथा सूरज पुत्र राजू निवासी ग्राम नटवा खेड़ा थाना अतरौली जनपद हरदोई को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।बदमाशो से हुई मुठभेड़ में थाना संडीला में तैनात हेड कांस्टेबल दिवाकर मिश्रा भी घायल हो गए। पुलिस ने घायल अभियुक्त व पुलिसकर्मी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 17,100 रुपये नकद, एक डिजायर कार, एक मोबाइल फोन, एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी विवेक के खिलाफ पहले भी थाना अतरौली में लूट व आर्म्स एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं।अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विद्यासागर पाल, उपनिरीक्षक इन्द्रेश यादव, उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक प्रभु नारायण पाल, उपनिरीक्षक अंगद सिंह, उपनिरीक्षक करुणेश पाठक, उपनिरीक्षक रजत त्रिपाठी तथा हेड कांस्टेबल दिवाकर मिश्रा शामिल रहे।

दंपति ने जमकर की हर्ष फायरिंग दहशत में ग्रामीण, वीडियो हुआ वायरल

उरई। रामपुरा थाना क्षेत्र के हुसेपुरा जागीर (जगम्मनपुर) में बीते 11 मार्च को शादी समारोह के दौरान बज रहे डीजे पर हो रहे डांस में दंपति ने लाइसेंसी बंदूक से ताबड़तोड़ हर्ष फायरिंग कर दी। घटना से गांव में दहशत का माहौल बन गया और वहां मौजूद किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम हुसेपुरा जागीर (जगम्मनपुर) में बीते 11 मार्च को गांव के देवेंद्र प्रजापति के पुत्र अंकित की शादी थी। रात करीब 9 बजे निकासी का कार्यक्रम चल रहा था। जिसमें महिलाएं नृत्य कर रही थी और बंदूक चलेगी तेरी बंदूक चलेगी गाना बज रहा था। इसी दौरान शादी में शिरकत करने आया ग्राम भिटारी का युवक अपनी लाइसेंसी बंदूक लेकर मौके पर पहुंचा और नृत्य के बीच हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। इतना ही नहीं युवक ने अपनी पत्नी को भी बंदूक देकर हर्ष फायरिंग करवाई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है। जिसमें साफ दिख रहा है कि पति-पत्नी ने कई राउंड फायरिंग की। इससे मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। बताया गया कि गांव के पूर्व प्रधान ने उन्हें फायरिंग करने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और लगातार हर्ष फायरिंग करते रहे।

खेत मे काम कर रहे किसान की आकाशीय बिजली से मौत ,दो बेटे घायल

जन एक्सप्रेस। हरपालपुर

अरवल थाना क्षेत्र के अंतर्गत खैरुद्दीनपुर राजा साहब गांव में रविवार को प्रकृति का कहर टूटा। यहाँ खेत में काम कर रहे एक किसान की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि उनके दो मासूम बेटे गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों बच्चों का अस्पताल में उपचार जारी है, जहाँ उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार,राजा खैरुद्दीपुर गांव निवासी अवधेश सिंह (45), पुत्र रामसिंह, रविवार सुबह अपने दोनों बेटों के साथ खेत पर गए थे। सुबह करीब 11 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। बारिश की आशंका को देखते हुए अवधेश सिंह अपने बेटों के साथ खेत में खुदी पड़ी आलू की फसल को पन्नी से ढंकने का प्रयास कर रहे थे ताकि फसल बर्बाद न हो। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली सीधे उन पर गिर गई। बिजली गिरने से अवधेश सिंह और उनके दो बेटे, शोभित (11 वर्ष) और अमन (8 वर्ष), बुरी तरह झुलस गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आनन-फानन में तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर पहुँचाया। जहाँ डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद अवधेश सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दोनों मासूमों की गंभीर हालत को देखते हुए उनका इलाज शुरू किया गया।

अवधेश सिंह की असामयिक मृत्यु से परिवार में मातम छा गया है। मृतक के परिवार पत्नी स्नेहलता सहित 6 पुत्र हैं।अस्पताल पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों की आँखों में आंसू थे और पूरे गांव में शोक की लहर है। सीएचसी प्रशासन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं।अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने छेड़छाड़ के आरोपी को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। शाहाबाद

कोतवाली पुलिस ने महिला से मारपीट और छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है। 14 मार्च को पीड़िता द्वारा तहरीर दी गयी कि अनुज पुत्र जिद्दी सिंह निवासी ग्राम झऊआ खुर्द थाना रोजा जनपद शाहजहांपुर व एक अन्य द्वारा उसके साथ छेडछाड़, गाली-गलौज व मारपीट की गयी। इस सम्बन्ध में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। उप निरीक्षक हरदीप कुमार और पुलिस बल द्वारा रविवार को शाम 4 बजे सम्बन्धित नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

हरपालपुर पुलिस ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जन एक्सप्रेस। हरपालपुर

हरपालपुर थाना क्षेत्र की एक किशोरी की तहरीर पर दिल्ली के थाना नागलोई में दर्ज दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपी को हरपालपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को जेल भेजकर पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

हरपालपुर पुलिस के अनुसार,थाना नागलोई नई दिल्ली में दर्ज जीरो एफआईआर अंतर्गत दुष्कर्म की धारा एवं पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी के खिलाफकार्रवाई की जा रही थी। आरोप है कि आरोपी ने थाना हरपालपुर क्षेत्र के गांव की एक पीड़िता जो नई दिल्ली के थाना नागलोई अंतर्गत रह रही है, के साथ दुष्कर्म किया था। जिससे वह गर्भवती हो गई थी, पीड़िता ने नागलोई थाना क्षेत्र अंतर्गत एक नवजात को जन्म दिया, नवजात की मृत्यु हो जाने के आधार पर सुसंगत धाराओं में जीरो एफआईआर दर्ज की गई।घटनास्थल हरपालपुर क्षेत्र का होने की वजह से जांच हरपालपुर थाने को ट्रांसफर की गई। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में थाना हरपालपुर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी,पुलिस ने आरोपी अमन सिंह को रविवार सुबह गिरफ्तार किया हैं।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लाखों की नगदी व चोरी के जेवरात के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। उरई/जालौन

जिले में पिछले कुछ समय से बढ़ रही चोरी और टप्पेबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को दबोचने में सफलता मिली है। पकड़े गए आरोपियों के पास से एक लाख से अधिक की नगदी चोरी के जेवरात बरामद किए गए। नगर में लगातार हो रही वारदातों को देखते हुए पुलिस टीमें सक्रियता से संदिग्धों की तलाश में जुटी थीं। शनिवार की देर रात पुलिस को सूचना मिली कि प्रतापपुरा रोड़ स्थित बिरिया खेरा मंदिर के पास दो संदिग्ध व्यक्ति किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी शुरू की और पुलिस ने सक्रियता व सटीक घेराबंदी के चलते दोनों शातिर अपराधी भागने में नाकाम रहे और पुलिस टीम के हत्थे चढ़ गए। पकड़े गए टप्पेबाजों की पहचान रोशन लाल उर्फ बड़े निवासी कानपुर देहात और दीपक उर्फ दीपू निवासी औरैया के रूप में हुई है। बताया गया कि रोशनलाल के खिलाफ 18 और दीपक के खिलाफ 24 मुकदमे पहले से दर्ज हैं। फिलहाल तलाशी के दौरान पुलिस ने इनके पास से एक लाख 31 हजार 4 सौ रुपए नकद व एक जोड़ी चांदी की तोड़ियां, एक अंगूठी और मोबाइल फोन बरामद किया। पूछताछ में आरोपियों ने कई बड़ी घटनाओं को स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2025 में बैंक से पैसे निकालकर आए एक व्यक्ति की बाइक की डिग्गी से एक लाख से अधिक पार किए थे। इसके अलावा नवंबर 2025 में मोहल्ला नया खंडेराव में एक घर और दुकान को निशाना बनाया था।वहीं जनवरी 2026 में भवानीराम बंबा के पास एक मकान की छत के रास्ते घुसकर एक लाख नगद और जेवरात चोरी किए थे। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध सम्बन्धित कारवाई कर चालान कर दिया।

कठेरिया समाज ने कराया कन्याओं का सामूहिक विवाह

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारी सांसद डिम्पल यादव, दिया आशीर्वाद

जन एक्सप्रेस। उरई

कठेरिया समाज का चतुर्थ सामूहिक विवाह महायज्ञ में निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान 17 निर्धन कन्याएं दाम्पत्य जीवन में बंध गईं। नगर में धूमधाम से दूल्हों की सामूहिक बारात निकली, जिसका नागरिकों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा करके स्वागत किया। रविवार को नगर के मेडिकल चौराहा सपा कार्यालय के पास सामूहिक विवाह समारोह आयोजित हुआ। नगर में दूल्हों की सामूहिक बारात निकाली गई। बारात झांसी रोड से शुरू होकर माहिल तालाब, घंटाघर, शहीद भगत सिंह, जिला अस्पताल, अम्बेडकर चौराहा, कालपी रोड, जायसवाल होती हुई सपा कार्यालय के पास कार्यक्रम स्थल में जाकर समाप्त हुई। समारोह में जनपद के अलावा गैर जनपद निवासी सत्रह निर्धन कन्याएं दाम्पत्य जीवन में बंध गईं। मंत्रोच्चारण के बीच सात फेरे लिये गये। इस मौके पर अतिथियों के अलावा परिजनों ने नवदंपती को आशीर्वाद दिया।इस मौके पर अतिथियों के अलावा परिजनों ने नवदंपती को आशीर्वाद दिया।विवाह की रस्म अदायगी पूरी होने पर विदा के समय कठेरिया समाज की ओर से सभी जोड़ों को उपहार, बर्तन, पलंग, कपड़े आदि दिये गये।बतौर मुख्य अतिथि पधारी सांसद डिम्पल यादव समेत तमाम लोगों ने आशीर्वाद देने के साथ जीवन भर एक-दूजे के साथ रहने की बात कही। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार पर महंगाई, गैस सिलेंडर की किल्लत और बेरोजगारी को लेकर निशाना साधा और कहां की शादी के मौसम में गैस सिलेंडर के लिए लोगों को लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है, जबकि सरकार कमी से इनकार कर रही है। प्रदेश में भ्रष्टाचार, जमीन कब्जे और किसानों की समस्याओं को लेकर भी सरकार को घेरा। युवाओं की बेरोजगारी और नौकरियों की कमी पर चिंता जताते हुए कहा कि बिना रोजगार के आरक्षण का लाभ कैसे मिलेगा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विधायक तेज प्रताप यादव, पूर्व प्रदेशध्यक्ष नरेश उत्तम, पूर्व विधायक दीपक यादव, मौलाना इकवाल कादरी, पुष्पेंद्र मामना, विधायक इ. ब्रजेश कठेरिया ने भी सम्बोधित किया। आये हुए अतिथियों का विधायक इ. ब्रजेश कठेरिया, प्रदेश सचिव महेंद्र सिंह कठेरिया ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर, आंनद यादव, हाजी सोहराब खान, सुरेन्द्र बजारिया, प्रदीप दीक्षित, वीरपाल दादी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, संतोष वर्मा (जीनू कोरी), आदि लोग मौजूद रहे।

विद्युतकर्मियों से अभद्रता के आरोपियो पर खलल की रिपोर्ट दर्ज

जन एक्सप्रेसध्शाहाबाद। शाहाबाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों के साथ अभद्रता करने वाले आरोपी और उसके अन्य साथी के विरुद्ध पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जाँच शुरू की है।अधिशासी अभियंता भजन लाल के अनुसार 12 मार्च कों उपकेंद्र आंझी के ग्राम झोथू पुर में विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा सरकारी कार्य किया जा रहा था। झोथपुर निवासी विवेक कुमार ने साथियों के साथ कर्मचारियों कों बलपूर्वक सरकारी कार्य करने से रोका और अभद्रता करते हुए जान से मार डालने की धमकी दी।अधिशासी अभियंता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

युवती को मारपीट कर घायल करने का आरोप

जन एक्सप्रेसध्शाहाबाद। शाहाबाद कोतवाली के अंतर्गत ग्राम तडेर में भैस चराकर वापस आ रही युवती के साथ मारपीट की घटना प्रकाश में आयी है। पीड़िता ने कोतवाली में लिखित तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। पीड़िता प्रिंसी पाल के अनुसार वह रविवार की शाम कों पांच बजे तीन भैंसों कों लेकर खेत से वापस आ रही थी। गांव निवासी रामनरेश पुत्र अज्ञात के खेत के निकट एक भैंस अचानक उनके खेत में चली गई । इसी बात पर विपक्षी ने अपने पुत्र नारेन्द्र और राजेश के साथ मिलकर लात घूसों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया।जिससे उसके मुँह में काफी चोट आई है। नारेन्द्र ने हाथ में बांका लेकर उसे जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़िता से लिखित तहरीर लेकर पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है।

पुलिस भर्ती परीक्षा का द्वितीय दिवस सकुशल संपन्न, डीएम व एसपी ने केंद्रों का किया निरीक्षण

नकल विहीन, पारदर्शी व सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न हुई परीक्षा

जन एक्सप्रेस। उरई

यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती परीक्षा का द्वितीय दिवस जनपद में शांतिपूर्ण, नकल विहीन एवं सुव्यवस्थित ढंग से सकुशल संपन्न हुआ। परीक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने प्रथम व द्वितीय पाली में विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, सर्वोदय इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, डी0ए0वी0 कॉलेज, गांधी इंटर कॉलेज, दयानंद वैदिक कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज तथा सनातन धर्म इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान परीक्षा कक्षों, प्रवेश द्वारों तथा कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं को देखा गया और सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने केंद्रों पर स्थापित कमांड कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की तथा निर्देश दिए कि परीक्षा कक्षों एवं परिसर की गतिविधियों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जिलाधिकारी ने केंद्रों पर स्थापित कमांड कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की तथा निर्देश दिए कि परीक्षा कक्षों एवं परिसर की गतिविधियों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क एवं प्रभावी रखी जाए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके। द्वितीय दिवस प्रथम पाली में 2400 के सापेक्ष 1709 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 191 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 2400 के सापेक्ष 1732 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया तथा 668 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को नकल विहीन, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ कार्य किया जाए।

ट्रेन से कटने जा रही मां की मासूम बच्ची ने बचाई जान

अलीगढ़। घरेलू कलह से परेशान एक महिला रविवार को रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर सात पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने जा रही थी। तभी उसकी सात साल की मासूम बेटी ने हिम्मत दिखाते हुए मां को पकड़ लिया और शोर मचा दिया। जीआरपी पुलिस ने महिला को सुरक्षित बचा लिया।

जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक संदीप तोमर ने बताया कि थाना गभाना किला के पास रहने वाले एक युवक की शादी करीब 14 वर्ष पहले हुई थी। दंपति के दो बेटे और एक बेटी हैं। बड़ा बेटा करीब 13 साल का है और बेटी ट्विंकल की उम्र लगभग सात साल है। युवक एक पेट्रोल पंप पर काम करता है और शराब पीकर अकसर पत्नी से मारपीट करता था। घरेलू परेशानियों से दुखी होकर महिला अपने मायके बांदा जाने के लिए अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंची थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर सात पर ट्रेन आते देख उसने आत्महत्या करने का प्रयास किया। पीछे खड़ी बेटी ट्विंकल ने तुरंत मां को पकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को समझाकर ऐसा करने से रोक लिया। स्टेशन पर बच्ची की बहादुरी और समझदारी की खूब सराहना हो रही हैं।

एनआईआईटी फाउंडेशन और महिंद्रा फाइनेंस ने आगरा में 'धन संवाद' कार्यक्रम से बढ़ाई वित्तीय जागरूकता

जन एक्सप्रेस। आगरा

भारत की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक महिंद्रा फाइनेंस ने एनआईआईटी फाउंडेशन के साथ अपने सीएसआर कार्यक्रम धन संवाद को और मज़बूत बनाने के लिए साझेदारी की है। इस पहल के ज़रिए दोनों संगठनों का लक्ष्य समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाना है। महिंद्रा फाइनेंस के मज़बूत स्थानीय नेटवर्क को एनआईआईटी फाउंडेशन के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ मिलाकर यह साझेदारी लोगों को वित्तीय प्रबंधन के बारे में सीखने, डिजिटल कौशल को बेहतर बनाने और भविष्य के लिए बेहतर वित्तीय आदतें विकसित करने में मदद करती है। धन संवाद कार्यक्रम को गिग वर्कर्स, स्वरोजगार वाले लोगों और छोटे व्यापारियों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ औपचारिक बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं का उपयोग कर सकें और बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठा सकें। यह कार्यक्रम वित्त वर्ष 2024 में शुरू हुआ था और अब तक 4,95,000 से ज़्यादा लोगों की मदद कर चुका है। यह उन्हें अपने पैसों का बेहतर प्रबंधन करने, डिजिटल सेवाओं का सुरक्षित रूप से उपयोग करने और वित्तीय आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए ज़रूरी जानकारी और साधन उपलब्ध कराता है। अब तक इस पहल ने ज़मीनी स्तर पर काफ़ी प्रगति की है और यह आठ राज्यों के 40 ज़िलों में चल रही है। एनआईआईटी फाउंडेशन ने महिंद्रा फाइनेंस के साथ मिलकर 13 मार्च 2026 को अपने सीएसआर कार्यक्रम धन संवाद के तहत सेलिब्रेटिंग वित्तीय साक्षरता माइलस्टोन एंड इंस्पायरिंग अ मूवमेंट नाम से एक खास कार्यक्रम आयोजित किया।

इंडिया स्किल्स उत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता 2025-26 आगरा में सम्पन्न: युवा कौशल की शानदार उपलब्धियों का उत्सव

जन एक्सप्रेस। आगरा

इंडियास्किल्स 2025-26 - उत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता आज आगरा के बीएसएनएल ग्राउंड में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के युवाओं की प्रतिभा, समर्पण और आकांक्षाओं का उत्सव मनाया गया। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित तथा नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में नौ उत्तरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 360 से अधिक कुशल युवाओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय और वैश्विक इंडस्ट्री स्टैंडर्ड के अनुरूप 63 विभिन्न कौशल श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। प्रतिभागियों ने उच्च स्तर की टेक्निकल एक्सपर्टीज़, क्रिएटिविटी और प्रॉब्लम-सॉल्विंग क्षमता दिखाई। समापन समारोह में 240 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को विभिन्न मेडल से सम्मानित किया गया जिनमें स्वर्ण (56), रजत (50), कांस्य (49) और मेडेलियन फॉर एक्सीलेंस (85) शामिल हैं। ये मेडल विविध स्किल डोमेन में दिए गए, जिनमें क्लाउड कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सीएनसी मशीनिंग, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट और वेब टेक्नोलॉजीज़ से लेकर हॉस्पिटैलिटी, ब्यूटी थेरेपी, फ्लोरिस्ट्री, फैशन टेक्नोलॉजी और वेल्डिंग जैसे डोमेन शामिल रहे। प्रतिभागी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हरियाणा (45) ने सबसे अधिक मेडल हासिल किए, इसके बाद उत्तर प्रदेश (44) का स्थान रहा। यह परिणाम क्षेत्रीय स्तर पर कुशल युवा प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए किए जा रहे केंद्रित प्रयासों को दर्शाता है।

भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री, श्री जयन्त चौधरी ने कहा, ÷आगरा में आयोजित इंडियास्किल्स उत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता भारत के स्किलिंग मूवमेंट की बढ़ती रफ़्तार के बारे में एक मज़बूत संदेश देती है। आगरा हमेशा से ही बहुत कल्चरल, एजुकेशनल और इकोनॉमिक महत्व की जगह रही है, और यह देखना उत्साहजनक है कि अलग-अलग राज्यों के युवा टैलेंट यहां अपनी स्किल्स दिखाने और राष्ट्रीय मानकों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

लापरवाह थाना प्रभारी हुए लाइन हाजिर, चौकी प्रभारी को किया गया निलंबित

जन एक्सप्रेस। उरई

एसपी ने कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कुठौंद थाना प्रभारी को लाइन भेज दिया, जबकि शंकरपुर चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया। सिरसा कलार थाना के ग्राम मड़ैया निवासी तेज सिंह अपनी पत्नी 34 वर्षीय रचना देवी के साथ जनपद कन्नौज के तिर्वा ससुराल शादी समारोह में जा रहे थे। बताया जा रहा कि कुठौंद थाना क्षेत्र के शंकरपुर चौकी के धराना के पास बाइक सवार बदमाश ने रचना के हाथ से बैग छीनने को झपट्टा मारा, जिससे वह सड़क पर सिर के बल गिरकर जख्मी हो गई थी। जिसे गंभीर हालत में उपचार के लिए कानपुर ले जाया गया था। जहां पर शुक्रवार को महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस मामले में थाना प्रभारी अजय पाठक व चौकी प्रभारी शंकरपुर कुलवंत सिंह ने अधिक सक्रियता नहीं दिखाई थी। जिसे कारण पीड़ित पक्ष को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा अन्य कई मामलों को देखते हुए एसपी डा. दुर्गेश कुमार ने थाना प्रभारी को लाइन हाजिर व शंकरपुर चौकी प्रभारी कुलवंत सिंह को निलंबित कर दिया है। थाने में जाने वाले फरियादियों के साथ शाम के समय थाना प्रभारी अभद्रता करते थे और उल्टा पीड़ितों पर मुकदमा दर्ज की धमकी देते थे। साथ ही डीआईओएस की शिकायत के बाद भी स्कूल संचालक पर मुकदमा दर्ज नहीं था। फिलहाल थाना कुठौंद का जालौन कोतवाली के उप निरीक्षक जगदंबा प्रसाद को चार्ज दिया गया है।

डीएम-एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सीसीटीवी कंट्रोल रूम की जांच, अधिकारियों को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण परीक्षा कराने के निर्देश

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जनपद में आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा-2026 को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीणा ने रविवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रथम और द्वितीय पाली में परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राजकीय कन्या इंटर कॉलेज महराजगंज, डॉ. बी.आर. अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय, शिवजपत सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज भिटौली तथा डीएवी नारंग इंटर कॉलेज घुघुली सहित कई केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में पहुंचकर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, कक्ष निरीक्षकों तथा ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचितापूर्ण ढंग से कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए कहीं भी किसी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए।

डीएम और एसपी ने परीक्षा केंद्रों पर स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया और निगरानी व्यवस्था को लगातार सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षार्थियों के लिए केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा अवधि के दौरान सभी केंद्रों पर सतर्कता बनाए रखते हुए शासन और आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सके।

उपस्थिति के अनुसार राजकीय कन्या इंटर कॉलेज महराजगंज में प्रथम पाली में 323 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 157 अनुपस्थित रहे। डॉ. बी.आर. अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में 334 परीक्षार्थी उपस्थित और 146 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में शिवजपत सिंह जनता इंटरमीडिएट कॉलेज भिटौली में 349 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 131 अनुपस्थित रहे। वहीं डीएवी नारंग इंटर कॉलेज घुघुली में 240 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 178 उपस्थित और 62 अनुपस्थित रहे।

जनपद के कुल 12 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में प्रथम पाली में 4560 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3189 उपस्थित और 1371 अनुपस्थित रहे, जबकि दूसरी पाली में 3174 अभ्यर्थी उपस्थित और 1386 अनुपस्थित रहे। परीक्षा को लेकर पूरे जनपद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था भी की गई थी।

दो पक्षों के बीच मारपीट व फायरिंग में दो घायल, मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस प्रतापगढ़। जिले की रानीगंज थाने की पुलिस ने दो पक्षों के बीच हुए विवाद में दस नामजद व दस अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना इलाके के जामताली मोड़ कस्बा रानीगंज में रात आठ बजे पर गम्भीरपुर गांव स्थित मस्जिद के समीप दो पक्षों के मध्य आपस में किसी बात को लेकर एक दूसरे से कहासुनी हुई जिसके बाद फायरिंग की गई। सूचना पर एसआई विकास यादव पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। हालांकि तब तक दोनों पक्ष मौके से फरार हो चुके थे। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर जानकारी हुई कि अजमत अली उर्फ शोएब व अमरेश उर्फ टिंकू के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस के अनुसार फायरिंग में अजमत और रंजीत घायल हुए हैं। दोनों को उनके साथी इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गये। सरेआम इलाके में मारपीट व फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में एसआई विकास यादव की तहरीर पर दोनों पक्षों से दस नामजद व दस अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

सीमा पर तस्करी की कोशिश नाकाम: ठूठीबारी में विदेशी मक्का बरामद

जन एक्सप्रेस । ठूठीबारी/महराजगंज

भारत नेपाल अंतराष्ट्रीय बार्डर ठूठीबारी में तैनात 22वी वाहिनी एसएसबी जवानों की स्पेशल टीम ने अवैध तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने रविवार को तड़के सुबह ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के तुर्कहिया गांव के समीप से 37 बोरी विदेशी मक्का और तस्करी प्रयुक्त एक बाइक व साइकिल को बरामद किया है। वही सक्रिय तस्करों के कैरियरों ने अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार तड़के सुबह ठूठीबारी एसएसबी टीम को सूचना मिली कि सीमा स्तंभ संख्या 505 के आसपास से नेपाल की ओर से अवैध सामान तुर्कहिया गांव की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा विशेष नाका टीम गठित कर मौके पर भेजा गया।

करीब 2¬45 बजे जब नाका टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि एक मोटरसाइकिल और कई साइकिलों से कुछ लोग बोरी में सामान लेकर आ रहे थे। टीम द्वारा उन्हें रुकने का इशारा किया गया, लेकिन संदिग्ध लोग मोटरसाइकिल और साइकिल मोड़कर भागने लगे। जवानों ने उनका पीछा करने का प्रयास किया, परंतु अंधेरा होने के कारण तस्कर सामान सहित मोटरसाइकिल और साइकिल छोड़कर फरार हो गए। टीम ने मौके से एक मोटरसाइकिल, 10 साइकिल तथा 37 बोरी विदेशी मक्का (प्रत्येक बोरी लगभग 50 किलोग्राम, कुल लगभग 1850 किलोग्राम) बरामद कर कब्जे में ले लिया।

जन एक्सप्रेस को एसएसबी सहायक कमांडेंट प्रिया यादव ने बताया कि बार्डर पर 37 बोरी अवैध मक्का, एक बाइक और 10 साइकिल को बरामद किया गया, कागजी प्रक्रिया पूरी कर कस्टम विभाग के हवाले सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बार्डर क्षेत्र में अवैध तस्करी और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

पीआरवी पुलिस टीम पर हमला एवं वाहन क्षतिग्रस्त करने का आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की बाघराय थाने की पुलिस ने पीआरवी पुलिस टीम पर हमला व सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि थाना इलाके के देवरी हरदो पट्टी गांव निवासी कृष्ण कुमार ने डायल- 112 पर मारपीट की सूचना दिया। जिसके बाद मौके पर पहुँची पीआरवी पुलिस टीम पर विपक्षियों से मिला होने का आरोप लगाते हुए कृष्ण कुमार, अरुण कुमार व उसके परिजनों द्वारा पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज करते हुए उनसे भिड़ गये। यही नहीं आरोप है कि पुलिसकर्मियों पर ईंट पत्थर से हमला भी कर दिया। हालांकि पुलिसकर्मियों ने किसी तरह खुद को तो सुरक्षित कर लिया लेकिन पीआरवी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। उधर बवाल की खबर मिलते ही एसओ श्रवण कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो ईंट पत्थर फेंकने वाले लोग भाग निकले। जिसके बाद पुलिस ने पीआरवी पे तैनात कांस्टेबल सत्यदेव मौर्य की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया। एसपी दीपक भूकर अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एएसपी पश्चिमी बृजनन्दन राय व सीओ सदर करिश्मा गुप्ता के कुशल पर्वेक्षण में बाघराय पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी अरूण कुमार पुत्र सूर्य लाल गौतम को थाना इलाके के गंगा एक्सप्रेस वे के नीचे से गिरफ्तार किया गया है।

समाज सेवा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का संदेश दे रहे हैं- आचार्य राधेश शास्त्री

जन एक्सप्रेस प्रतापगढ़। गोसाईगंज क्षेत्र में समाज सेवा और धर्म प्रचार का एक सराहनीय कार्य किया जा रहा है। आचार्य राधेश शास्त्री समाज सेवा के साथ-साथ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन भी करते हैं। उनका उद्देश्य केवल धार्मिक कार्यक्रम करना ही नहीं बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना भी है। आचार्य राधेश शास्त्री का कहना है कि यदि किसी गरीब परिवार की इच्छा श्रीमद्भागवत कथा करवाने की होती है और वह आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होता, तो वे उनके यहां निशुल्क भागवत कथा का आयोजन करते हैं। इसके साथ ही वे यथासंभव आर्थिक सहयोग भी प्रदान करते हैं ताकि गरीब परिवार भी धार्मिक आयोजन का लाभ उठा सके। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि राधेश शास्त्री का यह प्रयास समाज में सेवा और धर्म दोनों का संदेश दे रहा है। जरूरतमंद लोगों की सहायता के साथ-साथ धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से वे लोगों को आध्यात्मिकता और सदाचार की ओर प्रेरित कर रहे हैं।

गैस कालाबाजारी रोकने को कंट्रोल रूम स्थापित

डीएम संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर छापेमारी दल गठित, शिकायत के लिए जारी हुआ हेल्पलाइन नंबर

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जनपद में घरेलू एलपीजी गैस की सुचारु आपूर्ति बनाए रखने तथा कालाबाजारी और अवैध भंडारण पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर 8423675896 जारी किया गया है, जिस पर आमजन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) नवनीत गोयल को बनाया गया है। वहीं उपजिलाधिकारी विजय यादव प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से अपराह्न 2 बजे तक कंट्रोल रूम का पर्यवेक्षण करेंगे।

जिलाधिकारी ने चारों तहसीलों के उपजिलाधिकारियों और क्षेत्राधिकारियों को भ्रमणशील रहकर एलपीजी गैस की कालाबाजारी व अवैध भंडारण पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी एजेंसी या व्यक्ति के अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। गैस एजेंसियों पर सामान्य वितरण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को नियमानुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके। इसके लिए चारों तहसीलों में प्रवर्तन दलों का गठन कर औचक छापेमारी, स्टॉक रजिस्टर और वितरण की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व, खाद्य एवं रसद विभाग तथा तेल कंपनियों के नोडल अधिकारियों के साथ स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी संयुक्त रूप से निगरानी करेंगे।

जिलाधिकारी ने सोशल मीडिया और विभिन्न चैनलों पर प्रसारित संदेशों व वीडियो पर भी कड़ी नजर रखने तथा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही गैस सिलेंडर ढोने वाले वाहनों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा फिलहाल घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी आपूर्ति में प्राथमिकता दी जा रही है और पारदर्शिता के लिए ओटीपी के माध्यम से रीफिल डिलीवरी की व्यवस्था लागू है। उपभोक्ता ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं और गैस की आपूर्ति होम डिलीवरी के माध्यम से की जाएगी। जिलाधिकारी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से एलपीजी का भंडारण न करें और गैस एजेंसियों पर भीड़ न लगाएं। उन्होंने यह भी बताया कि जनपद में पेट्रोल और डीजल की भी पर्याप्त उपलब्धता है।

आंकड़ों के अनुसार 13 मार्च 2026 को जनपद में घरेलू गैस सिलेंडर की 9663 बुकिंग दर्ज हुई, जबकि एक दिन पहले यह संख्या 11163 थी। 13 मार्च 2026 को घरेलू गैस सिलेंडरों का स्टॉक 15343 था, जिसमें से 9761 सिलेंडरों का वितरण हुआ। 14 मार्च 2026 को प्रारंभिक स्टॉक 5582 सिलेंडर उपलब्ध है और वितरण सुचारु रूप से जारी है। जनपद में इंडियन ऑयल की 18, भारत पेट्रोलियम की 9 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 20 गैस एजेंसियों के माध्यम से एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है।

सीमावर्ती क्षेत्र में एसी बस सेवा शुरू करने की मांग तेज

ठूठीबारी से गोरखपुर, लखीमपुर व नई दिल्ली तक एसी बसें चलाने के लिए क्षेत्रीय विधायक ने परिवहन निगम को भेजा पत्र

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जनपद के भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे ठूठीबारी और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन सुविधा बेहतर बनाने के लिए एसी बस सेवा शुरू करने की मांग तेज हो गई है। पंचायती राज समिति के सभापति एवं सिसवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रेम सागर पटेल ने इस संबंध में परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजकर विभिन्न मार्गों पर एसी बस सेवा शुरू करने की मांग की है।

भेजे गए पत्र में विधायक ने कहा है कि सिसवा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कई ऐसे मार्ग हैं जहां एसी बस सेवा शुरू करना जनहित में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रस्तावित मार्गों में ठूठीबारी से निचलौल-महराजगंज-गोरखपुर होते हुए लखीमपुर तथा नई दिल्ली तक बस सेवा शुरू करने का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त ठूठीबारी से सिसवा-हेवती-चिउटहा-पुरैना-शिकारपुर होते हुए गोरखपुर, सिसवा से घुघली-शिकारपुर होते हुए गोरखपुर तथा निचलौल-चिउटहा-सिंदुरिया-शिकारपुर मार्ग से गोरखपुर तक एसी बस सेवा शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

विधायक ने पत्र में उल्लेख किया है कि इन मार्गों की सड़कें लगभग सात मीटर चौड़ी बन चुकी हैं, जिससे एसी बसों का संचालन आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में रेल सुविधा नहीं होने के कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र होने के कारण यहां बेहतर परिवहन व्यवस्था की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है। विधायक ने परिवहन निगम से जनहित को ध्यान में रखते हुए इन मार्गों पर शीघ्र एसी बस सेवा शुरू करने की मांग की है।

वही विधायक प्रेम सागर पटेल के इस सार्थक पहल को लेकर साधन सहकारी समिति के अध्यक्ष जय शंकर सिंह उर्फ इंटू सिंह, नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय जयसवाल, भवन प्रसाद गुप्ता, नंद प्रसाद चौधरी का कहना है कि गोरखपुर, लखीमपुर और नई दिल्ली जैसे बड़े शहरों तक सीधी एसी बस सेवा की शुरुवात होगी तो व्यापारियों, छात्रों और मरीजों को आने-जाने में आसानी होगी और यात्रा अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक बन सकेगी।

होम डिलीवरी की गाड़ी देख टूट पड़े उपभोक्ता

देवरिया। स्थानीय क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत के बीच शुक्रवार को एक अजीब स्थिति तब बन गई जब होम डिलीवरी के लिए जा रही गैस सिलिंडर की गाड़ी को देखकर उपभोक्ता सिलिंडर लेने के लिए दौड़ पड़े। मामला डुमरी चौराहे के पास का है, जहां काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बताया जाता है कि विजयश्री इंडियन गैस एजेंसी की गाड़ी शुक्रवार की सुबह होम डिलीवरी के लिए निकली थी। गाड़ी जैसे ही रामपुर कारखाना थाने के पास पहुंची, वहां मौजूद करीब दो दर्जन से अधिक उपभोक्ता गैस लेने के लिए गाड़ी की ओर दौड़ पड़े। अचानक भीड़ बढ़ता देख चालक गाड़ी को लेकर एजेंसी की ओर बढ़ने लगा, लेकिन रास्ते में डुमरी चौराहे पर उपभोक्ताओं ने गाड़ी को रोक लिया।

राजकीय महाविद्यालय मंगरौरा में धूमधाम से सम्पन्न हुआ वार्षिकोत्सव

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के मंगरौरा विकासखंड अंतर्गत स्थित राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा अलंकरण समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. राजेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्येन्द्र सिंह पूर्व प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हमीरपुर रहे। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को कठिन मार्ग से न घबराने, मेहनत करने एवं लगन से अध्ययन करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने एवं मोबाइल तथा सोशल मीडिया से दूर रहने का मंत्र दिया तथा भविष्य के लिए शुभकामना प्रदान की। विशिष्ट अतिथि ने विद्यार्थियों को सही दिशा में कर्म करने और असफलता एवं संघर्ष से निराश न होने की बात कही। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा विभागीय परिषद प्रतियोगिताओं एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया गया। प्राचार्य डॉ. अजय सिंह यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए किताबों से दोस्ती बढ़ाने के लिए कहा। डॉक्टर विनोद यादव ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन राहुल कुमार सिंह ने किया तथा कार्यक्रम में महाविद्यालय का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

मिशन शक्ति अभियान के तहत किया गया जागरूक

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में शनिवार को हथिगवां थाने की मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना इलाके में भ्रमणशील रहकर महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक किया गया। इस दौरान टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महिला सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। जिनमें प्रमुख रूप से वूमेन पावर लाइन, महिला हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पुलिस हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन, स्वास्थ्य सेवा तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को नए आपराधिक कानूनों के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें अपने साथ होने वाली किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई।

रसोई गैस की बढ़ी मांग चरमराई वितरण व्यवस्था

कुशीनगर। रसोई गैस की अचानक मांग बढ़ जाने से गोदामों पर लंबी लंबी लाइन लग रही है। क्षमता 450 की और मांग 16 सौ से ज्यादा होने से एजेंसियों की व्यवस्था चरमरा गई है। सामान्य दिनों में औसतन प्रतिदिन 190 सिलिंडर की मांग रहती थी परंतु वर्तमान में कई गुना बढ़ गई है। पुलिस के पहरे में वितरण कराना पड़ रहा है। खडडा क्षेत्र के सोहरौना में संचालित एचपी गैस एजेंसी पर शनिवार की सुबह से ही लंबी लाइन लगी थी। एजेंसी के संचालक स?नू जायसवाल ने बताया कि गोदाम में मौजूद 450 सिलिंडर बांटे गए। लगभग 16 सौ बुकिंग लंबित है। ट्रक आने में विलंब हो रहा है। क्षेत्र के जनार्दन, मनोज, किशुना, नरायन गुप्ता, रवींद्र मिश्रा आदि बताते हैं कि गैस की किल्लत से गृहणियां अब लकड़ी के चूल्हे की ओर लौट रही हैं। मिट्टी तेल पहले ही बंद किया चुका है। अगर रहता तो स्टोव पर भोजन बनाने में सहूलियत होती।

आरपीएस खीचेगा प्रतापगढ़ के विकास की रूपरेखा - डीएम

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में रविवार को विकास भवन सभागार में डीएम शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में राइजिंग सोसाइटी (आरपीएस) की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य, विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य सहित समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आरपीएस के अध्यक्ष (डीएम) शिव सहाय अवस्थी ने बताया कि जिले में रोजगार से लेकर व्यवसाय की बहुत ज्याद सम्भावनाएं हैं। रेलवे लाइन, गंगा एक्सप्रेसवे से लेकर कई महत्वपूर्ण हाइवे इस जिले से होकर गुजरते है। आंवला, आम और कृषि उत्पादों में लोग जुड़े हुये है इसके बावजूद अभी तक जिले का समुचित विकास नही हो पाया है। विकसित प्रतापगढ़ की संकल्पना को पूरा करने के लिये आरपीएस का गठन किया गया है। आरपीएस के बैनर तले चार अलग अलग क्षेत्रों में प्रारम्भिक कार्य शुरू हो गया है। प्रतापगढ़ में भारी निवेश लाने के लिये मई माह में दो दिवसीय कान्क्लेव प्रस्तावित है। जनपद में पांच औद्योगिक एरिया और स्टेट है जो हमें अन्य जनपदों की तुलना में हमें उनसे आगे खड़ा करते है। इससे पहले बैठक में आरपीएस के संरक्षक राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य ने बैठक में उद्घोषणा करते हुए कहा कि वह अपनी निधि से जनपद में पहला सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण करवायेगें, इसके साथ ही उन्होने बैठक में बताया कि मई माह में होने वाले कॉन्क्लेव के लिये केन्द्र और प्रदेश सरकार के जनप्रतिनिधि और उच्च अधिकारी को भी आमंत्रित किया जायेगा। राज्यसभा सदस्य ने समिति के पदाधिकारियों को विश्वास दिलाया कि प्रतापगढ़ के समुचित विकास के लिये कोई भी कोर कसर नही छोड़ी जायेगी। बैठक में एसडीएम सदर नैन्सी सिंह, डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह, आरपीएस के कोषाधिकारी राहुल खण्डलेवाल, एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स हेड साहिदा खान, एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स सचिव बृजभानु सिंह, संयुक्त सचिव अनुभा पाण्डेय, प्रोजेक्टे कोर्डिनेटर उत्कृष्ट पाण्डेय व आदित्य शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अप्रमाणित रिपोर्ट देने वाले ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर पर सीएमओ की चुप्पी क्यों! कार्रवाई कब?

- ओझा डायग्नोस्टिक करता है मरीजों की जांच, सीएमओ साहब अब आप करिये इनकी जांच

जन एक्सप्रेस। बस्ती

मरीजों की बीमारी का पता लगाने के लिए जांच कर रिपोर्ट देने वाला ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर अब खुद ही सवालों के घेरे में है। सेंटर से जारी कई ऐसी जांच रिपोर्ट सामने आई हैं जिन पर डॉक्टर या अधिकृत विशेषज्ञ के हस्ताक्षर नहीं हैं। बिना सिग्नेचर की रिपोर्ट सामने आने के बाद जांच की विश्वसनीयता और सेंटर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। नियमों के अनुसार किसी भी पैथोलॉजी या डायग्नोस्टिक सेंटर की रिपोर्ट पर संबंधित डॉक्टर के हस्ताक्षर होना अनिवार्य माना जाता है, ताकि रिपोर्ट की जिम्मेदारी तय हो सके। लेकिन जब बिना हस्ताक्षर की रिपोर्ट मरीजों को दी जा रही हैं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसी रिपोर्ट किस आधार पर जारी की जा रही हैं। मरीज अपनी बीमारी की सही जानकारी के लिए जांच कराते हैं और डॉक्टर इलाज का निर्णय भी इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर लेते हैं। ऐसे में रिपोर्ट की

बस्ती जिले का ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर दे रहा है अप्रमाणित रिपोर्ट?

प्रमाणिकता पर सवाल उठना सीधे मरीजों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। अब जिले में यह चर्चा तेज हो गई है कि जब मरीजों की जांच करने वाला सेंटर ही सवालों में है तो क्या स्वास्थ्य विभाग इसकी भी जांच कराएगा। निगाहें मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) पर टिकी हैं कि वह इस पूरे मामले का संज्ञान लेकर ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर की कार्यप्रणाली की जांच कराते हैं या फिर मामला यूं ही चलता रहेगा।

लाइसेंस और मानकों की भी होनी चाहिए जांच

डायग्नोस्टिक सेंटर संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा तय कई मानकों और लाइसेंस की आवश्यकता होती है। मशीनों की गुणवत्ता, योग्य स्टाफ की उपलब्धता और रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया भी तय नियमों के अनुसार होनी चाहिए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या संबंधित सेंटर इन सभी मानकों का पालन कर रहा है या नहीं, इसकी जांच भी जरूरी मानी जा रही है।

सीएमओ साहब! केवल रिपोर्ट ही नहीं मानक और सुविधाओं की भी जांच जरूरी

जिले में संचालित डायग्नोस्टिक सेंटरों के संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई मानक और व्यवस्थाएं तय की गई हैं। इनमें सेंटर की बिल्डिंग, साफ-सफाई, प्रशिक्षित स्टाफ, प्रमाणित मशीनें और मरीजों के लिए जरूरी सुविधाएं शामिल हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब किसी सेंटर की जांच रिपोर्ट को लेकर चर्चा हो रही है तो उसके मानकों और व्यवस्थाओं की भी जांच होनी चाहिए। लोगों का कहना है कि मुख्य चिकित्साधिकारी को चाहिए कि केवल रिपोर्ट ही नहीं बल्कि सेंटर की बिल्डिंग, उपकरणों और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की भी जांच कराएं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि संबंधित डायग्नोस्टिक सेंटर स्वास्थ्य विभाग के तय नियमों के अनुसार संचालित हो रहा है या नहीं। यदि जांच होती है तो इससे व्यवस्था की पारदर्शिता भी सामने आएगी और मरीजों का भरोसा भी बना रहेगा।

अप्रमाणित रिपोर्ट देने वाले सेंटरों से रहें सावधान!

जन एक्सप्रेस पाठकों और मरीजों से अपील करता है कि जांच कराने से पहले सेंटर की प्रमाणिकता जरूर परख लें। यह सुनिश्चित करें कि जांच रिपोर्ट पर अधिकृत डॉक्टर या विशेषज्ञ के हस्ताक्षर हों और सेंटर नियमों के अनुसार संचालित हो रहा हो। अप्रमाणित या बिना हस्ताक्षर की रिपोर्ट आपके इलाज को प्रभावित कर सकती है। इसलिए जल्दबाजी में कहीं भी जांच कराने से बचें और सोच-समझकर भरोसेमंद सेंटर का ही चयन करें, ताकि आपकी सेहत पर कोई गलत असर न पड़े। इस संबंध में जन एक्सप्रेस ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) बस्ती से उनके मोबाइल नंबर 8005192643 पर तीन बार संपर्क करने का प्रयास किया। हालांकि तीनों बार कॉल करने के बावजूद उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। साथ ही उनकी ओर से न तो कोई कॉल बैक किया गया और न ही इस मामले में कोई प्रतिक्रिया दी गई। जन एक्सप्रेस जनहित में लापरवाही और अप्रमाणित रिपोर्ट देने वाले ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर से जुड़े अन्य पहलुओं का खुलासा अगले अंक में करेगा।

स्वास्थ्य विभाग से जवाब की उम्मीद

मामला सामने आने के बाद अब लोगों की निगाहें स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं। चर्चा है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाती है तो स्थिति साफ हो सकती है। फिलहाल यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मुख्य चिकित्साधिकारी इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हैं या नहीं और ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर की कार्यप्रणाली की जांच कब तक कराई जाती है।

सीएमओ साहब कब होगी कार्रवाई?

ओझा डायग्नोस्टिक सेंटर से बिना सिग्नेचर की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद अब सवाल सीधे स्वास्थ्य विभाग पर उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि नियमों के विपरीत रिपोर्ट जारी हो रही हैं तो इस पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। अब सबकी निगाहें मुख्य चिकित्साधिकारी पर टिकी हैं कि आखिर इस पूरे मामले में कार्रवाई कब की जाएगी।

समाजवादियों ने पीडीए दिवस के रूप में जयन्ती पर कांशीराम को किया नमन

जन एक्सप्रेस। बस्ती

रविवार को बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को उनके 92 वीं जयंती पर समाजवादी पार्टी द्वारा याद किया गया। आफिसर्स क्लब के सभागार में सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बहुजन समाज पीडीए दिवस के रूप में कांशीराम जी को याद करते हुये उनके चित्र पर माल्यार्पण के साथ ही योगदान पर चर्चा किया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि 15 मार्च 1934 को पंजाब के रूपनगर जिले में पैदा हुये कांशीराम ने राजनीति की ऐसी रेखा खींची, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। उन्होंने खुलकर जाति की बात की, दलितों और पिछड़ों को साथ में एक मंच पर लाने का नया समीकरण ही नहीं बनाया बल्कि इसको यथार्थ में बदल दिया। उन्होने दलित समाज को प्रतिष्ठित करने के लिये जिस प्रकार से श्रम किया उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। समाजवादी पार्टी पीडीए के द्वारा उनके संकल्पों को पूरा करने की दिशा में निरन्तर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्ग दर्शन में आगे बढ रही है।
पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक महेन्द्रनाथ यादव, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' ने कहा कि कांशीराम ने देश में सामाजिक समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने पिछड़े, दलित और शोषित वर्गों को राजनीतिक रूप से जागरूक करने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचार आज भी सामाजिक न्याय की राजनीति के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। कांशीराम को उनके 92 वीं जयंती पर याद करते हुये अंकुर गौतम, राजेश गौतम, पंकज निषाद, अनिल निषाद, हरीश गौतम, संजय गौतम, रजनीश यादव, आर.डी. निषाद, हरेश्याम विश्वकर्मा, राजेन्द्र चौरसिया, सीताराम चौरसिया, आर.डी. गोस्वामी, राजकपूर यादव, राजाराम यादव, जमील अहमद, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, प्रवीण पाठक, दयाशंकर मिश्र, बुद्धिसागर, गीता भारती, मंशाराम कन्नौजिया, श्रीपति सिंह, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, चन्द्र प्रकाश चौधरी, धीरसेन निषाद, किताबुल्लाह, अरविन्द सोनकर, आदि ने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा से सामाजिक न्याय और समानता की पक्षधर रही है। समाजवादी आंदोलन के प्रमुख नेता और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम को इटावा से सांसद बनने का अवसर प्रदान किया था, जिसे उस समय सामाजिक न्याय की राजनीति में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया था।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने भेजी 'शिक्षक की पाती'

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के तत्वावधान में सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता के विरोध में घोषित चरणबद्ध आंदोलन के तहत रविवार को जौनपुर इकाई के सभी 23 घटक संगठनों के अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में महामहिम राष्ट्रपति, माननीय मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 'शिक्षक की पाती' पोस्टकार्ड के माध्यम से कलेक्ट्रेट स्थित डाकघर से भेजी गई। इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि सेवारत शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता थोपना न्यायसंगत नहीं है। महासंघ के पदाधिकारियों ने सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए आंदोलन को आगे भी जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में अटेवा मंडलिक मंत्री संदीप चौधरी, अटेवा जिला मंत्री इंदु प्रकाश यादव, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजय सिंह, जिला मंत्री सत्य प्रकाश मिश्र, पीएसपीएसए प्रदेश संगठन मंत्री विकास सिंह, यूटा प्रांतीय महामंत्री एवं जिलाध्यक्ष डॉ. हेमंत सिंह, यूटा जिला महामंत्री राजकुमार मिश्र, जिला उपाध्यक्ष डॉ. विनोद गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र सिंह, जिला संगठन मंत्री अनुज सिंह, टीएससीटी जिला संयोजक अरविंद यादव, अटेवा जिलाध्यक्ष चंदन सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, जिला मंत्री मनीष सिंह सोमवंशी सहित विभिन्न घटक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन जिलाधिकारी का औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 परीक्षा के दूसरे दिन जिलाधिकारी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रविवार को जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र राममनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय मुफ्तीगंज तथा मुक्तेश्वर बालिका इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी, सीसीटीवी निगरानी तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही यातायात व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा के सफल और निष्पक्ष संचालन के लिए जनपद में सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण तथा नकलविहीन वातावरण में परीक्षा संपन्न कराई जा रही है।

नवरात्रि से पहले चौकियां धाम सजा, आंध्र प्रदेश से मंगाए गए हजारों नारियल

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होने जा रही है। इसे लेकर पूर्वांचल की आस्था का प्रमुख केंद्र शीतला चौकियां धाम में तैयारियां तेज हो गई हैं। नवरात्रि के मद्देनजर मंदिर परिसर और आसपास के बाजारों में अभी से चहल-पहल बढ़ने लगी है। धाम परिसर में नारियल, चुनरी, माला, फूल व सौंदर्य सामग्री की दुकानें सजने लगी हैं। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए दुकानदारों ने पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी हैं। कई दुकानदारों ने नारियल और चुनरी का पर्याप्त स्टॉक मंगा लिया है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। चौकियां धाम के अधिकतर दुकानदारों ने इस बार खास तौर पर आंध्र प्रदेश से बड़ी मात्रा में नारियल मंगवाए हैं। दुकानदारों का अनुमान है कि नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान केवल नारियल की बिक्री ही लाखों रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं माता के श्रृंगार के लिए चुनरी की भी विभिन्न प्रकार की रेंज बाजार में उपलब्ध है। चुनरी की कीमत 20 रुपये से शुरू होकर 40, 50, 100, 200, 500 और 1000 रुपये तक रखी गई है, जिससे श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार खरीदारी कर सकें। माता को चढ़ाने के लिए फूलों की मालाओं की भी नवरात्रि में विशेष मांग रहती है। इसे देखते हुए माला विक्रेताओं ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। धाम के दुकानदार बृजेश माली, प्रियांशु माली और संदीप माली सहित कई दुकानदार माला, नारियल और चुनरी की बिक्री के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चौकियां धाम मंदिर के महंत विवेकानंद महाराज ने बताया कि नवरात्रि के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं तेजी से कराई जा रही हैं, ताकि श्रद्धालु सुगमता से माता के दर्शन कर सकें।

ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा के विद्युत उपकेंद्र मडियाहूं निरीक्षण के बाद जेई निलंबित, उपखंड अधिकारी को भी कारण बताओ नोटिस जारी

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

- जनसेवा में लापरवाही बर्दाश नहीं: ऊर्जा मंत्री
- अनुपस्थित रहने और अनियमितता पर सख्त कदम

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0 के0 शर्मा के कड़े रुख के बाद जौनपुर जनपद के मडियाहूं विद्युत उपकेंद्र में बड़ी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान अवर अभियंता (जेई) के अनुपस्थित रहने और कार्यालय में अनियमितताएं पाए जाने पर अधीक्षण अभियंता अनिल पाठक ने अवर अभियंता शहजाद अली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित उपखंड अधिकारी सौरभ तिवारी को भी चार्जशीट जारी की गई है। ऊर्जा मंत्री द्वारा स्पष्ट किया गया कि विद्युत व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने पाया कि कई अभिलेख और लॉगशीट सही तरीके से भरे नहीं गए थे तथा जिम्मेदार अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं थे। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री ए के शर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत विभाग जनसेवा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही से जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी अधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित रूप से निरीक्षण करते रहें।

सीएसजेएमयू में 'हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर। हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज एवं रामसहाय राजकीय महाविद्यालय, बैरी (शिवराजपुर) के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (हाइब्रिड मोड) का शुभारंभ 14 मार्च को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में हुआ। संगोष्ठी का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से किया गया।उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति विनय कुमार पाठक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शशि कपूर (संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग) और दिलीप सरदेसाई (पूर्व प्राचार्य एवं संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अनेक विद्वान, शिक्षाविद, शोधार्थी और छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर सम्मान किया गया। स्वागत वक्तव्य में महाविद्यालय की प्राचार्य अपर्णा सिंह ने संगोष्ठी के उद्देश्य और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि विनय कुमार पाठक ने कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सत्य और निष्पक्ष जानकारी समाज तक पहुँचाना है। उन्होंने मीडिया के बदलते स्वरूप, तकनीकी हस्तक्षेप, बाजारवाद और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) के बढ़ते प्रभाव को पत्रकारिता के लिए चुनौती बताया और कहा कि तकनीक के साथ मानवीय संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। विशिष्ट अतिथियों दिलीप सरदेसाई और शशि कपूर ने भी विद्यार्थियों को जिम्मेदार और मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के लिए प्रेरित किया। सरस्वत वक्ता के रूप में पद्मश्री विजय दत्त, निदेशक, माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल ने हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने उदन्त मार्तण्ड से लेकर आधुनिक डिजिटल पत्रकारिता तक के विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के दौर में भी पत्रकारिता अत्यंत प्रभावशाली थी। वहीं द्वितीय सरस्वत वक्ता अनुप कुमार शुक्ल, महासचिव, कानपुर इतिहास समिति ने हिंदी पत्रकारिता के इतिहास पर विस्तृत चर्चा करते हुए जुगलकिशोर शुक्ल तथा उदन्त मार्तण्ड के महत्व को रेखांकित किया और गणेश शंकर विद्यार्थी द्वारा संपादित प्रताप समाचार पत्र के योगदान को स्मरण किया।उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित तकनीकी सत्र में समकालीन पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर गंभीर चर्चा हुई। प्रमुख वक्ता वरिष्ठ पत्रकार फिरोज नकवी (नई दिल्ली/अलीगढ़) ने कहा कि पत्रकारिता का मूल स्वरूप सत्य की खोज और जनपक्षधरता रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि भगत सिंह द्वारा 1924 में दिल्ली दंगों की की गई रिपोर्टिंग जनचेतना को जागृत करने का प्रयास थी, जबकि आज कई बार पत्रकारिता सनसनी और टीआरपी तक सीमित होती दिखाई देती है।तकनीकी सत्र में शोधार्थियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए और संवाद के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता के अतीत, वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों–विशेषकर डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता–पर विचार-विमर्श किया। समापन सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अरविंद कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश काल में निर्भीक पत्रकारिता के कारण प्रताप जैसे समाचार पत्रों पर कई रियासतों में प्रतिबंध लगाए गए थे। उन्होंने सरोजिनी नायडू और विजयलक्ष्मी पंडित के योगदान का भी उल्लेख किया।कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की संयोजिका सुमन शुक्ला ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन आलोक पांडे ने दिया। इस प्रकार संगोष्ठी का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गंगा बैराज पर स्थापित हुई मॉ गंगा की दिव्य मूर्ति

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

गंगा बैराज पर मॉ गंगा की दिव्य मूर्ति की स्थापना सिंचाई विभाग द्वारा कराई गई। वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान से मॉ गंगा की मूर्ति स्थापना सनातन मंदिर चेतना सोसायटी के सदस्यों ने कानपुर के मंदिर स्थापना के विशिष्ट आचार्य पंडित विमल शास्त्री जी के माध्यम से कराया। पंडित विमल शास्त्री जी ने मॉ गंगा की उत्पत्ति एवं पृथ्वी पर आने की कथा सुनाई और गंगाष्टकम तथा आरती से उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। सनातन मंदिर चेतना सोसायटी के सचिव अजय कुमार मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि मॉ गंगा की मूर्ति गंगा बैराज पर स्थापित होने एवं पूजन अर्चन होने से अद्भुत सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाहित होगी जो कानपुर के निवासियों एवं सिंचाई विभाग के लिए बहुत ही शुभ एवं मंगलकारी होगा।
मूर्ति स्थापना के इस शुभ अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सनातन मंदिर चेतना सोसायटी के सदस्य अजय कुमार मिश्र, राजीव अग्निहोत्री, रमेश चंद्र दिक्षित, हरिओम, आदर्श, प्रमोद शुक्ला, विनीत मिश्र, प्रखर, रमेश चंद्र पांडेय, आदि उपस्थित रहे।

फोन पर गाली-गलौज के बाद गांव पहुंचकर दंपति से मारपीट का आरोप, पीड़िता ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर। बिल्हौर क्षेत्र के मकरंद निवादा गांव में फोन पर विवाद के बाद गांव पहुंचकर दंपति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मकरंद निवाडा निवासी अंजना पत्नी प्रदीप राजपूत ने थाना बिल्हौर पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 6 मार्च को उनके मोबाइल फोन पर गांव के ही अनिल पुत्र प्यारे लाल का फोन आया। आरोप है कि फोन पर उसने उनके पति प्रदीप से रुपयों के लेनदेन को लेकर गाली-गलौज की और धमकी दी कि वह मौके पर आकर मारपीट करेगा।पीड़िता के अनुसार करीब आधे घंटे बाद अनिल अपने साथियों पुनेश पुत्र प्यारे लाल और विनवेश पुत्र प्यारे लाल के साथ गांव पहुंच गया और घर के बाहर उनके पति के साथ मारपीट करने लगा। बीच-बचाव करने पहुंची अंजना के साथ भी धक्का-मुक्की की गई, जिससे उनके सिर में चोट आ गई।अंजना का कहना है कि उस समय गांव के कुछ लोगों के हस्तक्षेप के कारण मामला शांत हो गया

बिल्हौर में सेवा भारती की वार्षिक कार्य योजना बैठक, सिंघोली में निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर। बिल्हौर जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग एवं सेवा भारती की वार्षिक कार्य योजना को लेकर रविवार को संघ कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवा कार्यों के विस्तार, सामाजिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा कर रूपरेखा तैयार की गई।
बैठक में गजेंद्र जी (प्रांत संगठन मंत्री, सेवा भारती) तथा विशंभर दयाल (विभाग सेवा प्रमुख) ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सेवा कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और शिक्षा, स्वास्थ्य व आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।बैठक के उपरांत बिल्हौर खंड के ग्राम सिंघोली में कुमारी राधा शर्मा द्वारा संचालित 'अवंती बाई निशुल्क स्वावलंबन सिलाई प्रशिक्षण केंद्र' का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और युवतियों को सिलाई प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा।
कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता तथा समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के विषय में भी जानकारी दी गई और उन्हें जागरूक किया गया।
इस अवसर पर सह जिला संघ चालक अवधेश जी, जिला प्रचारक धीरेंद्र जी, जिला सेवा प्रमुख डॉ. अजय जी, सह जिला सेवा प्रमुख संदीप जी, सह जिला सेवा प्रमुख सुधीर जी, जिला प्रचार प्रमुख जयप्रकाश जी, सेवा भारती के जिला अध्यक्ष उदय शंकर जी, जिला मंत्री गुड्डन वर्मा, अमित श्रीवास्तव, दिलीप जी, हरिओम गुप्ता तथा जिला कार्यवाहक राकेश जी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक में सेवा कार्यों को समाज के वंचित वर्गों तक पहुंचाने और आने वाले समय में विभिन्न सेवा परियोजनाओं को गति देने का संकल्प लिया।

गहरी जुताई,दोआंख के बीज व ट्रेन्च विधि से गन्ना बुआई से बढ़ेगी पैदावार वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

लखीमपुर खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल गोला क्षेत्र में बसन्तकालीन गन्ना बुवाई में नई गन्ना प्रजातियों की बुवाई करने तथा उससे अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए ग्राम जटपुरा में वृहद गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोला आशुतोष मधुकर एवं चीनी मिल के वरि0 महाप्रबन्धक (गन्ना) पी.एस. चतुर्वेदी,राष्ट्रीय जैविक कृषि मिशन के संयोजक मनोज दीक्षित के साथ अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस गोष्ठी में ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने बसन्तकालीन गन्ना बुआई में कृषकों को गन्ना प्रजाति को0 0238 रेडरॉट रोग से गम्भीर रूप से ग्रसित हो जाने के कारण इसकी बुआई में विशेष सावधानी बरतने तथा उन्नतशील गन्ना प्रजातियाँ को0 0118,15023 एवं कोलख0 14201 तथा निचले क्षेत्र के लिए को0 98014 व कोलख0 94184 की बुवाई करने हेतु प्रेरित किया तथा हरियाणा 119 (॥क्र), कोशा0 91269 एवं पीबी0 95 जैसी अनामित व अस्वीकृत प्रजातियों की बुआई कदापि न करने की सलाह दी। वरि0 महाप्रबन्धक (गन्ना) ने किसानों को गन्ना बुवाई के समय बीज के चुनाव में सावधानी बरतने तथा बीज के रूप में गन्ने के ऊपरी दो तिहाई हिस्से की बुवाई करने तथा 04 फिट की दूरी पर ट्रेंच विधि से गन्ना बोने से होने वाले लाभ की जानकारी दी। साथ ही गहरी जुताई करने से होने वाले लाभ के बारे में जैसे मिट्टी की जलधारण क्षमता बढ़ती है,मृदा में वायु संचार अच्छा होता है जिससे पैदावार बढ़ती है। और भूमि उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा मिल द्वारा अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है इसके प्रयोग से मृदा में उपस्थित हानिकारक फफूंद नष्ट हो जाते हैं तथा जमीन भुरभुरी हो जाती है। इसके साथ ही बीज उपचार हेतु फॅफूंदीनाशक थायोफिनेट मिथाइल भी अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। और उन्होंने बताया कि उन्नतशील गन्ना प्रजातियों का शुद्ध व निरोग बीज सुरक्षित किया गया है जिसे चीनी मिल के माध्यम से वितरित करने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।साथ ही यह भी बताया कि मिलगेट एवं क्रयकेन्द्रों पर खुली खरीद की जा रही है, जिन कृषकों के पास चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गन्ना अवशेष है, वह अपना गन्ना मिलगेट/ क्रयकेन्द्रों पर अपना कोड नं. देकर पर्ची प्राप्त कर गन्ना आपूर्ति कर ले। इसके पश्चात चीनी मिल पेराई सत्र 2025-26 के लिए अन्तिम रूप से बन्द कर दी जायेगी।इसी क्रम में राष्ट्रीय जैविक कृषि मिशन के संयोजक ने जैविक खेती करने के तरीके और लाभ की जानकारी दी।

गैस संकट के चलते बेसहारा लोगों के भोजन व्यवस्था ठप, खाना मांगने को हुए मजबूर

जन एक्सप्रेस । मोहम्मदी खीरी

कस्बा से लेकर गांव तक रसोई गैस को लेकर लोग दैनिक कार्यो को छोड़कर लाइन में लगने को मजबूर हो रहे हैं। सिलेंडर की समय सीमा 25 दिन होने के चलते से कस्बा की रसोई में ताला पड़ गया है जिससे जरूरतमंदों को भोजन के लिए सड़क पर भूखा सोना पड़ रहा है। संचालित जानकी रसोई में प्रतिदिन 100 से अधिक गरीब और असहाय लोगों को निशुल्क भोजन व्यवस्था में सिलेंडर की खपत अधिक होने के चलते आपूर्ति न मिलने पर व्यवस्था ठप हो गई जिससे लोगों को भोजन मिलना बंद हो गया है। संचालन संगठन के लोग अपनी बचत से धन समाज सेवा में खर्च कर लोगों को भोजन के लिए राशन आदि की की व्यवस्था व मुश्किल कर पाते हैं ऐसे में महंगी गैस खरीदने के लिए आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। व्यवसायिक प्रयोग के लिए मिलने वाली गैस बहुत पहले से ही बंद चल रही है रेस्टोरेंट संचालकों को घरेलू गैस खरीदने से डिमांड भी बढ़ गई एजेंसी पर कार्य कर्मचारियों ने नाम न छापने पर बताया मालिकों के पास बड़ी मात्रा में कनेक्शन धारकों की पास बुक पहले से मौजूद हैं जिनका खेल बदस्तूर जारी है जिससे गैस का संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रशासन जांच में रजिस्टर और स्टाक देखकर सब कुछ ठीक होने की बात कह रहा है।

काशीराम जयंती के अवसर पर पीडीए एवं होली मिलन समारोह हुआ सम्पन्न

जन एक्सप्रेस । निघासन खीरी

काशीराम जयंती के अवसर पर पीडीए एवं होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन हुआ इस अवसर पर उपस्थित हजारों लोगों ने एक दुसरे को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।समारोह के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि होली केवल रंगो का त्योहार ही नहीं ब्लिक यह आपसी प्रेम भाईचारे और मेल मिलाप का प्रतीक हैं उन्होंने कहा कि पर्व आपसी मतभेद भुलाकर एक दुसरे के करीब आने का संदेश देता है ।पूर्व मंत्री रामासरे विश्कर्मा ने कहा कि होली का त्योहार समाज मे प्रेम और सदभाव को बढावा देता है ऐसे आयोजन लोगों के बीच आपसी सम्बधों को मजबूत करते हैं।राजपाल कश्यप पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा होली भारती संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व हैं जो लोगों को आपासी भाईचारे शौहारद का संदेश देता है पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा लोधी ने कहा होली का पर्व हमे एक दुसरे के साथ मेलजोल भाईचारे के साथ रहने का सस्क्त माध्यम है।लोक गायक सुरेश एंव जया भोजपुरी लोकगीतों के माध्यम से पार्टी की योजनाओं के माध्यम से लोगों को भावबिभोर किया।इस अवसर पर आंवला सासंद नीरज कुशवाहा, खीरी सासंद उत्कर्ष वर्मा, प्रदेश सचिव महेंद्र चौहान, जिलाध्यक्ष रामपाल यादव,पूर्व जिलाध्यक्ष शंशाक यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष अनुराग पटेल, कयूम खा, अनीता यादव, नरेश यादव,पूर्व विधायक आर ए उस्मानी, विनय तिवारी, उदयभान यादव,बेनजीर उमर, राजू गुप्ता,,विधानसभा अध्यक्ष भंडारी यादव, जिला सचिव निसार अहमद, नगर अध्यक्ष मनोज वर्मा, आदि। तहसील अधिवक्ता संघ निघासन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष चंद्रकेश मिश्रा मंत्री मो लतीफ ख पूर्व विधायक आर एस कुशवाहा ने होली मिलन समारोह के कार्यक्रम में सम्मानित किया।

सेरपुर गांव मे गिद्धों का झुंड देखे जाने से ग्रामीण उत्साहित

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

25 वर्ष बाद दिखाई पड़ा गिद्धों का झुंड देखे जाने से ग्रामीणो मे खुशी की लहर दौड़ गई, महेशपुर वन रेंज की विलहरी वन चौकी के ग्राम शेरपुर में गिद्धों का झुंड दिखाइए पड़ा राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष अंजनी दीक्षित ने कहा कभी शेरपुर गांव के वन विभाग के जंगल में सैकड़ो गिद्धों का बसेरा हुआ करता था, जो बिल्कुल विलुप्त हो गए थे हलाकि उन्होंने बताया कि विगत 24 फरवरी को गिद्धों का झुंड भी इसी पेड पर दिखाई पड़ा था, जो पर्यावरण के लिये अत्याधिक सुखद खबर है, झुंड में लगभग पचासों गिद्ध दिखाई पड़ रहे हैं, किसान नेता अंजनी दिक्षित ने बताया कि अगर गिद्ध अपना बसेरा इस जंगल में बनाते हैं तो पर्यावरण को काफी लाभ पहुंचेगी। विजय सिंह, वन रक्षक बिलहरी वन चौकी

ने बताया कि सेरपुर गांव मे गिद्धो के झुन्डों की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से हुई है, उनके संरक्षक के लिये प्रयास किये जा रहे है।

कृषक समाज इंटर कॉलेज की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का आयोजन

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन कार्यक्रम का प्रारंभ प्रार्थना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत के साथ किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. राकेश कुमार अग्रहरि असिस्टेंट प्रोफेसर, क्रेन ग्रोवर्स नेहरू पीजी कॉलेज रहे, जिन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व तथा एक अच्छे नागरिक के कर्तव्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को ईमानदारी, अनुशासन, परिश्रम और सामाजिक जिम्मेदारी का पालन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि एक अच्छा नागरिक वही होता है जो अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करता है और समाज के विकास में सहयोग करता है कार्यक्रम के दूसरे सत्र में स्वयं सेवक सेविकाओं ने श्रमदान किया। कार्यक्रम के पश्चात छात्र- छात्राओं ने अपनी कुशलता दिखाते हुए अपने साथियों तथा आये हुए अथितिओं के लिए भोजन बनाया। कार्यक्रम में रा. से. यो. अधिकारी डॉ. अनिल कुमार, ओम प्रकाश यादव, संजय कुमार,पूर्णा कर्मा, सत्यवती गौतम, मनीषा भारती आदि अध्यापक उपस्थिति रहे।

किसान पर तेंदुए ने किया हमला

जन एक्सप्रेस । निघासन खीरी

निघासन वन रेंज के रन नगर गांव में एक किसान के भूसा गोदाम में घुसे तेंदुए ने किसान पर हमला कर दिया। हमले में किसान का एक हाथ घायल हो गया। बताया जा रहा है कि करीब तीन घंटे से तेंदुआ गोदाम में ही छिपा हुआ है। सूचना मिलने पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है।जानकारी के अनुसार रन नगर गांव निवासी राजन शर्मा के फार्म हाउस में मवेशियों के लिए रखे गए भूसे के गोदाम में कुछ लोगों ने तेंदुए को घुसते देखा। इसकी सूचना मिलने पर किसान राजन शर्मा भी वहां पहुंच गए और तेंदुए को तलाशने के लिए गोदाम के अंदर चले गए।

जैसे ही उन्होंने तेंदुए को देखा और उसका वीडियो बनाने की कोशिश की, वैसे ही तेंदुए ने उनके हाथ पर झपट्टा मार दिया। तेंदुए के हमले के बाद राजन शर्मा किसी तरह खुद को बचाते हुए गोदाम से बाहर भाग आए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देकर तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग की है।घायल किसान राजन शर्मा ने बताया कि लोगों से सूचना मिलने के बाद वह गोदाम के अंदर तेंदुए को देखने गए थे। जैसे ही उन्होंने वीडियो बनाने की कोशिश की, छिपे बैठे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। किसी तरह वह मौके से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। फिलहाल तेंदुआ अब भी गोदाम के अंदर मौजूद बताया जा रहा है।तिकुनिया कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा ने बताया कि पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है। सुरक्षा के मद्देनजर ग्रामीणों को दूर रखा गया है। वहीं रेंजर भूपेंद्र सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर तैनात है और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही तेंदुए को पकड़ लिया जाएगा।

एक्सप्रेस खबरें...

सपा प्रदेश अध्यक्ष का जनपद खीरी में जोरदार स्वागत

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर-खीरी। श्याम लाल पाल जी प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश जी के लखीमपुर खीरी के आगमन पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामपाल यादव , जिला महासचिव अंसार महलूद , पूर्व जिला अध्यक्ष अनुराग पटेल , आरिफ ठेकेदार ,शेखावत अली , चौधरी शबान अहमद , अजमत गौरी , सानुल हक अंसारी , आरिफ अंसारी , मोहम्मद अफजाल खान जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा , सिद्दीक खान के द्वारा लखीमपुर के मरखापुर के पास जोरदार फूल मालाओं से स्वागत किया गया , एल आर पी होते हुए जिला महासचिव अंसार महलूद के निवास पर सैकड़ों लोग मौजूद बैंड बाजे व फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया।

पैदल जाते युवक की सड़क हादसे में मौत

जन एक्सप्रेस। मोहम्मदी खीरी। अमीर नगर चौकी क्षेत्र के मोहम्मदी लखीमपुर मार्ग पर गांव कंधरापुर निवासी युवक को सड़क पर पैदल जाते समय अज्ञात वाहन ने कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। गांव कंधरापुर निवासी मृतक के पिता बाल खीरा ने बताया उसका पुत्र पिंटू 30 वर्षीय शनिवार की रात 11 बजे करीब खेत पर जा रहा था तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर कुचल दिया सूचना पर पहुंचे एस आई संजीत तिवारी ने घायल को मोहम्मदी सी एच सी पर इलाज के लिए भर्ती कराया था डॉक्टर ने जांच के दौरान मृत घोषित कर दिया है सूचना पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त करने पर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था मृतक विवाहित था उसकी पत्नी उसे छोड़ कर चली गई थी तभी से अपनी मां रामरती और बड़े भाई नंदू सिंह के साथ रहकर खेती-बाड़ी में सहयोग करता था।

गौटैया बाग में कॉंग्रेस का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के द्वारा स्वास्थ्य सर्जन अभियान के तहत कांशीराम जी की जयंती के शुभ-अवसर पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर मुहल्ला गौटैया बाग लखीमपुर खीरी में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन डाक्टर रईस अहमद उस्मानी जी ने किया। इस दौरान शिविर में बहुत से मरीज़ों का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया, तथा रोगियों को नि:शुल्क दवा वितरण भी किया गया। मुफ्त दवा वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से डाक्टर रईस अहमद उस्मानी वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस भवन लखीमपुर खीरी, रवि तिवारी उपाध्यक्ष, जमील अहमद क़ुरैशी महासचिव , राम पाल शाक्य महासचिव प्रशासनिक, सरोजिनी अवस्थी, चन्द्र प्रभावती महिलासभा, राम जीवन राज एडवोकेट कोषाध्यक्ष, मेराज खान युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष, डाक्टर श्रीवास्तव चिकित्सा परिषद अध्यक्ष, शफीक अहमद हलवाई, एवं मोयीन अहमद आदि उपस्थित रहे।

पिकअप ने बाइक को टक्कर मारी, छात्रा घायल

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर-खीरी। मैगलगंज मार्ग पर मितौली थाना क्षेत्र के बबौना के पास एक पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मैगलगंज थाना क्षेत्र के अलियापुर निवासी छात्रा काजल मिश्रा घायल हो गई। काजल अपने भाई दिवाकर के साथ कस्ता विद्यालय में परीक्षा देने जा रही थीं। दुर्घटना में काजल के भाई दिवाकर को भी चोटें आई हैं।राहगीरों ने तत्काल घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली पहुंचाया। दोनों घायलों का इलाज चल रहा है।बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

समाज सेवा की मिसाल बने सुरेंद्र तोलानी

■ कई सामाजिक, शैक्षिक व सेवा संस्थाओं से जुड़कर जरूरतमंदों की कर रहे निरंतर मदद

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

जनपद में समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले समाजसेवी सुरेंद्र तोलानी वर्षो से समाज के दबे-कुचले, गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और सेवा संस्थाओं से जुड़े रहकर वे जनसेवा को अपना प्रमुख उद्देश्य मानते हुए समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।सुरेंद्र तोलानी वर्तमान में लायंस उपकार नेत्र चिकित्सालय, लखीमपुर के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए जरूरतमंद लोगों को नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं आदर्श मूकबधिर विद्यालय, लखीमपुर के अध्यक्ष के रूप में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और उनके भविष्य को संवारने के लिए भी लगातार प्रयासरत हैं।सामाजिक और व्यापारिक संगठनों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी है। वे उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, एनिमल लवर सोसाइटी लखीमपुर तथा जन जागृति सामाजिक संस्था लखीमपुर खीरी में संरक्षण की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा खीरी क्लब लखीमपुर और श्री गुरुनानक स्पोर्ट्स अकैडमी लखीमपुर में उपाध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। वे श्री गुरुनानक डिग्री कॉलेज, श्री गुरुनानक इंटर कॉलेज तथा गुरुनानक कन्या इंटर कॉलेज में उपप्रबंधक के रूप में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में सहयोग दे रहे हैं।इसके अतिरिक्त वे लायंस क्लब लखीमपुर उपकार के सीनियर सदस्य, भारत विकास परिषद लखीमपुर खीरी, आदर्श मां लक्ष्मी धर्मार्थ होम्योपैथिक चिकित्सालय तथा गुरुद्वारा सिंह सभा हाथीपुर के सदस्य के रूप में भी सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रियता उन्हें जनपद के प्रमुख समाजसेवियों में स्थान दिलाती है। उनके कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक माने जाते हैं और वे निरंतर सेवा भाव के साथ समाज के लिए कार्य करते आ रहे हैं।

इत्रोत्सव-2026' में सुगंध, संस्कृति और परंपरा का अनूठा संगम दिखा

जन एक्सप्रेस । कन्नौज

इत्र नगरी कन्नौज की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से पहली बार आयोजित किए जा रहे 'कन्नौज इत्रोत्सव-2026' का आयोजन जनपद स्थित बोर्डिंग ग्राउंड में 14 से 16 मार्च 2026 तक भव्य रूप से किया जा रहा है। यह इत्रोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कन्नौज की उस प्राचीन सुगंधित परंपरा का उत्सव है, जिसने सदियों से इस नगर की पहचान को जीवंत बनाए रखा है। इत्रोत्सव के माध्यम से कन्नौज की पारंपरिक इत्र कला, संस्कृति, लोकजीवन और हस्तशिल्प को नई पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है। इत्रोत्सव के द्वितीय दिवस पर विभिन्न विभागों एवं कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आला गायन, सोलो डांस, कत्थक नृत्य, अवधी लोकनृत्य, लोकगीत एवं संगीत प्रस्तुतियां दी गई, जिन्हें उपस्थित दर्शकों ने अत्यंत सराहा। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कन्नौज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने इत्रोत्सव के विभिन्न स्टॉलों एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आयोजकों और प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन कन्नौज की पारंपरिक इत्र उद्योग को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा देंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने कहा कि कन्नौज सदियों से अपनी पारंपरिक इत्र निर्माण कला और सुगंधित संस्कृति के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध रहा है। ऐसे में पहली बार आयोजित हो रहा कन्नौज इत्रोत्सव जनपद की इस गौरवशाली परंपरा को नई पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कन्नौज की उस विरासत का उत्सव है जो पीढ़ियों से यहां के कारीगरों और इत्र व्यवसाय से जुड़े लोगों के श्रम और समर्पण से जीवित है। इत्रोत्सव के माध्यम से कन्नौज की प्रसिद्ध इत्र उद्योग, स्थानीय शिल्पकारों की कला और यहां की सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। इत्रोत्सव के दौरान वृद्धजनों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसने कार्यक्रम को विशेष रूप से भावनात्मक और प्रेरणादायक बना दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी वेद प्रकाश मिश्रा ने बताया कि 'कलम' नामक स्वैच्छिक संस्था के सहयोग से वृद्धजनों, युवाओं और बच्चों द्वारा संयुक्त रूप से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस पहल का उद्देश्य समाज में अंतरपीढ़ीगत संवाद और जुड़ाव को बढ़ावा देना है, जिससे विभिन्न आयु वर्ग के लोग एक-दूसरे के अनुभवों और ऊर्जा से प्रेरणा ले सकें।

जिला स्तरीय जूनियर कबड्डी एवं वॉलीबाल में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जन एक्सप्रेस । कन्नौज

जिला खेल कार्यालय, सौरिख के तत्वावधान में आज सिटी चिल्ड्रंस एकेडमी, छिबरामऊ में जिला स्तरीय जूनियर बालक/बालिका कबड्डी एवं वॉलीबाल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं खेल अकादमियों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रदीप प्रधान, मैनेजिंग डायरेक्टर, सिटी चिल्ड्रंस एकेडमी तथा नीरा प्रसाद, प्रधानाचार्या द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। दिनभर चली इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ अपने-अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर उपस्थित दर्शकों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मनोज दुबे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद छिबरामऊ द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं को स्वस्थ और सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है तथा ऐसे आयोजनों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर विश्वास प्रधान, सीईओ सिटी चिल्ड्रंस एकेडमी, सुधा प्रधान, एडमिनिस्ट्रेटर सिटी चिल्ड्रंस एकेडमी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ, खेल अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका मनोज कुमार कुशवाहा (हॉकी प्रशिक्षक, कन्नौज), हर्षित यादव, अमित राजपूत, शिवम ठाकुर, रीना जसरोटिया, सृजित, प्रेमानंद, निमित कुमार, राम यादव एवं शिवेंद्र पांडेय द्वारा निभाई गई।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

वॉलीबाल बालक वर्ग में छिबरामऊ स्पोर्ट्स एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-1 सेट के अंतर से सिटी चिल्ड्रंस एकेडमी को पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वॉलीबाल बालिका वर्ग में कन्नौज पब्लिक स्कूल ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 सेट के अंतर से सिटी चिल्ड्रंस एकेडमी को पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। कबड्डी बालक वर्ग में छिबरामऊ स्पोर्ट्स एकेडमी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 54-17 के बड़े अंतर से सिटी चिल्ड्रंस एकेडमी को पराजित किया। वहीं कबड्डी बालिका वर्ग में डी.के. स्पोर्ट्स एकेडमी ने रोमांचक मुकाबले में छिबरामऊ स्पोर्ट्स एकेडमी को 18-14 के अंतर से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में जिला क्रीड़ा अधिकारी नूर हसन द्वारा प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, निर्णायकों, विद्यालय प्रबंधन, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से जनपद में खेलों को बढ़ावा मिलता है।

ईरान की दोटूक : जंग खत्म करने की गारंटी मिले तो अमेरिका-इजराइल से बात को तैयार

मिडिल ईस्ट संकट : मुजतबा खामेनेई के 'कोमा' में होने की खबरों को ईरान ने नकारा, बताया पूरी तरह स्वस्थ

16वां दिन : एक तरफ बातचीत की पेशकश, दूसरी तरफ नेतन्याहू को जान से मारने की धमकी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 16वें दिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर जंग खत्म करने की ठोस गारंटी मिलती है तो हम अमेरिका-इजराइल से बातचीत को तैयार है। उनका कहना है कि किसी भी ऐसे प्रस्ताव का स्वागत किया जाएगा जिससे युद्ध खत्म हो सके। इस बीच खाड़ी देशों ने ईरान से अपने इलाकों पर हमले बंद करने की मांग की है। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को ढूंढकर मारने की धमकी दी थी। अल जजीरा के मुताबिक, [illegible] ने कहा कि बच्चों का हत्यारा अगर जीवित है, तो पूरी ताकत से उसका पीछा करेंगे और उसे मार देंगे। ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने भी कहा था कि मुजतबा घायल हो गए हैं। हालांकि अराघची ने इन दावों को खारिज कर दिया है।

ईरान बोला, हमने मिडिल ईस्ट में रिहायशी इलाकों पर हमला नहीं किया

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान ने मिडिल ईस्ट में किसी भी नागरिक या रिहायशी इलाके को निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं आम लोगों के इलाकों पर हमला हुआ है, तो उसकी जांच के लिए ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मिलकर एक कमेटी बनाने को तैयार है। यह कमेटी पता लगाएगी कि इन हमलों के लिए असली जिम्मेदार कौन है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान खाड़ी देशों से बात कर रहा है और अगर कोई ऐसी कोशिश होती है जिससे अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहा युद्ध खत्म हो सके, तो ईरान उसका स्वागत करेगा। वहीं खाड़ी देशों ने ईरान से हमले रोकने की अपील की है। उनका कहना है कि इन हमलों से अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ-साथ एनर्जी फैसिलिटी और रिहायशी इलाकों को भी नुकसान हुआ है।

इजराइल के दो अहम ठिकानों पर ईरान का ड्रोन अटैक

ईरान की सेना ने कहा है कि उसने आज सुबह इजराइल के दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर ड्रोन से हमला किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, हमले में इजराइल की खास पुलिस यूनिट 'लहव 433' के मुख्यालय और 'गिलाट सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेंटर' को निशाना बनाया गया। हालांकि, ईरान ने यह नहीं बताया कि ये जगहें इजराइल के किस इलाके में हैं और हमले से कितना नुकसान हुआ। फिलहाल इस हमले को लेकर इजराइल की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लहव 433- यह इजराइल की स्पेशल जांच यूनिट है। ये बड़े अपराध, भ्रष्टाचार और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की जांच करती है। इसे अक्सर इजराइल की एफबीआई भी कहा जाता है। गिलाट सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेंटर- यह सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट और कम्युनिकेशन सर्विस देता है। यहां से दूर-दराज इलाकों तक सैटेलाइट के जरिए से कनेक्शन दिया जाता है।

सीबीएसई ने ईरान जंग की वजह से मिडिल ईस्ट में 12वीं की परीक्षा रद्द की

भारत के सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कई देशों में कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। बोर्ड के मुताबिक 16 मार्च से 10 अप्रैल तक होने वाली सभी परीक्षाएं अब नहीं होंगी। यह फैसला बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में पढ़ने वाले सीबीएसई छात्रों पर लागू होगा। बोर्ड ने यह भी बताया कि जिन परीक्षाओं को पहले स्थगित किया गया था, वे भी अब रद्द मानी जाएंगी। इससे पहले कक्षा 10 की परीक्षाएं भी रद्द की जा चुकी हैं।

जंग के कारण बेहरीन और साऊदी अरब में होने वाली फॉर्मूला-1 की रेस रद्द

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण फॉर्मूला-1 ने अप्रैल में होने वाली दो रेस रद्द कर दी हैं। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए बहरीन और सऊदी अरब ग्रांड प्रीक्स को आधिकारिक रूप से कैंसल कर दिया गया है। बहरीन ग्रां प्री 12 अप्रैल को होनी थी, जबकि सऊदी अरब ग्रां प्री 19 अप्रैल को तय थी। फॉर्मूला-1 ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि कई विकल्पों पर विचार किया गया, लेकिन अंत में तय किया गया कि अप्रैल में इन रेस की जगह कोई दूसरी रेस नहीं रखी जाएगी। दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ एक महीने पहले ही टीमों ने बहरीन इंटरनेशनल सर्किट पर टेस्टिंग भी की थी। इन रेस के रद्द होने के बाद इस सीजन में कुल 22 रेस रह जाएंगी। साथ ही 29 मार्च को होने वाली जापान ग्रां प्री और 3 मई की मियामी ग्रां प्री के बीच करीब पांच हफ्ते का अंतर भी बन जाएगा। इस बीच चीन ग्रां प्री रविवार को तय कार्यक्रम के मुताबिक कराई जाएगी।

जंग की वजह से कतर में होने वाली मोटरसाइकिल रेस टली

मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव की वजह से मोटरसाइकिल रेस 'कतर ग्रां प्री' को टाल दिया गया है। मोटरसाइकिल रेसिंग चैंपियनशिप मोटोजीपी ने बताया कि यह रेस पहले अप्रैल में होने वाली थी, लेकिन अब इसे 8 नवंबर को कराया जाएगा। यह रेस लुसैल इंटरनेशनल सर्किट में 10 से 12 अप्रैल के बीच होने वाली थी। इसमें दुनिया के टॉप बाइक रेसर मोटरसाइकिल रेस करते हैं। ग्रां प्री का मतलब होता है किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय रेस मुकाबले का एक राउंड। मोटोजीपी सीजन में अलग-अलग देशों में कई रेस होती हैं, उन्हीं में से एक कतर ग्रां प्री भी है।

यूएई में फर्जी वीडियो फैलाने के आरोप में 10 लोग गिरफ्तार

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान जंग के बीच सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो फैलाने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। देश की सरकारी समाचार एजेंसी वाम के अनुसार यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच डिजिटल प्लेटफॉर्म की निगरानी के दौरान यह कार्रवाई की गई। हालांकि आरोपियों की राष्ट्रीयता सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों के अनुसार कुछ लोगों ने ऐसे वीडियो साझा किए जिनमें वायु रक्षा प्रणाली द्वारा हमलों को रोकते हुए असली फुटेज दिखाए गए थे, जबकि अन्य क्लिप में जमीन पर गिरे प्रोजेक्टाइल या घटनाओं को देखने के लिए जमा भीड़ दिखाई गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ वीडियो एआई की मदद से बनाए गए थे, जिनमें यूएई के अलग-अलग इलाकों में विस्फोट, बड़े पैमाने पर आग या प्रमुख इमारतों पर हमलों के झूठे दृश्य दिखाए गए।

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए गारंटी मांगी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि किसी भी ऐसे प्रस्ताव या पहल का स्वागत किया जाएगा, जिससे अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने की गारंटी मिल सके। इस बीच खाड़ी देशों ने ईरान से अपने क्षेत्रों पर हमले बंद करने की मांग की है। उनका कहना है कि इन हमलों में केवल अमेरिकी सैन्य ठिकाने ही नहीं बल्कि ऊर्जा सुविधाओं और रिहायशी इलाकों को भी नुकसान पहुंचा है।

'नागरिक इलाकों पर हमले नहीं किए, जांच के लिए तैयार'

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान ने मिडिल ईस्ट में किसी भी नागरिक या रिहायशी इलाके को निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे हमलों की शिकायतें हैं तो ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मिलकर एक संयुक्त समिति बनाने के लिए तैयार है, जो यह जांच करे कि इन हमलों के लिए जिम्मेदार कौन है। अराघची के टेलीग्राम चैनल के अनुसार उन्होंने अल-अरबी अल-जदीद वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान खाड़ी देशों के संपर्क में है।

ईरान में अबतक 150 से ज्यादा हेल्थ सेंटर क्षतिग्रस्त हुए

ईरान में अमेरिका-इजराइल के हमलों के कारण अबतक देशभर में 153 स्वास्थ्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यह जानकारी ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम की रिपोर्ट में दी गई है। हमलों का असर मेडिकल यूनिवर्सिटी पर भी पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक करमनशाह मेडिकल यूनिवर्सिटी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, जहां 42 इकाइयां क्षतिग्रस्त हुईं। इसके बाद इस्फहान में 19 इकाइयों को नुकसान पहुंचा है।

चीन बोला, हम संघर्ष खत्म करने की अपील कर रहे

चीन ने कहा है कि वह संघर्ष खत्म करने की अपील कर रहा है। चीनी दूतावास के अधिकारियों ने कहा कि सभी देशों की जिम्मेदारी है कि ऊर्जा आपूर्ति स्थिर बनी रही। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन से कहा है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकरों की सुरक्षा के लिए अपने वॉरशिप भेजें। हालांकि अब तक किसी भी देश ने सार्वजनिक रूप से ट्रम्प के इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने अमेरिकी मीडिया से कहा कि ब्रिटेन अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ क्षेत्र में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दूसरे विकल्पों पर चर्चा कर रहा है। जापान के अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया से कहा कि केवल ट्रम्प के कहने पर जापान युद्धपोत नहीं भेजेगा। उन्होंने कहा कि जापान अपने फैसले खुद लेता है और स्वतंत्र निर्णय लेना उसके लिए जरूरी है। फ्रांस ने भी साफ कर दिया है कि वह जहाज नहीं भेज रहा। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा है कि वह ट्रम्प के प्रस्ताव की सावधानी से समीक्षा करेगा और इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ करीबी संपर्क बनाए रखेगा।

इजराइल में पिछले 24 घंटे में 100 से ज्यादा लोग घायल

इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ईरान के साथ जारी संघर्ष के कारण पिछले 24 घंटों में 108 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि सभी लोग सीधे मिसाइल या रॉकेट हमलों से घायल हुए हैं या नहीं। कुछ लोग हमलों के दौरान शरण स्थल तक पहुंचने की कोशिश में भी घायल हो सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 28 फरवरी से कुल 3,195 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया जा चुका है। इनमें से 81 लोग अभी भी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं।

चुनाव से पहले कर्मचारियों-पेंशनभोगियों को तोहफा इस वर्ष मार्च महीने से बकाया चुकाएगी ममता सरकार

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को बड़ा एलान करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के बकाया महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान मार्च 2026 से शुरू करेगी। इस फैसले का फायदा शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, नगर निकाय और पंचायत कर्मचारियों के साथ-साथ अनुदान प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों को भी मिलेगा।

ममता ने दी जानकारी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कर्मचारियों को आरओपीए 2009 के तहत मिलने वाला डीए का बकाया मार्च 2026 से किस्तों में दिया जाएगा। राज्य के वित्त विभाग ने इसके लिए जरूरी अधिसूचना भी जारी कर दी है,

जिसमें भुगतान की प्रक्रिया और तरीके की जानकारी दी गई है।

कई वर्षों से कर्मचारी और पेंशनर्स की प्रमुख मांग

यह मुद्दा पिछले कई वर्षों से राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों की प्रमुख मांग रहा है। आरओपीए 2009 यानी वेतन और भत्तों का संशोधन 2009 के तहत कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में संशोधन किया गया था, लेकिन लंबे समय से महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान को लेकर विवाद चल रहा था।

कुछ कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था

इस मामले को लेकर राज्य सरकार के कुछ कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने इस पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि 31 मार्च 2026 तक कर्मचारियों को डीए के बकाया का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा जारी किया जाए। मुख्यमंत्री का यह एलान ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा होने वाली है। इससे कुछ समय पहले ही ममता बनर्जी ने पुजारियों और मस्जिदों में अजान देने वाले मुअज्जिनों के मानदेय में भी बढ़ोतरी का एलान किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले कर्मचारियों और कई समुदायों को साधने के लिए सरकार लगातार बड़े फैसले ले रही है।

दुबई और अबू धाबी की कई उड़ानें रद्द, भारतीय विमानन कंपनियों की एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने बड़ा फैसला लिया है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और इंडिगो ने रविवार को दुबई और अबू धाबी जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह फैसला ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष और हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों की वजह से लिया गया है। एयर इंडिया समूह ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एयरपोर्ट अधिकारियों ने नए निर्देश जारी किए हैं। इस कारण 15 मार्च की उड़ानों में कटौती करनी पड़ी है। एयर इंडिया ने दिल्ली से दुबई के बीच सिर्फ एक वापसी उड़ान चलाने का फैसला किया है। दुबई के लिए तय पांच उड़ानों में से चार को रद्द कर दिया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी ऐसी ही है। इसने दुबई के लिए अपनी छह में से पांच उड़ानें रद्द कर दी हैं। दिल्ली से दुबई के लिए सिर्फ एक वापसी उड़ान चलेगी। इसके अलावा, अबू धाबी जाने वाली सभी पांच उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। हालांकि, एयरलाइन शारजाह से दिल्ली, कन्नूर, कोच्चि, कोझिकोड, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों के लिए उड़ानें चलाने की योजना बना रही है।

कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग, राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बसपा संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की है। उन्होंने इस बाबत पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि हमारा संविधान हर भारतीय के लिए बराबरी, इज्जत और हिस्सेदारी का वादा करता है। कांशीराम ने अपनी जिंदगी समाज के सबसे निचले तबके के लोगों के लिए इन वादों को मतलब देने में लगा दी। ऐसा करके उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की नींव को मजबूत किया और हमारे पॉलिटिकल सिस्टम को ज्यादा रिप्रेजेंटेटिव और इंसाफ वाला बनाया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, मैं भारत सरकार से सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करता हूं। यह सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान कांशीराम के साथ उस पूरे आंदोलन को श्रद्धांजलि होगी, जिसने करोड़ों बहुजनों को हक, हिस्सेदारी और आत्मसम्मान की राह दिखाई। इस मांग को लेकर मैंने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। एक्स पोस्ट में राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखे पत्र की कॉपी शेयर की। पत्र में उन्होंने लिखा कि मुझे उम्मीद है कि यह पत्र आपको ठीक लगेगा। आज जब हम कांशीराम की जयंती मना रहे हैं और उनकी विरासत

और योगदान पर सोच रहे हैं, तो मैं यह रिक्वेस्ट करता हूं कि उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न दिया जाए। कांशीराम ने भारतीय राजनीति का स्वरूप बदल दिया। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने अपने आंदोलनों के जरिए बहुजनों और गरीबों में राजनीतिक जागरूकता फैलाई। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि उनका वोट, आवाज और प्रतिनिधित्व जरूरी है। यह देश सभी का बराबर है। उनकी कोशिशों की वजह से कई लोग जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था, वे राजनीति को न्याय और समानता पाने के एक साधन के रूप में देखने लगे।

कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग

राहुल गांधी ने कहा, 'कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, नेता और एक्टिविस्ट कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग लगातार बनी हुई है और इसे गहराई से महसूस किया जा रहा है। हाल ही में मैं लखनऊ में एक प्रोग्राम में गया था, जहां मौजूद नेताओं और लोगों ने इस मांग को जोरदार तरीके से दोहराया, जो एक आम भावना को दिखाता है। उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न देने से हमारे देश के लिए उनके बहुत बड़े योगदान को पहचान मिलेगी। इससे उन लाखों लोगों की उम्मीदों का सम्मान होगा जो उन्हें ताकत और उम्मीद के प्रतीक के तौर पर देखते हैं। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस रिक्वेस्ट पर गंभीरता से विचार करेगी।

'मैंने पीएम मोदी की जाति पर टिप्पणी नहीं की थी', कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने बयान पर दी सफाई

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित जातिवादी टिप्पणी करने के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियां प्रधानमंत्री की जाति के लिए नहीं, बल्कि उनके चरित्र के लिए थीं। अय्यर ने अपने पुराने विवादित बयान पर सफाई देते हुए कहा, उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। अय्यर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने इस बयान को जाति से इसलिए जोड़ा क्योंकि अय्यर खुद

एक ब्राह्मण हैं। उन्होंने 'चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री नहीं बन सकता' वाले बयान पर भी अपनी बात रखी। अय्यर ने कहा कि उन्होंने ऐसा कभी नहीं कहा। उन्होंने बताया कि उनकी आलोचना मोदी के 'इतिहास के कम ज्ञान' को लेकर थी।

सीएपीएफ बिल के खिलाफ मिल रहा सांसदों का साथ 23 मार्च को जंतर-मंतर पर धरना, सरकार को नोटिस

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

कैबिनेट द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को मंजूरी देने के बाद अब इसे संसद में पेश करने की तैयारी हो रही है। वहीं दूसरी तरफ, सीएपीएफ के पूर्व कैडर अफसरों ने इस विधेयक के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा सांसदों का समर्थन जुटाना शुरू कर दिया है। सांसदों को ज्ञापन दिया जा रहा है। फिलहाल नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल के

राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा, तेजस्वी यादव, आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और टीएमसी सहित कई दूसरे दलों के नेताओं से संपर्क किया जा रहा है। 'एलायंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन' ने इस मामले में 23 मार्च को जंतर मंतर पर धरना देने की घोषणा की है। इस बाबत एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री कार्यालय को नोटिस दे दिया है। बता दें कि अधिकांश नेताओं को सीएपीएफ की सुरक्षा मिली हुई है। यहां तक एसपीजी में भी ज्यादातर सुरक्षा कर्मी, सीएपीएफ से ही आते हैं। ऐसे में सुरक्षा कर्मियों से भी यह अपील की जा रही है कि वे अपने-अपने स्तर पर उक्त बिल को लेकर संबंधित नेता या नौकरशाह से बात करें। पूर्व एडीजी बीएसएफ एसके सूद बताते हैं कि केंद्र सरकार, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 के जरिए कैडर अफसरों के हितों पर कुठाराघात करना चाहती है।

संसद के दरवाजे पर चाय-पकौड़े खाते हैं और विरोध करते हैं, राहुल गांधी पर जमकर बरसे शाह

जन एक्सप्रेस। गुवाहाटी

असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट बढ़ गई है। आरोप-प्रत्यारोप की तेज होती सियासत के बीच राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी रण में अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच दो दिवसीय असम दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में नवनिर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई नई परियोजनाओं की शुरुआत भी की। इस दौरान अमित शाह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था है और वहां इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कभी-कभी संसद के दरवाजे पर बैठकर चाय और पकौड़े खाते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं। उनके अनुसार संसद परिसर ऐसा स्थान नहीं है जहां इस तरह का प्रदर्शन किया जाए। शाह ने कहा कि इससे देश की छवि दुनिया में खराब होती है।

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यक्रम में शाह का संदेश

दूसरी ओर अमित शाह ने असम में भाजपा के लिए बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भाजपा फिर से असम में सबसे बड़ी जनादेश के साथ सरकार बनाएगी। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के युवाओं के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन उसके नेता और उनके परिवार फायदे में रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में असम हिंसा के लिए जाना जाता था और कई युवा मारे गए। गुवाहाटी में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि अगर जनता भाजपा को फिर से सत्ता देती है तो सभी घुसपैठियों को भारत से बाहर भेजा जाएगा। उन्होंने

असम की पिछले सरकार पर साधा निशाना

उद्घाटन के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने पिछली कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के बजाय अपने नेताओं के परिवारों की आर्थिक सेहत सुधारने पर ज्यादा ध्यान दिया। उनके अनुसार उस समय असम का स्वास्थ्य तंत्र काफी खराब हालत में था और लोगों को बेहतर इलाज के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था।

आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठ को सामान्य बना दिया, जबकि भाजपा इसे खत्म करने पर काम करेगी। इसके साथ ही अमित शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रही है क्योंकि इसमें घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार और समाज में ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती है, जबकि भाजपा का फोकस विकास और सुरक्षा पर है।

लोकतांत्रिक परंपरा के उल्लंघन का आरोप

उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार का विरोध करने और प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन संसद के अंदर चर्चा करने के बजाय इस तरह का तरीका अपनाना सही नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि संसद में बहस से बचना और बाहर इस तरह की गतिविधियां करना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। गृह मंत्री ने कहा कि जब दुनिया भर के लोग भारत की ताकत और युवाओं की क्षमता देखने आते हैं, तब इस तरह के कदम देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगी।

गोलाघाट-तिनसुकिया में बने कैंसर केंद्रों का भी उद्घाटन

इसके साथ ही गृह मंत्री ने गोलाघाट और तिनसुकिया में बने कैंसर केंद्रों का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने वर्चुअल माध्यम से दिफू, जोरहाट और बरपेटा मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में बनने वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों की आधारशिला रखी। इतना ही नहीं अमित शाह ने गुवाहाटी के सिक्समाइल इलाके में बनने वाले स्वास्थ्य भवन और अभयापुरी जिला अस्पताल की भी आधारशिला रखी।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की सराहना भी की

केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने सीएम सरमा की सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में असम के स्वास्थ्य क्षेत्र में तेजी से सुधार हुआ है। शाह के मुताबिक अब असम की स्वास्थ्य व्यवस्था देश के विकसित राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के स्तर तक पहुंचने लगी है। उन्होंने कहा कि सरकार अस्पतालों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है ताकि लोगों को अपने ही राज्य में बेहतर इलाज मिल सके। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तर-पूर्व में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए काम कर रही हैं।

कैंसर के इलाज के लिए असम में तैयारी

इसके साथ ही इस दौरान असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि असम में कैंसर इलाज के लिए बड़ा नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी से पहले रतन टाटा असम आए थे और उस समय कार्यक्रम में अमिथ शाह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री के अनुसार उस कार्यक्रम में अमित शाह ने रतन टाटा से कहा था कि उत्तर-पूर्व के हर राज्य में कैंसर अस्पताल बनाए जाने चाहिए। इसके बाद असम सरकार ने बड़ा लक्ष्य तय किया।

पूरे असम में 17 कैंसर अस्पताल बनाने की योजना : सरमा

सीएम सरमा ने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य सरकार और टाटा ट्रस्ट के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें तय किया गया कि असम सरकार 50% और टाटा ट्रस्ट 50% खर्च करेगा। सीएम ने बताया कि इस समझौते के तहत पूरे असम में 17 कैंसर अस्पताल बनाने की योजना शुरू की गई। इन अस्पतालों में कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस योजना के तहत अब तक 12 कैंसर अस्पताल बन चुके हैं और लोगों को बेहतर इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज सरकारी क्षेत्र में कैंसर अस्पतालों का इतना बड़ा नेटवर्क शायद ही किसी दूसरे राज्य में हो, जितना असम में तैयार किया गया है।